सांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-111 | कोलकाता, बुधवार 19 जून 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

जिससे ममता को चिढ़ हिमंत उसे ही बनाना चाह रहे हथियार

● आईआईटी केस में दोनों मुख्यमंत्री में बन रहे भिड़ंत के आसार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक खत लिखकर आईआईटी खड़गपुर में दो साल पहले पूर्वोत्तर के एक छात्र की रहस्यमय मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। आईआईटी अधिकारियों और पश्चिम बंगाल पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बताया था और पहली ऑटोप्सी रिपोर्ट में भी आत्महत्या की पुष्टि की गई थी लेकिन कलकत्ता हाई कोर्ट के

निर्देश पर किए गए दूसरे पोस्टमॉर्टम से पता चला कि छात्र को गोली मारी गई थी और उस पर चाकुओं से भी वार किया गया था। असम के तिनसुकिया जिले का रहने वाला 24 वर्षीय आईआईटी छात्र फैजान अहमद 14 अक्टूबर, 2022 को अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया था। इसी मामले में असम के मुख्यमंत्री ने सोमवार को बंगाल सीएम को लिखी चिट्ठी में लिखा है कि माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, दिवंगत फैज़ान अहमद के शव को कब्र से निकालकर दूसरी बार पोस्टमार्टम किया गया और दूसरी फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक, फैज़ान अहमद की गर्दन के ऊपरी बायीं ओर बंदूक की गोली का घाव था।

आसमां से बरस रही आग

भट्ठी बना 'आधा' हिन्दुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से छह डिग्री सेल्सियस अधिक है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को आसमान सामान्यतः साफ रहने और लू के साथ भीषण गर्मी पड़ने तथा तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 61 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है लेकिन यह 50 डिग्री सेल्सियस जैसी चुभन दे रहा है। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा,राजस्थान,यूपी, बिहार-झारखंड समेत देश के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड बना रहा है। कहीं तापमान 44 के पार तो कहीं 47 के पार दर्ज किया गया।

रिकॉर्ड पर पहुंचा तापमान

● कहीं 44 तो कहीं 47 कर चुका पार

रेलवे सुरक्षा आयुक्त करेंगे 'कंचनजंगा' दुर्घटना की जांच

● रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, कहा-गहन जांच की जाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रंगापानी में सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस में मालगाड़ी के पीछे से टक्कर मारने के कारणों की जांच रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने शुरू कर दी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

दुर्घटना के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों के दोहराव को रोकने के लिए उपाय किए जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर रेल परिचालन बहाल करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अश्विनी वैष्णव ने सिलीगुड़ी में न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास रंगापानी में दुर्घटना स्थल पर संवाददाताओं से बातचीत की। इस दौरान रेलवे सुरक्षा आयुक्त की ओर से दुर्घटना की गहन जांच की जाएगी।

बहुत नाजुक है यह सरकार, छोटी सी गड़बड़ी हुई तो गिर जाएगी

राहुल गांधी का बड़ा दावा, चुनावी नतीजे आने के बाद दिया पहला इंटरव्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली यह एनडीए सरकार बहुत ही नाजुक है। उन्होंने कहा है कि अपने तीसरे कार्यकाल में एनडीए की सरकार अस्तित्व के लिए संघर्ष कर सकती है। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में, राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि 4 जून के फैसले के बाद भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा,संख्या इतनी कम है

कि उनकी स्थिति बहुत नाजुक हैं, और थोड़ी सी भी गड़बड़ी सरकार को गिरा सकती है...सहयोगियों को दूसरी तरफ मुड़ना पड़ सकता है। रायबरेली और वायनाड दोनों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने वाले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी ने कहा,यह विचार कि आप नफरत फैला सकते हैं, आप गुस्सा फैला सकते हैं और आप इसका लाभ उठा सकते हैं -भारतीय लोगों ने इस चुनाव में इसे खारिज कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा, यही कारण है कि गठबंधन संघर्ष करेगा, उन्होंने कहा कि क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जिन चीजों ने काम किया वह काम नहीं कर रहा है। विपक्ष के इंडिया ब्लॉक ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणी से काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

प्रियंका गांधी को वॉकओवर नहीं देगी कम्युनिस्ट पार्टी

● वायनाड़ सीट से उम्मीदवार उतारने का पार्टी ने कर दिया ऐलान

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारेगी। भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विश्वम ने संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल भाकपा के पास वायनाड लोकसभा सीट है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा,इसमें संदेह क्या है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुकूल हो। हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे।

प्रियंका की वायनाड से उम्मीदवारी पर हमलावर हो गई भाजपा, घेरा

● कांग्रेस को बताया गांधी और नेहरू परिवार का 'टूल', जमकर घेरा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। राहुल गांधी ने अपनी जीती हुई दोनों सीटों में से वायनाड को छोड़ दिया है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कांफ्रेंस करके यह जानकारी दी और इसके साथ ही उन्होंने उपचुनाव के लिए वायनाड से प्रियंका गांधी को पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। कांग्रेस के इस फैसले के बाद भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन और वरिष्ठ नेता वी. मुरलीधरन ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने यह फैसला लेकर वायनाड की जनता के साथ धोखा किया है। बिना किसी संदेह के अब यह साबित हो गया है कि कांग्रेस केवल गांधी-नेहरू परिवार का निजी टूल है।

प्रियंका को चुनाव लड़ाकर कद कम करने की हो रही कोशिश

आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले-कांग्रेस को हिंदुओं पर भरोसा नहीं है

गाजियाबाद (एजेंसी)। प्रियंका इस चुनाव के बहाने लोकतंत्र में चुनावी राजनीति का आगाज करेंगी।

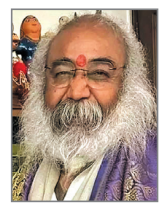

कांग्रेस के पूर्व नेता प्रमोद कृष्णम ने अब इस फैसले को लेकर तंज कसा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा,प्रियंका गांधी कांग्रेस में सबसे अधिक लोकप्रिय चेहरा हैं। उन्हें तो कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए लेकिन वह नई पारी की शुरुआत कर रही हैं। उपचुनाव में टिकट देकर उनके कद को छोटा करने की कोशिश की गई है।

रोहित पवार का दावा-

हमारे संपर्क में एनसीपी के 19 से ज्यादा विधायक

● मानसून सत्र के बाद बदल सकते हैं पाला, दादा शरद तय करेंगे किसे पार्टी में लेना है

मुंबई (एजेंसी)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार ने सोमवार को दावा किया है कि एनसीपी (अजित गुट) के 19 विधायक उनके संपर्क में हैं। विधानसभा के मानसून सत्र के बाद वे पाला बदलने को तैयार हैं। रोहित ने कहा कि ये विधायक अभी पाला नहीं बदल सकते, क्योंकि ऐसा करने पर इन्हें मानसून सत्र का फंड नहीं मिलेगा। मानसून सत्र के बाद पार्टी सुप्रीमो और दादा शरद पवार फैसला लेंगे कि इनमें से किसे पार्टी में लेना है और किसे नहीं। हालांकि, शरद पवार ने 15 जून को एमवीए की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि जो नेता पार्टी छोड़कर गए हैं, उन्हें वापस नहीं लेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र 27 जून से 12 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा की 288 सीटों पर अक्टूबर में चुनाव हो सकते हैं। महाविकास अघाड़ी (शिवसेना, एनसीपी, कांग्रेस) साथ में चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुका है। 2019 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी ने 53 सीटें जीती थीं। जुलाई 2023 अजित पवार ने पार्टी तोड़ी और 41 विधायकों के साथ एनडीए में मिल गए। एनडीए की महायुति सरकार में उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया। विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए में सीट शेयरिंग को लेकर रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने शिवसेना (उद्धव गुट) और कांग्रेस को ज्यादा सीटें लड़ने के लिए दी थीं। हमें उम्मीद है कि अब विधानसभा चुनाव में ये दोनों पार्टियां हमें ज्यादा सीटें लड़ने देंगी। हालांकि, सीट शेयरिंग का फाइनल फैसला तीनों पार्टियों के हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। रोहित पवार ने कहा है कि एनसीपी से राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि अगले कैबिनेट विस्तार में वे केंद्रीय मंत्री बनेंगे। इसका मतलब है कि अजित पवार की पार्टी पर प्रफुल्ल पटेल का पूरा नियंत्रण है। अजित पवार ने जनता की भलाई के लिए पार्टी बदली थी।

पीएम मोदी अबकी श्रीनगर में मनाएंगे योग दिवस

'मन की बात' कार्यक्रम की भी फिर होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी इस साल योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में होने वाले आयोजन में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम डल झील के पास ही स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। जाधव ने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम है, योग स्वयं और समाज के लिए। जाधव ने कहा कि इस थीम का अर्थ है कि कैसे हम योग से खुद की आतंरिक शक्ति बढ़ा सकते हैं और समाज का भी कल्याण इससे संभव है। मंत्री ने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास होता है। इसके अलावा समाज में भी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अपील की है कि गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाया जाए और उन्हें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

मारपीट का मामला

केजरीवाल से लंबी लड़ाई के मूड में स्वाति मालीवाल

● राहुल गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के नेताओं को लिखी चिट्ठी लिखी, मिलने का मांगा वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर अपने साथ हुई मारपीट मामले में स्वाति मालीवाल ने राहुल गांधी और शरद पवार को चिट्ठी लिखकर मदद की गुहार लगाई है। मालीवाल ने विपक्षी इंडिया ब्लॉक के बाकी नेताओं को भी चिट्ठी लिखकर मिलने का समय मांगा है। स्वाति ने मंगलवार 18 जून को सोशल मीडिया पर राहुल और पवार को लिखा लेटर शेयर किया है। उन्होंने लिखा- मैंने पिछले 18 सालों से जमीन पे काम किया है। 9 सालों में दिल्ली महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की। मैंने बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके महिला आयोग को एक ऊंचे मुकाम पे खड़ा किया। हालांकि, बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर उनके पीए विभव कुमार द्वारा बुरी तरह पीटा गया। फिर मेरा चरित्र हनन किया गया। आज मैंने इंडिया गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है।

मेइती और कुकी समुदायों से बात करेगी होम मिनिस्ट्री

मणिपुर मामले पर गृहमंत्री अमित शाह ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्रालय मणिपुर में जातीय विभाजन को पाटने के लिए जल्द से जल्द मेइती और कुकी दोनों समुदायों से बात करेगा। नई दिल्ली में अमित शाह ने एक उच्चस्तरीय बैठक में मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गृह मंत्री ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी और राज्य में शांति एवं सौहार्द्र बहाल करने के लिए उन्हें रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए। शाह ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य में हिंसा की कोई और घटना न हो। यहां एक वर्ष से अधिक समय से जातीय हिंसा जारी है। बयान में शाह के हवाले से कहा गया कि गृह मंत्रालय दोनों समूहों, मेइती और कुकी से बात करेगा, ताकि जातीय विभाजन को जल्द से जल्द पाटा जा सके। उन्होंने मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्थापित लोगों के लिए उचित स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएं तथा उनका पुनर्वास सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

नीट में फ्रॉड करने वाला कोई डॉक्टर बना तो क्या होगा?

● एनटीए पर फिर भड़का सुप्रीम कोर्ट, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी परीक्षा को लेकर छिड़े विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर से तीखी टिप्पणी की। अदालत ने एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि नीट परीक्षा में

0.001 फीसदी भी चूक हुई है या लापरवाही की गई है तो यह चिंता की बात है और उसकी विस्तार से जांच होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, परीक्षा कराने वाली एक एजेंसी के तौर पर आपको साफ-सुथरा रहना चाहिए। यदि कोई गलती है तो बताएं। यदि कोई गलती है तो फिर हम ऐक्शन लेंगे। कम से कम इससे आपके कामकाज में सुधार तो होगा। बेंच ने सरकार और एनटीए से यह भी कहा कि कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है, वह समाज के लिए और भी ज्यादा खतरनाक है।

बंगाल रेल दुर्घटना पर कांग्रेस के मोदी सरकार से 7 सवाल

कोलकाता,एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार से सात सवाल पूछे, जिनका उद्देश्य पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में ट्रेन दुर्घटना में 10 लोगों की मौत और दर्जनों लोगों के घायल होने के बाद भारतीय रेलवे के प्रबंधन में आपराधिक लापरवाही को उजागर करना था। खड़गे ने सवाल किया कि बालासोर में भीषण दुर्घटना के बावजूद, तब से बहुचर्चित कवच एंटी-कोलिजन सिस्टम का एक किलोमीटर भी क्यों नहीं जोड़ा गया। उन्होंने पूछा कि रेलवे में लगभग 300,000 रिक्त पद पिछले एक दशक से क्यों खाली पड़े हैं।

एनसीआरबी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2017 से 2021 के बीच रेल दुर्घटनाओं में 100,000 लोग मारे गए, उन्होंने इन मौतों के लिए जवाबदेही की मांग की। रेलवे बोर्ड ने खुद स्वीकार किया है कि मैनपावर की भारी कमी के कारण लोको

पायलटों के लंबे काम के घंटे दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण हैं। फिर पद क्यों नहीं भरे गए उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया। रेलवे बोर्ड द्वारा रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) की सिफारिशों के प्रति उपेक्षा के लिए रेलवे की संसदीय स्थायी समिति की आलोचना की ओर इशारा करते हुए, खड़गे ने पूछा कि सीआरएस को मजबूत क्यों नहीं किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने सवाल किया कि राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष के लिए 75% धन क्यों काट दिया गया, जबकि कथित तौर पर धन का गलत आवंटन किया गया।

उन्होंने पूछा, रेलवे अधिकारियों द्वारा इस धन का उपयोग अनावश्यक खर्चों और आराम सुविधाओं पर क्यों किया जा रहा है खड़गे ने स्लीपर क्लास में यात्रा की बढ़ती लागत और स्लीपर कोचों की संख्या में कमी पर दुख जताया, जिसके कारण भीड़भाड़ बढ़ गई है और टिकट रद्द हो रहे हैं। उन्होंने कहा, रेल मंत्री ने हाल ही में रेल कोचों में भीड़भाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस बल का उपयोग करने की बात कही। लेकिन क्या उन्हें नहीं पता कि पिछले साल सीटों की भारी कमी के कारण 2.70 करोड़ लोगों को अपने टिकट रद्द करने पड़े थे - जो कि कोचों को कम करने की मोदी सरकार की नीति का सीधा परिणाम था खड़गे ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि क्या मोदी सरकार ने जवाबदेही से बचने के लिए रेल बजट को आम बजट में मिला दिया है। जब भी कोई रेल दुर्घटना होती है, मोदी सरकार के रेल मंत्री कैमरों की चकाचौंध में मौके पर पहुंचते हैं और ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे सब कुछ ठीक है! खड़गे ने कहा। नरेंद्र मोदी जी, हमें बताएं कि किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, रेल मंत्री को या आपको आत्म-प्रशंसा मोदी सरकार द्वारा भारतीय रेलवे पर की गई आपराधिक लापरवाही को कम नहीं करेगी! उन्होंने जोर देकर कहा। जवाबदेही शीर्ष स्तर पर तय की जानी चाहिए। यह टक्कर सोमवार की सुबह सिलीगुड़ी के न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से 30 किलोमीटर दूर रंगापानी के पास हुई, जिसमें एक मालगाड़ी खड़ी सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि घटनास्थल से शुरू में आठ शव बरामद किए गए थे और दो और पीड़ितों ने राज्य द्वारा संचालित उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एनबीएमसीएच) में दम तोड़ दिया। मृतकों में एक छह साल की बच्ची भी शामिल है, जिसे पैर में फ्रैक्चर और यकृत-तिल्ली में चोट सहित गंभीर चोटें आई हैं।

कंचनजंघा एक्सप्रेस यात्रियों की परेशानी खत्म, ट्रेन निर्धारित समय से आठ घंटे देरी से सियालदह पहुंची

कोलकाता,एजेन्सी। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी के निकट मालगाड़ी से टकराने वाली दुर्भाग्यपूर्ण कंचनजंगा एक्सप्रेस के यात्रियों की परेशानी मंगलवार सुबह समाप्त हो गई, जब ट्रेन के सुरक्षित डिब्बे अपने गंतव्य सियालदह स्टेशन पर पहुंच गए। यह घटना सोमवार की सुबह उत्तर बंगाल में बारिश से भीगी हुई थी। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से करीब 10 किलोमीटर दूर रंगापानी में हुई टक्कर में ट्रेन के पिछले हिस्से के कम से कम चार डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को सुचारू रूप से निकालने और उनके घरों तक पहुंचाने के लिए कलकत्ता के मेयर फिरहाद हकीम, पश्चिम बंगाल के परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती और सियालदह डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर दीपक निगम स्टेशन पर मौजूद थे। पूर्वी रेलवे के अधिकारी ने बताया कि त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से सोमवार शाम 7.20 बजे सियालदह पहुंचने वाली 13174 कंचनजंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से आठ घंटे देरी से सुबह 3.16 बजे अपने गंतव्य पर पहुंची। उन्होंने बताया कि दुर्घटना की भयावहता और पीड़ा झेलने वाले असहाय यात्रियों को यात्रा के दौरान मालदा शहर और सियालदह सहित विभिन्न स्टेशनों पर चिकित्सा सुविधाएं, भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के परिवहन विभाग ने सियालदह स्टेशन पर यात्रियों को बसें और छोटे वाहन उपलब्ध कराए, ताकि वे आसानी से अपने घर पहुंच सकें।

ममता ने आरोप लगाया रेलवे पूरी तरह से अभिभावकविहीन हो गया

कोलकाता,एजेन्सी। सीएम ममता ने सोमवार को आरोप लगाया कि रेलवे पूरी तरह से अभिभावकविहीन हो गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे केवल किराया बढ़ाने में दिलचस्पी रखता है, यात्री सुविधाओं में सुधार करने में नहीं। बनर्जी रंगापानी के पास हुए रेल हादसे के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए सिलीगुड़ी जाते समय कोलकाता हवाई अड्डे पर प्रेस से बात कर रही थीं। इस हादसे में कई लोग मारे गए थे। उन्होंने दावा किया, रेलवे पूरी तरह से अभिभावकविहीन हो गया है। मंत्रालय तो है, लेकिन पुराना गौरव गायब है। केवल सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, लेकिन उन्हें यात्री सुविधाओं की कोई परवाह नहीं है। उन्हें केवल किराया बढ़ाने की चिंता है। उन्होंने कहा, आप उन्हें केवल बड़ी-बड़ी बातें करते देखेंगे। वे रेलवे अधिकारियों, तकनीकी, सुरक्षा और संरक्षा कर्मियों का भी ध्यान नहीं रखते। मैं रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ हूं।

आईआईटी खडगपुर की छात्रा ने की खुदकुशी, छात्रावास में फंदे से लटका मिला शव

कोलकाता,एजेन्सी। आईआईटी खडगपुर की तीसरे वर्ष की एक छात्रा का शव सोमवार को उसके छात्रावास में फंदे से लटकता पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छात्रा की पहचान देविका पिल्लई (21) के रूप में हुई है। वह केरल के छेप्पर की रहने वाली थी। अधिकारी ने कहा कि यह आत्महत्या का मामला है या कुछ और, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। हमने जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए खडगपुर उप-मंडल अस्पताल भेज दिया गया है। खबर की पुष्टि करते हुए आईआईटी खडगपुर ने एक बयान में कहा कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग की तीसरे वर्ष की छात्रा देविका पिल्लई का शव सुबह सरोजिनी नायडू छात्रावास परिसर में छत से लटका हुआ मिला। संस्थान के प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस पिल्लई की मौत से जुड़ी परिस्थितियों की गहन जांच कर रही है। बताते चलें कि दो साल पहले आईआईटी खडगपुर में छात्र फैजान अहमद की हुई संदिग्ध मौत के मामले में पिछले दिनों बड़ा खुलासा हुआ था। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद शव का दोबारा हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में पता चला है कि छात्र फैजान के गले पर चाकू का निशान पाया गया था। इसके अलावा उसके शव पर गोली के निशान भी पाए गए थे। इस रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि यह मामला आत्महत्या का नहीं बल्कि हत्या का है। इसी साल मई में दूसरी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंपी गई थी।

राजभवन को तुरंत खाली करें पुलिसकर्मी, राज्यपाल सीवी बोस का बड़ा आदेश; इस घटना के बाद उठाया कदम

पीटीआई, कोलकाता। बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सोमवार सुबह राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस कर्मियों को तुरंत परिसर खाली करने का आदेश दिया, एक अधिकारी ने बताया। उन्होंने कहा कि शबोस राजभवन के उत्तरी द्वार के पास पुलिस चौकी को जन मंच में बदलने की योजना बना रहे हैं। राज्यपाल ने प्रभारी अधिकारी सहित राजभवन के अंदर तैनात पुलिस अधिकारियों को तुरंत परिसर खाली करने का निर्देश दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कुछ दिन पहले पुलिस ने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी और राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के कथित पीड़ितों को बोस से मिलने के लिए राजभवन में प्रवेश करने से रोक दिया था, जबकि राज्यपाल ने उन्हें इस संबंध में लिखित अनुमति दी थी। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हो रही हिंसा को देखते हुए कमेटी का गठन किया है। कल ये टीम हिंसा का जायजा लेने के लिए कोलकाता पहुंची थी। इस कमेटी में बीजेपी के सांसद विप्लब कुमार देब, रविशंकर प्रसाद, सांसद बृजलाल, सांसद और कविता पाटीदार, शामिल हैं। इन्होंने कल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

सिंदरी के दो विद्युतकर्मियों को बंधक बनाकर केबल लूट मामले में केस दर्ज

सिंदरी। हर्ल सिंदरी खाद कारखाना परिसर स्थित पावर सबस्टेशन में शनिवार रात चोरों द्वारा दो मैंडेज विद्युतकर्मियों को बंधक बनाकर लगभग चार किलोमीटर केबल लूट का केस सिंदरी थाना में सोमवार को दर्ज किया गया. जेबीवीएनएल के सिंदरी क्षेत्र के कनीय अभियंता शशि मुंडा ने मामला दर्ज कराया. लूटी गयी सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 7 लाख रुपए आंकी जा रही है. सिंदरी थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का टुंडी में स्वागत

टुंडी। टुंडी प्रखंड के लोधरिया स्थित नव निर्मित मॉडल स्कूल में सोमवार को गिरीडीह लोकसभा से दूसरी बार निर्वाचित सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी का नेता-कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया. मौके पर सांसद श्री चौधरी ने एनडीए कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए गिरिडीह के सर्वांगीण विकास का संकल्प जताया. कहा कि इस भीषण गर्मी में भी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की. यह जीत उनकी मेहनत से संभव हुई है. उन्होंने कहा कि इस मेहनत को व्यर्थ नहीं जाने दिया जायेगा. आगामी विधान सभा चुनाव में भी कार्यकर्ताओं की बदौलत राज्य में एनडीए की सरकार बनेगी. मौके पर मनोज महतो, भास्कर ओझा, गोपाल पांडेय, विक्रम भारद्वाज, समीर साव, सोनाराम महतो, राजेश सिंह, विपिन दां, संतोष महतो, दिनेश राय, रामचंद्र राणा, कौलेश्वर बासकी, दुलाल प्रमाणिक, संजय मंडल, सोनू मंडल, प्रेम सिन्हा, शिवम जायसवाल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

बड़ानी घाटी में सवारी गाड़ी पलटी दो दर्जन लोग घायल

रांची। अड़की थाना क्षेत्र के अड़की कुचाई मुख्य सड़क के बड़ानी घाटी में सोमवार को एक सवारी वाहन के पलटने से उसपर सवार दर्जनों लोग घायल हो गए। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार सवारी वाहन (रजिस्ट्रेशन जेएच 01 आर 7026) से लोग पश्चिमी सिंहभूम के पिंगु गांव से कुचाई के सेयाड़ी गांव एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। घटना दिन के 11 बजे की है। इस बीच घाटी पर तीखी मोड़ के कारण वाहन चालक अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे वाहन पलट गई। सवारी वाहन पर लगभग दो दर्जन से ज्यादा लोग सवार थे। इस दुर्घटना में तुरजन भेंगरा, सिरका तोपनो, जुलसन कंडीर, जोसफ भेंगरा, मोनिका हस्सा सहित 5 वर्षीय लादु हस्सा गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस द्वारा कुचाई अस्पताल ले जाया गया

क्लास में बैठे-बैठे छात्रा की हो गई मौत डॉक्टरों ने बताई वजह

कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल के मदिनीपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस स्कूल में पहली कक्षा के छठी कक्षा के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. डॉक्टरों का मानना है कि इस छात्र की मौत का कारण दिल का दौरा था. पढ़ाई के दौरान क्लासरूम में लड़की की मौत हो गई. जब वह पढ़ रहा था, वह अचानक लेट गया और अपना सिर अपने बैग पर रख लिया। जब उसने उसे उठाने की कोशिश की तो वह किनारे गिर गया।लड़की को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस लड़की की अचानक मौत से उसके परिवार में गुस्सा फैल गया. उसके परिवार ने कहा कि उनकी बेटी बीमार नहीं थी। वह सुबह तैयार होकर स्कूल चला गया। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई. पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

बेहोश होकर बैग पर गिरी

मामला मेदिनीपुर जिले के गोरोगुरीपार थाना अंतर्गत मोरकटा गांव का है. यहां रहने वाली 11 साल की बच्ची पापिया छठी और पहली कक्षा की छात्रा है। वह नियाग्राम हाई स्कूल में पढ़ता है। उसके परिवार के अनुसार, वह हर दिन की तरह मंगलवार सुबह घर पर स्कूल के लिए तैयार हो रही थी। स्कूल में प्रार्थना करने के बाद कक्षा में जाते समय अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। वह क्लास में बेहोश हो जाता है और अपने बैग के साथ बेंच पर गिर जाता है। स्कूल के शिक्षकों ने तुरंत उन्हें इसकी सूचना दी. लड़की को शुरू में एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। चूंकि उनकी हालत गंभीर मानी जा रही थी, इसलिए उन्हें वहां मेदिनीपुर मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर ने कहा कि यह दिल का दौरा था

स्कूल टीचर ने बताया कि पापिया स्कूल आई और प्रार्थना में हिस्सा लिया. क्लास शुरू होने पर वह वहां गया. उसके बगल में बैठे एक सहपाठी ने पापिया को अपने स्कूल बैग पर सिर रखकर सोते हुए देखा। क्लास में पढ़ाने वाले टीचर ने पापिया पात्रा को देखा तो उन्हें लगा कि शायद स्टूडेंट सो रहा है. उन्होंने उसे डांटा और जगाने की कोशिश की, लेकिन छात्र टस से मस नहीं हुआ। अध्यापक ने यह देखा तो वह डर गया। स्टाफ और छात्र के परिवार को सूचित किया गया और अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने लड़की की मौत को दिल का दौरा बताया। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम चल रहा है.

ईदगाह समेत शहर के चारों मस्जिदों में अदा की गयी बकरीद की नमाज

चाईबासा। बकरीद के अवसर पर सोमवार को शहर के ईदगाह समेत पांच स्थानों पर नमाज अदा की गयी। जिसमें ईदगाह, जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद, आसरा मस्जिद और सदर बाजार मस्जिद शामिल है। मदीना मस्जिद में सुबह 6 बजे, ईदगाह में सुबह 6:15 बजे, जामा मस्जिद में सुबह 6:30 बजे ,सदर बाजार मस्जिद में सुबह 6:45 और आसरा मस्जिद में सुबह 7:00 बजे बकरीद की नमाज अदा की गयी। मदीना मस्जिद में मौलाना अमातुल्लाह हबीबी, ईदगाह में मौलाना साजिदुल कादरी, जामा मस्जिद में मौलाना ताहा हुसैन, सदर बाजार मस्जिद में मौलाना एहतेशाम और आसरा मस्जिद में हाफिज शौकत अली बकरीद की नमाज की नमाज पढ़ाई।बकरीद की नमाज के बाद लोग एक दूसरे से गले मिले और मुबारक बाद दी।इस के बाद लोगों ने अल्लाह के राह में जानवरों की कुर्बानी दी। कुर्बानी का सिलसिला लगातार तीन दिनों तक चलता रहेगा।मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को कागज के फूलों और बिजली बत्ती से सजाया गया है। इस अवसर पर जिला और पुलिस प्रशासन के द्वारा ईदगाह समेत सभी

मस्जिदों के आसपास और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया था। ईदगाह में एसडीपीओ राहुल देव बडाइक,सदर थाना प्रभारी तरूण कुमार और मुफस्सिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। बकरीद के मौके पर जामा मस्जिद चौक, साहिल चौक में विभिन्न प्रकार के खाने पीने के ठेले लगाए गए थे। जिसमें बच्चों के अलावा महिलाएं बड़े चाउ से खाते पीते नजर आए। बकरीद का त्योहार शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान करने के लिए जफर नसीम उर्फ सोनू मोबाइल ने जिला और पुलिस प्रशासन के साथ शहरवासियों को बघाई दी है।

बोकारो में सीआईएसएफ के जवान ने अपनी पत्नी की हत्या कर लगा ली फांसी, मौत

बोकारो। बोकारो में सीआईएसएफ के जवान ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी इसके बाद आत्महत्या कर ली. यह घटना सोमवार देर रात हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 8 की बतायी जा रही है. जानकारी के मुताबिक सीआईएसएफ जवान संजीत उर्फ संदीप वर्तमान में हल्दिया जिला में पोस्टेड था. उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी विनीता देवी उर्फ रीता की हत्या की फिर देर रात फंसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली.

पति पत्नी के बीच किसी बात लेकर हुआ था विवाद : बताया जाता है कि विनीता देवी और संजीत की शादी साल 2008 में हुई थी. दोनों की वैवाहिक जिंदगी ठीक-ठाक चल रही थी. सोमवार को पति पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ. इसके बाद संजीत क्रोध में आकर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी. फिर देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. संजीत मूल रूप से बंगाल के पुरुलिया जिले स्थित उरमा गांव का रहने वाला है. वह सपरिवार बीते कई सालों से बोकारो के सेक्टर 8ष्ट में मकान नंबर 2368 में रहता था. उसका एक बेटा है.

घटना को अंजाम देने से पूर्व उसने अपने बेटे को एक कमरे में बंद कर दिया. इसके बाद पत्नी की गला दबाकर हत्या कर शव को बाथरूम में छिपा दिया. फिर संजीत ने सेक्टर 11 डी में जाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी मिलने के बाद हरला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली. थाना ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है. जांच के बाद ही इस बारे में कुछ कहा जा सकेगा.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूचबिहार में भाजपा सांसद अनंत महाराज से मुलाकात की

कोलकाता,एजेन्सी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार दोपहर को राजबंशी समुदाय के नेता और भाजपा के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज उर्फ नागेन रॉय से उनके कूचबिहार स्थित आवास पर मुलाकात की। रॉय ने बनर्जी का स्वागत चकचका पैलेस में पारंपरिक दुपट्टा और गुवा पान से किया। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही यह मुलाकात करीब 35 मिनट तक चली। रॉय के आवास पर जाने से पहले बनर्जी ने जिला मुख्यालय शहर में मदन मोहन मंदिर में पूजा-अर्चना की। बनर्जी सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का दौरा करने के बाद सोमवार शाम को कूचबिहार पहुंचीं, जहां उन्होंने कंचनजंगा एक्सप्रेस त्रासदी के पीड़ितों से मुलाकात की। टीएमसी ने मौजूदा सांसद निसिथ प्रमाणिक को करीब 40,000 वोटों से हराकर भाजपा से कूचबिहार लोकसभा सीट छीन ली। चुनाव परिणामों ने इस बात पर जोरदार अटकलों को जन्म दिया कि क्या क्षेत्र के राजबंशी समुदाय के सदस्यों के एक महत्वपूर्ण वर्ग पर रॉय के प्रभाव को देखते हुए नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं। हालांकि राज्य भाजपा ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिससे पार्टी की बेचैनी बढ़ने की संभावना है, लेकिन रॉय खुद इस बैठक के बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। बैठक के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, देखते हैं भविष्य में क्या होता है।

यात्री ने मालगाड़ी के लोको और सह-लोको पायलट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

दार्जिलिंग/कोलकाता,एजेन्सी। 17 जून को दुर्घटना के समय कंचनजंगा एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री ने मालगाड़ी के लोको पायलट और सह-लोको पायलट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। एक मालगाड़ी ने कथित तौर पर एक सिग्नल की अवहेलना की और सोमवार को सुबह 8.55 बजे उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस को टक्कर मार दी। हादसा दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में हुआ। हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

चिन्मय मजूमदार के रूप में पहचाने गए यात्री ने अपनी शिकायत में उल्लेख किया है कि जब ट्रेन चल रही थी तो अचानक झटका महसूस हुआ, जिससे दहशत का माहौल बन गया। उसे चोटें आई हैं और कुछ सह-

यात्रियों को भी गंभीर चोटें आई हैं। शिकायत में आगे कहा गया है, ट्रेन से उतरने के बाद उसने पाया कि एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी थी, जिसके बाद मालगाड़ी के इंजन सहित कुछ हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। दुर्घटना लोको पायलट और सह-लोको पायलट की जल्दबाजी और लापरवाही के कारण हुई। उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डीन डॉ. संदीप कुमार सेनगुप्ता ने मंगलवार को पुष्टि की कि आज दो और मौतों की सूचना मिलने के बाद दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। कल 37 लोगों को भर्ती कराया गया था, दो लोगों की हालत ठीक नहीं थी इसलिए उन्हें छुट्टी दे दी गई। दो लोग गंभीर थे, दुर्भाग्य से हम उन्हें बचा नहीं सके और आज दोनों की मौत हो गई। वे वेंटिलेटर पर थे। जिन लोगों के कई अंग क्षतिग्रस्त हैं, यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति ठीक है। हम उनके स्वास्थ्य के इतिहास को नहीं जानते हैं और अगर वे दुर्घटना के शिकार हैं, तो ऐसे मामलों में हमें अधिक सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे परिस्थिति बदलती है, हम प्रोटोकॉल के अनुसार निर्णय लेंगे। कल आठ लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था, साथ ही उनके शरीर का एक अंग - एक पैर भी था। दो लोगों की अस्पताल में मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 10 हो गई। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य रेलवे सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग 19 जून को कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे के संबंध में वैधानिक जांच करेंगे, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई और 25 लोग घायल हो गए। कंचनजंगा एक्सप्रेस, मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आज तड़के कोलकाता के सियालदह स्थित अपने गंतव्य स्टेशन पर पहुंची। (एएनआई)

बिहार में बंपर वैकेंसी की तैयारी, 5.17 लाख सरकारी नौकरी और 11 लाख लोगों को साल भर में रोजगार मिलेगा

पटना, एजेंसी। बिहार में वर्ष 2024-25 तक पांच लाख 17 हजार सरकारी नियुक्तियां की जायेंगी. इसे मिशन मोड में पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है. इसमें से दो लाख 11 हजार नई नियुक्ति के लिए अधियाचना नियुक्ति करने वाले विभिन्न आयोगों को भेजी जा चुकी है. साथ ही अगले एक महीने में दो लाख 34 हजार रिक्तियों की अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जायेगी. अगले साल नियुक्ति के लिए 72 हजार और रिक्तियां होने का अनुमान है, जिसकी अधियाचना अगले वर्ष भेजी जायेगी. यह जानकारी सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के जनसंपर्क कोषांग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है.

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गयी जानकारी : प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि सात निश्चय- 2 के अंतर्गत राज्य में पांच लाख 16 हजार नियुक्तियां की जा चुकी हैं. इसके अतिरिक्त एक लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण के लिये तैयार है. साथ ही पांच लाख 17 हजार रिक्तियों के विरूद्ध नियुक्ति प्रक्रियाधीन है यानी (पांच लाख 16 हजार, एक लाख 99 हजार और पांच लाख 17 हजार) कुल 12 लाख से अधिक सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है. इस प्रकार मुख्यमंत्री के सात निश्चय-2 के अंतर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी देने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उसे पार करते हुये वर्ष 2024-25 तक 12 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी दी जायेगी.

1.99 लाख को अगले तीन महीने में मिलेगा नियुक्ति पत्र : अब तक पांच लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है. इसके अतिरिक्त एक लाख 99 हजार सरकारी नौकरी से संबंधित नियुक्ति के लिए प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है. अगले तीन महीने के अंदर नियुक्ति पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके साथ ही सात निश्चय-2 के अंतर्गत 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था. अब तक सात निश्चय- 2 के अंतर्गत 22 लाख से अधिक रोजगार सृजित किये जा चुके हैं और आने वाले एक वर्ष में 11 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किये जायेंगे.

सात निश्चय-2 में 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का था लक्ष्य

सुशासन के कार्यक्रम 2020-25 के अंतर्गत 15 दिसंबर 2020 से लागू सात निश्चय- 2 के अंतर्गत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था. इस संबंध में मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री, संबंधित विभागों के मंत्री, मुख्य सचिव, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव के साथ बैठक कर आगामी एक वर्ष में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बचे हुये नौकरी और रोजगार को कार्ययोजना बनाकर मिशन मोड में पूरा करने का निर्देश दिया है.

बिजली की शार्ट सर्किट से लगी आग, एक घर जलकर हुई राख

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। खरीक थाना क्षेत्र के तेलघी गांव में रविवार की देर रात बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें मुन्ना सिंह के घर में रखे अनाज, नगदी, फर्नीचर समेत सारा घरेलू उपयोगी समान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों और की दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया गया। वहीं, पूर्व सरपंच सुमित कुमार, उप सरपंच पप्पू सिंह, गुलशन कुमार आदि ने बताया कि पीड़ित परिवार के शरीर पर पहना कपड़ा छोड़ कर सब कुछ आग की भेंट चढ़ गया।

संक्षिप्त समाचार

इंजीनियरिंग कॉलेज में मारपीट, 13 छात्रों पर केस

भागलपुर, एजेंसी। इंजीनियरिंग कॉलेज में मारपीट मामले में दोनों पक्षों के आवेदन पर जीरोमाइल थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। जीरोमाइल थानेदार इंस्पेक्टर मुरलीधर साह ने बताया कि एक पक्ष से सात और दूसरे पक्ष से छह छात्रों को केस में नामजद किया गया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। छात्रों से पूछताछ के लिए पुलिस कॉलेज भी जाएगी। मारपीट में जख्मी हुए दो छात्र को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इसमें एक को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। गौरतलब है कि शनिवार को राजनीतिक मुद्दे पर विवाद के बाद छात्रों के दो गुट में मारपीट की घटना हुई थी। घटना के दौरान काफी संख्या में छात्र वहां पर इकट्ठा हो गए थे। कॉलेज प्रशासन के स्तर से भी मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले भी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के बीच मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं।

स्कूल पढ़ने गई छात्रा हुई गायब ,थाने में शिकायत

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के डेवढ़ी मिडिल स्कूल में गत दिनों पढ़ने गई आठवें वर्ग की एक छात्रा गायब हो गयी है। पीड़िता ज्योति कुमारी के पिता ने स्थानीय थाने में एक शिकायत प्रतिवेदन दिया है जिसमें कहा गया है कि मेरी पुत्री 15 जून को मिडिल स्कूल में घर से पढ़ने गई जो आज तक घर नहीं लौटी है। थानाध्यक्ष से अपनी बेटी की बरामदगी के लिए गुहार लगाई है।

जनवरी माह से अब तक जिला परिषद का विकास बाधित

छपरा, एजेंसी। जिला परिषद के विकास पर अविश्वास का ग्रहण लग गया है। पिछले जनवरी माह से अब तक जिला परिषद का विकास बाधित है। सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पा रहीं । छह माह के अंदर जिप अध्यक्ष जयमित्रा देवी पर दो बार अविश्वास लगा। पहली बार तो जिप अध्यक्ष अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब हो गई हैं लेकिन दूसरी बार सदस्यों ने यह कहकर अविश्वास लाया है कि पहले अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दिन अध्यक्ष की ओर से वोटिंग नहीं कराई गयी जो नियम संगत नहीं है। हालांकि अध्यक्ष ने दूसरी बार लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को असंवैधानिक बताया। अध्यक्ष के समर्थक सदस्यों का दावा है कि दो वर्ष पूरा होने के बाद एक बार ही अविश्वास लाया जाता है। लेकिन सारण जिला परिषद के अध्यक्ष के खिलाफ दो बार अविश्वास लाया गया, जो अनुचित है। इधर 29 मई से ही विपक्षी सदस्य जिला परिषद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास लाकर अंडरग्राउंड हो गए हैं। दूसरी बार अविश्वास लाये जाने के बाद जिला परिषद कार्यालय की ओर से विभाग से मार्गदर्शन मांगा गया है। फिलहाल मार्गदर्शन नहीं आने के कारण जिला परिषद की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी भी संकट से घिर गई हैं। इधर अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास लाये जाने के बाद से जिला परिषद का विकास कार्य पूर्ण रूप से ठप पड़ा हुआ है। पक्ष और विपक्ष के सदस्य भी विकास कार्य नहीं होने से काफी खिन्न हैं। जिला परिषद के एक पदाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अगर इस तरह का माहौल रहा तो जिला परिषद क्षेत्र में विकास की किरणें दूर-दूर तक दिखाई नहीं पड़ेंगी। अविश्वास के कारण बोर्ड की बैठक भी प्रभावित हो रही है। इस बैठक में कई एजेंडे पर सदस्य निर्णय लेते हैं। यह आविश्वास के कारण नहीं हो पा रहा है। वही जिप उपाध्यक्ष को भी अविश्वास लगाकर हटा दिया गया है।

निर्जला एकादशी पर बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। निर्जला एकदशी पर बाबा गरीबनाथ धाम सहित शहर के अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। हजारों लोगों ने सुबह से दोपहर 12 बजे तक बाबा का जलाभिषेक किया। ग्रामीण क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि शाम चार बजे तक मंदिर में 372 श्रद्धालुओं ने पूजा कराई। इसमें 205 सत्यनारायण पूजन, 144 मुंडन, 14 छठी पूजन और नौ वाहन की पूजा की गयी। दोपहर बाद मंदिर का पट खुलते ही एक बार फिर भीड़ उमड़ने लगी जो रात्रि नौ बजे तक जारी रहा। इसके अलावा संतोषी माता मंदिर, राजराजेश्वरी मंदिर, बगलामुखी मंदिर, गोला रोड श्री दुर्गा मंदिर, साहूपोखर शिव मंदिर, मुक्तिनाथ मंदिर व सर्वेश्वरनाथ मंदिर में पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

देवघर से समस्तीपुर लौट रहे वकील पर जमुई में फायरिंग, गोलीबारी के बाद पेड़ से टकराई कार, पांच लोग जख्मी

भतीजी का मुंडन करा कर लौट रहे थे

जमुई, एजेंसी। जमुई में देवघर से भतीजी का मुंडन करा कर लौट रहे अधिवक्ता पर काकन गांव के पास अज्ञात दो हथियारबंद अपराधियों ने गोलीबारी की। जिससे दो गोली वाहन पर लगने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। जिसमें वाहन पर सवार अधिवक्ता सहित चार लोग घायल हो गए। सभी घायल को डायल 112 पुलिस की टीम के द्वारा मौके पर पहुंचकर उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। घायल की पहचान समस्तीपुर जिले के महेशी गांव निवासी अधिवक्ता उमेश कुमार सिंह चालक रविंद्र कुमार सिंह भतीजी रचना कुमारी और दुर्गा कुमारी के रूप में की गई है। घटना काकन गांव के पास सुबह करीब 2:00 बजे की है।

बाएं टायर पर लगी थी गोली

घटना का लेकर बताया जा रहा है कि समस्तीपुर जिले के महेशी गांव निवासी उमेश सिंह 16 जून को अपनी भतीजी रचना कुमारी और दुर्गा कुमारी के मुंडन के लिए पूरे परिवार के साथ देवघर गए थे। जहां से वो 18 जून की सुबह अपने घर समस्तीपुर लौट रहे थे। तभी जैसे ही उनकी कार जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग के काकन गांव के पास पहुंचा 2:00 बजे सुबह पहुंची। तभी पहले से घात लगाए एक बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधियों ने उनके बोलेरो पर गोली चला दी। पहले गोली वाहन के बाएं टायर पर लगी जिससे वाहन अनियंत्रित होने लगी।

तभी दूसरे अपराधी ने दूसरी गोली वाहन के सामने वाले शीशे में मारी जिस वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में अधिवक्ता सहित कुल चार लोग घायल हो गए। पीड़ित द्वारा पूरी घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को टीम को दी। जिसके बाद घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं पूरे मामले की जांच में जुट गई है। घायल अधिवक्ता ने गांव के ही दो लोगों का नाम बताया है। जिस पर पुरानी रंजिश को लेकर हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। हालांकि मामले की जानकारी के बाद टाउन थाने की पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जांच में जुटी पुलिस

टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

8.30 लाख रुपये हड़पने को नीरज की हत्या

भागलपुर, एजेंसी। ललमटिया थाना क्षेत्र के रहने वाले नीरज चौधरी हत्याकांड में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए तीनों आरोपितों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में कई खुलासे किए हैं। जेल जाने से पहले तीनों आरोपितों दिलीप चौधरी, सूरज कुमार और विकास चौधरी ने पुलिस को स्वीकारोक्ति बयान में कहा है कि नीरज की हत्या की साजिश इंद्रजीत मंडल ने की थी। उन्होंने बताया है कि नीरज ने इंद्रजीत से 8.50 लाख रुपये में एक जमीन की डील की थी। नीरज ने इंद्रजीत को 8.30 लाख रुपये दे दिए सिर्फ 20 हजार ही बचे थे। इंद्रजीत नीरज के पैसे हड़पने के लिए उसकी हत्या कराई। उसे ही सूरज, दिलीप और विकास को इकट्ठा किया और कहा कि नीरज को जमीन नहीं बेचेंगे और उसके पैसे भी वापस नहीं करेंगे। इंद्रजीत ने तीनों से कहा कि नीरज की हत्या कर पूरा पैसा आपस में बांट लेंगे। गिरफ्तार तीनों आरोपितों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में कहा है कि इंद्रजीत ने नीरज की हत्या की योजना बनाई और उसकी बातों को मानते हुए साजिश के तहत सूरज नीरज को टोटो में साथ लेकर जख बाबा स्थान के लिए निकला।

पीछे से प्लेटिना मोटरसाइकिल से दिलीप चौधरी और शुभम चौधरी भी चले। चाय दुकान के पास उन दोनों ने मोटरसाइकिल खड़ी कर दी और वे भी टोटो में आ गए। नीरज को साथ लेकर वे तीनों जैसे ही जख बाबा स्थान पहुंचे वहां पहले से मौजूद इंद्रजीत ने मंडल ने हाथ में लिए धारदार हथियार से नीरज की गर्दन पर हमला कर दिया। विकास ने उसके दोनों हाथ पकड़े और दिलीप ने दोनों पैर। इंद्रजीत ने दबिया से नीरज का गला काट दिया। अभियुक्तों ने बताया कि नीरज की हत्या के बाद वे सभी वहां से अगल-अलग दिशाओं में भाग निकले। दिलीप चाय दुकान पर पहुंचा और वहां से शुभम कुमार को साथ लेकर वहां से घर चला गया।

बिहटा में 5 लाख के लिए बहू की हत्या:बेटी के जन्म के बाद दहेज मांग रहे थे

पटना, एजेंसी। पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के केल्हनपुर गांव में सोमवार की रात एक महिला की हत्या कर दी गई। ससुरालवालों पर 5 लाख की रकम और बेटी के जन्म होने को लेकर हत्या का आरोप लग रहा है। मायके के परिजनों का कहना है कि हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिय फंदे से लटका दिया गया।

ससुराल के सभी लोग फरार : घटना के बाद से ससुराल के सभी लोग फरार हो गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। जबकि, पीड़ित परिवार के तरफ से लिखित आवेदन आने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया शुरू कर दिया गया है। मृतक महिला की पहचान बिहटा थाना क्षेत्र के पाली हाल्ट गांव निवासी गुड़िया देवी 26 वर्ष के रूप में किया गया है।

तीन साल पहले हुई थी शादी : मृतक महिला के भाई दीपक कुमार ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। उसने दहेज और बेटी के जन्म लेने पर हत्या का आरोप लगाया है। पति समेत सभी ससुरालवालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

कजरैली में करंट से युवक की गई जान

भागलपुर/कजरैली, एजेंसी। थाना क्षेत्र के दराधीबहादुरपुर गांव में सोमवार दोपहर में सड़क किनारे लटके बिजली तार से स्पर्श से अरविंद कुमार सिंह (40) गंभीर रूप जख्मी हो गया। परिजन उसे लेकर मायागंज अस्पताल लेकर गये वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर पहुंची बरारी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। युवक के अचानक मौत से घर में कोहराम मच गया। युवक को एक बड़ी बेटी और दो बेटा है। घर के इकलौते कामगार के मौत से परिजनों के सामने भरण पोषण की समस्या खड़ी हो गई है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

छपरा/तरैया, एजेंसी। एक संवाददाता। तरैया बाजार स्थित तरैया अमनौर-मुख्य सड़क पर रात्रि में लाइट बुझाकर खड़ी सीमेंट से लोडेड ट्रक व बुलेट गाड़ी की टक्कर में घायल बुलेट चालक की मौत इलाज के क्रम में हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना पांच दिनों पहले की है। मृतक व्यक्ति मुजफरपुर जिले के जाफरपुर निवासी पुष्पेंद्रू कुमार पांडे बताया जाता है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस ने उक्त ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही मामले की छानबीन कर रही है।

मारपीट कर गाली-गलौज करने की प्राथमिकी

थाना क्षेत्र के हैजलपुर गांव के राम बाबू सिंह के पुत्र उपेन्द्र कुमार सिंह ने अपने ही गांव के संतोष सिंह सहित दो लोगों पर गाली गलौज करने से मना करने पर जान से मारने की धमकी दी व रंगदारी की मांग की। पूर्व में भी वह रंगदारी ले चुका है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए घर परिवार की सुरक्षा की पुलिस से गुहार लगाई गयी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस ने अपहृत युवती को किया बरामद

खैरा पुलिस ने अपहृत युवती को छपरा जंक्शन से बरामद कर लिया। पुलिस ने लड़की का बयान दर्ज करने के लिए न्यायालय में पेश किया। साथ ही आरोपी युवक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उक्त युवक धर्मपुर गांव का रोहित कुमार बताया जाता है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनिमा राणा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अपहृत लड़की व लड़का छपरा जंक्शन पर हैं। इसके बाद पुलिस पदाधिकारी को छापेमारी के लिए भेजा गया जहां जंक्शन से युवती को बरामद कर लिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि कांड संख्या147/2024 दिनांक 27 मई को युवती की मां ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी जिसमें कहा गया कि शादी की नीयत से उनकी लड़की का अपहरण कर लिया है। नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

खेत देखने गए किसान को पागल कुते ने काट किया जख्मी

मशरक के कर्ण कुदरिया गांव में खेत में धान का बीज गिराने के लिए जाने के दौरान पागल कुते ने हमला कर जख्मी कर दिया। बुरी तरह से जख्मी किसान को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल कर्ण कुदरिया गांव निवासी असर्फी महतो है। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायल के परिजनों ने बताया कि धान का बीज गिराने के लिए खेत देखने चंवर में गये थे। वहीं से आने में रात हो गई। चंवर में ही पागल कुत्ते ने हमला कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। चिल्लाने की आवाज पर पहुंचे ग्रामीणों ने कुत्ते को भगा उसकी जान बचाई। वहीं कुत्ते काटने से बंगरा की उर्मिला कुमारी,संजीव कुमार,डुमरसन के कर्ण कुमार घायल हो गए गये।

किसानों ने खेतों में बिचड़ा गिराना किया शुरू, 2805.84 डिमांड, अब तक 1475.64 क्विंटल धान का बीज कृषियों को कराया गया उपलब्ध

दरभंगा, एजेंसी। पिछले दिन हुई बारिश से किसानों को राहत मिली। बारिश से किसानों ने अपने खेतों में बिचड़ा गिराना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि इन बारिश से खेतों में पर्याप्त मात्रा में नमी आ गई है। जिसके कारण किसान अपने-अपने खेत तैयार कर बिचड़ा गिरा रहे हैं। राज्य सरकार और कृषि विभाग किसानों को अनुदानित दर पर धान का बिचड़ा उपलब्ध करा रही है। कृषि विभाग की माने तो जिले में लगभग कुल 2805.84 क्विंटल धान बीज की डिमांड है।

अभी तक जिले को 1475.64 क्विंटल धान का बीज उपलब्ध कराया गया है। प्राप्त धान के बीज को विभिन्न प्रखंडों के ई-किसान भवन पर वितरण किया जा रहा है। खरीफ मक्का, मडुआ और अरहर सहित अन्य फसलों का बीज अभी तक उपलब्ध नहीं कराया गया है। जिले के विभिन्न प्रखंडों के लिए कुल 1 लाख 7 हजार 760.62 हेक्टेयर में विभिन्न फसलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें खरीफ फसल के तहत धान के लिए एक लाख 124.4 हेक्टेयर में लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार से 1127.25 हेक्टेयर में मक्का, 1827.28 हेक्टेयर में मडुआ, 843.99 हेक्टेयर में अरहर, बाजरा के लिए 19.501 हेक्टेयर, हैचा 2738.923 हेक्टेयर,

224.933 हेक्टेयर सहित अन्य फसलों का लक्ष्य निर्धारित गया है।

धान का बीज वितरण किया जा रहा

डीएओ सह परियोजना निदेशक आत्मा, दरभंगा विपिन विहारी सिन्हा ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों के लिए खरीफ फसल के तहत विभिन्न फसलों का प्रखंड बार लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। साथ ही अनुदानित दर पर किसानों को धान का बीज वितरण किया जा रहा है। जिले को 1475.64 धान का बीज प्राप्त हुआ हुआ है। जिसमें से 461 क्विंटल धान का बीज किसानों को अनुदानित मूल्य पर वितरण किया जा चुका है। मक्का, अरहर, मडुआ सहित अन्य बीज उपलब्ध नहीं हुआ है।

ढाई लाख की लागत से रोटरी गया सिटी ने बनवाया स्मार्ट क्लास

गया , एजेंसी। आईआईटी की तैयारी कराने वाले बच्चों के लिए रोटरी गया सिटी ने स्मार्ट क्लास बनाया। लगभग ढाई लाख की लागत से बनाए गए इस स्मार्ट क्लास का शुभारंभ रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी के अध्यक्ष विजय भलोटिया, बादशाह डालमिया, अमरेश कुमार, डा. रतन कुमार सहित अन्य सदस्यों ने फीता काटकर किया। इस स्मार्ट क्लास में बच्चें भीषण गर्मी में भी आराम से आईआईटी व एनआईआईटी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। अध्यक्ष विजय भलोटिया ने कहा कि स्मार्ट क्लास बन जाने से बच्चों में पढ़ाई के प्रति एकाग्रता बढ़ेगी। वृक्ष संस्था में कार्यक्रम के दौरान बादशाह डालमिया ने कहा कि रोटरी गया सिटी इन बच्चों को और बेहतर सुविधा तैयारी के लिए मिले। इसके लिए जो भी आवश्यकता होगी हमलोग मदद करेंगे। इस दौरान वृक्ष संस्था के संस्थापक चन्द्रकांत पाटेश्वरी ने बच्चों के लिए डिजीटल बोर्ड, वाटर कुलर व दो एसी लगाने पर रोटरी गया सिटी को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके संस्था में निःशुल्क 150 बच्चों को आईआईटी की तैयारी कराई जा रही है। दस बच्चे एनआईआईटी के भी तैयारी कर रहे है।

रास्ते के विवाद में दो महिलाओ को पीटा,एक रेफर

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के छपिया बिंदटोली गांव में घर में जाने के लिए रास्ते के विवाद में दो महिलाओं को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया है। घायल अंशु कुमारी को सरकारी अस्पताल में उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। वहीं मूर्ति देवी का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस टीम पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उत्तम कुमार दास पाल के आकस्मिक निधन पर जिले में शोक की लहर

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह समाज सेवी उत्तम कुमार दास पाल के आकस्मिक निधन पर जिले में शोक की लहर है। ज्ञात हो कि सोमवार की रात्रि वह अकेले घर पर थे जहां गिरने से सर पर एवं नाक पर चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दसपाल का दुखद निधन हुआ। श्री दसपाल के निधन पर पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार ओझा , राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव, प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू ,वरिष्ठ कांग्रेसी राजेंद्र जैसवाल अनवारूल हक,झामुमो नेता श्यामदेव यादव, दीपक विश्वकर्मा,माले नेता संदीप कुमार असीम सरकार विजय पासवान विनोद विश्वकर्मा,गणेश स्वर्णकार, कांग्रेसजिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान, उमेश साव,समाजसेवी प्रेम पांडेय, जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, सचिव दिनेश सिंह,संजय डब्लू, विपिन सिंहा,सहूद खान, प्रभात कुमार राम, खेल प्रेमी सूरज कुमार,आशीष पांडे ,अरविंद सेठ, विकास सिंहा,सहित समाजसेवी अनूप सरकार, निवर्तमान पार्षद अनुराग सिंह मुन्ना, जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अरशद खान,छवि विश्वास, नंद कुमार राय अशोक सिंह, रामानंद यादव,प्रकाश यादव, मोनू यादव, राजीव रंजन शुक्ला,संजय सेठ, अरुण यादव, नवनीत ओझा, धीरज कुमार, संजय शर्मा सहित नगर के सम्मानित जनों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है। मालूम हो कि श्री दासपाल कांग्रेस के पूर्व युवा अध्यक्ष सहित कई पदों पर कांग्रेस पार्टी की निस्वार्थ सेवा किया है जबकि बेलाटांड़ दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, नेताजी जन्मोत्सव समिति के कोषाध्यक्ष, बंगाली समाज के पदाधिकारी एवं स्थानीय प्रिंस क्लब के अध्यक्ष पद पर रहकर समाज सेवा से जुड़े रहे हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज सहाय पिंकू ने श्री दसपाल के निधन को कांग्रेस सहित कोडरमा जिला के लिए आपूर्णीय क्षति बताया है।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का लेना होगा संकल्पः रिया सिंह

जाम की समस्या को ले शीघ्र होगी बैठक, चलाया जाएगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया। ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया व शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ साथ जाम की समस्या से निदान के लिए यत्र तत्र वाहनों को नहीं खड़ा करने का संकल्प लेना होगा। तभी समस्या से निजात मिल पाएगी। उक्त बातें एसडीओ रिया सिंह ने विशेष बातचीत में कही। उन्होंने कहा की प्रशासन की प्राथमिकता है की, लोगों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके ।इसके लिए नगर परिषद, पुलिस प्रशासन के सहयोग से जाम और अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। एसडीओ ने बताया की डी सी के मार्गदर्शन के बाद शहर के व्यवसायियों और सामाजिक संगठनों के साथ बैठक कर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा की शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए आने वाले दिनों में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। आगे कहा की शहर के मुख्य मार्ग स्टेशन रोड़, झंडा चौक तथा ब्लॉक रोड़ के मुहाने तक रोड़ के दोनो साइड ठेले एवं फुटपाथ पर बैठने वाले लोगों से

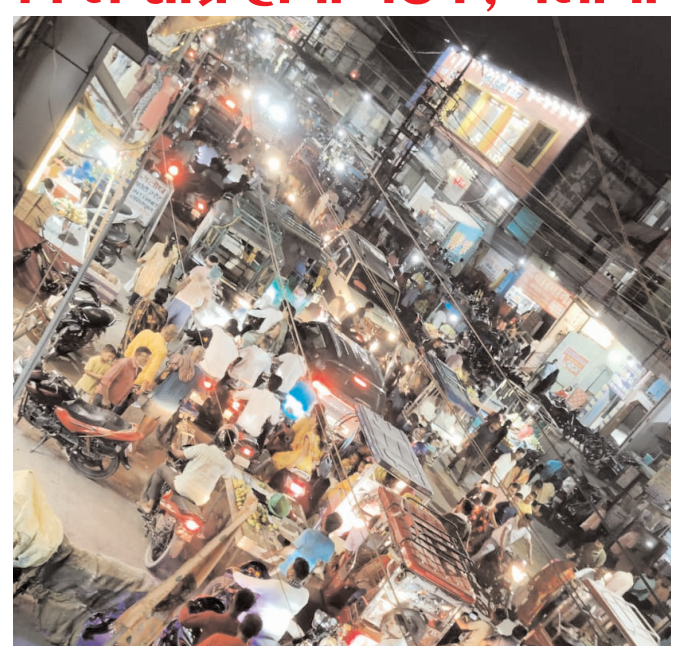

अपील की की वे सब्जी बाजार एवं प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर हीं दुकान लगाएं ताकि आवागमन में लोगों को असुविधा ना हो। बताते चलें की इन दिनों चिलचिलाती धूप की वजह से लोग दिन भर अपने दैनिक कार्यों को देर शाम के बाद हीं निपटा रहे हैं। इस वजह से संध्या 5-30 के बाद से पूर्णिमा टॉकीज से झंडा चौक और झण्डा चौक से ओवर ब्रिज तक घंटों जाम की स्थिति उत्तपन्न हो जा रही है। वहीं दूसरी ओर इस सम्बंध में झुमरी तिलैया नगर प्रशासन ने हर्षवर्धन ने बताया की पुलिस अधीक्षक के सहयोग से और डीएसपी के नेतृत्व में शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान 1,2 दिनों में शुरु किया जाएगा। उन्होंने बताया की ओवर ब्रिज के नीचे पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जहां पर लोग अपने वाहन को खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा की गांधी स्कूल के समीप, गौशाला रोड स्थित गोवर्धन तालाब एवं ब्लॉक के समीप चिल्ड्रन पार्क के पास लगभग 2 करोड़ के लागत से अलग अलग वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। इसकी स्वीकृति नगर विकास विभाग से मिल चुकी है। और डीपीआर बनाया जा रहा है। वहीं उन्होंने यह भी कहा की सरकारी बस स्टैंड में सब्जी और फल वाले को सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जहां पर बैठ कर सामग्रियों की बिक्री वो कर सकते हैं। यहां बोरिंग कराई गई है और पानी के साथ साथ शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं दूसरी ओर रेलवे बाईपास के रास्ते फोर लेन बनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में रेलवे के द्वारा ओवरब्रिज के समीप रेलवे का गटर लगाने का कार्य कल पूरा कर लिया गया, एक और गटर लगाया जाएगा। गटर लगाने के समय ट्रेनों का परिचालन पर ब्रेक लगा दिया जा रहा है। और लगभग 1 से 2 घंटे तक कोडरमा गया रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन पर भी ब्लाक लिया जाता है।

मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा झारखंड शिक्षा परियोजना कोडरमा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के तहत मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन समाहरणालय सभागार में हुआ। समारोह में उपायुक्त मेघा भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। उपायुक्त ने सभी छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आप लोगों ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किये, उसी प्रकार से आगे भी बेहतर प्रदर्शन करें और अपने उज्जवल भविष्य बनायें। कड़ी मेहनत कर आप लोग अपने लक्ष्य को हासिल करें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान सवाल - जवाब करने की जिज्ञासा रखें और किसी भी विषय में समस्या होने पर अध्यापक से पूछे। यह आपके लिए

काफी मददगार होगा। उपायुक्त ने बताया कि कुछ विद्यालय में ऑनलाइन क्लासेस की व्यवस्था की गयी है, जिसमें विज्ञान संकाय के बच्चे पढ़ सकते हैं और प्रतियोगिता परीक्षा टीभी तैयारी कर सकते हैं। नीट, जेईई-मेन की तैयारी कर सकते हैं। जिन विद्यालयों में क्लासेस चल रही हैं, उन विद्यालय के बच्चे नियमित रूप से ऑनलाइन क्लासेस करें। विषय की महत्ता को समझें और उसपर फोकस करें। उन्होंने सभी बच्चों के अभिभावकों से अपील कि बच्चे अपने भविष्य या केरियर के लिए कुछ करना चाहते हैं तो उनका साथ दे और उनका उज्जवल भविष्य संवारें।

वन से 10 रैंक तक लाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया

उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में वन से 10 रैंक तक लाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। जिसमें से मैट्रिक अर्थात वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में वन से 10 तक रैंक लाने वाले 17 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। वहीं वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 अंतर्गत विज्ञान संकाय से 23, वाणिज्य संकाय से 11 और कला संकाय से 11 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार का धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ। मंच का संचालन एडीपीओ शिव मल्लिक द्वारा किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त ऋतुराज, जिला शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार समेत छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावक मौजूद रहे।

झुमरी तलैया धर्म नगरी में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया-ज्ञात हो की परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ का मंगल चातुर्मास दिल्ली में 2023 का संपन्न हुआ । इसके बाद दिल्ली से मंगल विहार जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थ सम्मेदशिखर जी की ओर हुआ रास्ते में प्रयागराज, बनारस गया,ओर कई जैन तीर्थ का दर्शन कर लगभग 2000 किलोमीटर की यात्रा करते हुवे आज धर्म नगरी झुमरी तिलैया में मंगल आगमन हुआ। रास्ते में भीषण गर्मी में भी मुनि श्री बिहार करते हुए चल रहे थे कोडरमा की धरती में आगमन के साथ नगर भ्रमण में समाज के द्वारा रास्ते मे कई जगह चरण वंदन ओर आरती की गई । आचार्य श्री ससंघ ने नगर भ्रमन कर श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुँचे जहाँ समाज के लोगो ने आरती किया ओर कोडरमा में विराजमान परम पूज्य गणनी आर्यिका 105 शुभ मति माता जी की परम प्रभावक शिष्या क्षुल्लिका 105 श्री सुहित मति माताजी, क्षुल्लिका 105 श्री सुविभूति मति माता, क्षुल्लिका 105 श्री सुआदर्शमति माताजी,क्षुल्लिका 105 श्री संयम मति माताजी

ने गुरुदेव की आगवानी कर तीन परिक्रमा देते हुवे गुरुदेव को नमोस्तु किया । आचार्य श्री द्वारा मंदिर दर्शन के पश्चात अपने मंगल आशीर्वाद में कहा कि जैन साधु बनना बहुत कठिन है क्योंकि जैन साधु को पूरा भारत पैदल बिहार करते है, एक समय भोजन करना अपने शरीर पर कपड़ा नहीं पहनना माथे का बाल को अपने हाथों से उखाड़नान,इस विषम गर्मी मे जहाँ लोग घर से नही निकल रहे है वही जैन साधु पैदल विहार करना आदि कई कठिन तपस्या है इस अवसर विशेष रूप से समाज के उप मंत्री नरेंद्र झांझरी ,अभिषेक पंडित जी,सुबोध गंगवाल,पूर्व मंत्री ललित सेठी,महिला संगठन की अध्यक्षता नीलम सेठी,मंत्राणी आशा गंगवाल आदि अनेक भक्त अगवानी में शामिल थे।कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा,नविन जैन ने दी।

पानी बिजली की समस्या के समाधान के लिए जनहित में उपायुक्त महोदया ले संज्ञानः पार्षद पिंकी जैन

आपूर्ति करने वाले अफसर को कराए कर्तव्य का बोध

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि शहर मे मूलभूत सुविधा बहाल करने की जिम्मेदारी नगर प्रशासन की है, परंतु बिजली पानी ट्रैफिक की समस्या से शहर जूझ रहा है। शहर में रहने वाले लोगों के रिलेटिव बहन बेटी गर्मी के दिनों में आने से कतराते हैं शर्म महसूस करते हैं पानी की बेहद कमी विकराल समस्या का रूप लेते जा रही है। इस भीषण गर्मी में बोरिंग और कुआं का पानी सूख चुका है सप्लाई पानी की आपूर्ति ही एकमात्र सहारा है शहर की सम्मानित जनता सप्लाई पानी पर आश्रित है, जिसका पैसा तो नगर परिषद के द्वारा प्रति महीने 30 दिन का ले लिया जाता है परंतु पानी नियमित नहीं दिया जाता है बहुत प्रयास प्रार्थना के बाद के बाद महीना में लगभग 8 दिन मात्र 10 मिनट के लिए पानी दिया जाता है जनहित में प्रशासन के द्वारा सुविधा हेतु जो भी कार्य किया गया है उसका कोई भी रिजल्ट नहीं निकला है पिएचडी का नंबर दिया गया है उससे जुड़े पदाधिकारी फोन ही नहीं उठाते हैं सिर्फ खाना पूर्ति करते हैं समस्या का समाधान नहीं करते हैं। पिएचडी और नगर परिषद यदि शहर में सप्लाई पानी की आपूर्ति गर्मी के दिनों में नियमित नहीं कर सकते हैं तो शहर की आम जनता से लेने वाले भारी भरकम पानी का बिल वापस कर दे सप्लाई पानी दिए बिना पैसा लेने का हक नहीं है। शहर की जनता पानी की समस्या से त्राहिमाम है, जिसके कारण समय-समय पर धरना प्रदर्शन भी किया जा रहा है। उपायुक्त से करबद्ध प्रार्थना है कि जनहित में पानी बिजली की समस्या के समाधान के लिए त्वरित ठोस कार्रवाई करने की कृपा करें जिसके लिए शहर की आम जनता आपकी आभारी रहेगी सप्लाई पानी शहर की जनता को किस दिन और कितना मिनट मिलेगा इसकी सूचना पिएचडी और नगर परिषद आम जनता कि सुविधा के लिए समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के द्वारा प्रतिदिन प्रकाशित करें।

प्रखंड प्रमुख अंजू देवी वीडियो गौतम कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

जयनगर प्रखंड सभागार में प्रखण्ड प्रमुख अंजू देवी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं,15 वें वित्त आयोग, अबुआ आवास योजना एवं मनरेगा की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में 15 वें वित्त आयोग के तहत कम राशि खर्च करने वाले पंचायत घरौंजा, डंडाडीह , गडगी, ककरचोली, गोहाल, कंद्रपडीह, रुपायडीह आदि के संबंधित पंचायत सचिव पर दोनों द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा अगले एक सप्ताह में जनहितकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए राशि खर्च करने का निदेश दिया गया।अबुआ आवास योजनाओं में ?तेजी से कार्य कराते हुए प्लिंथ स्तर के भुगतान की कार्रवाई करने का निदेश दिया। पंचायत सचिवों को ? शत प्रतिशत आवासों का निरीक्षण करते हुए जियो टैग करने का निदेश दिया। मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई जिसमें ग्राम पंचायतों को मानव दिवस सृजन के लक्ष्य प्राप्ति का निदेश दिया गया ? साथ हीं ? जल्द से जल्द को निर्माण

की योजनाओं को पूर्ण करने का निदेश दिया गया। बैठक में मुखिया कौसार खान,महेश साव, बिनोद दास,संगीता कुमारी,संजय कुमार साव,अजय यादव, सुबंती देवी, फरीदा खातून, पंचायत समिति सदस्य मिस्बाउदीन, बलराम यादव,अरमान खान,किरण देवी, सुरेंद्र राणा, अंजू देवी,हेमिया देवी,बीपीओ रवि शंकर कुमार प्रखंड समन्वयक रवि कुमार, विवेक कुमार, पंचायत सचिव चन्दन कुमार गुप्ता, बिंदु कुमारी, सुरेश चंद्र पासवान एवं अन्य उपस्थित रहे ।

झुमरी तिलैया नगर के महिलाओं के साथ विचार-विमर्श वाद-संवाद के साथ साथ नीरा यादव उनके समस्याओं से अवगत हुई

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

सोमवार को झुमरी तिलैया के शिव वाटिका में आयोजित नगर के महिलाओं के साथ विचार विमर्श एवं वाद संवाद का कार्यक्रम आयोजित की गई थी । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव थी एवं मंच संचालन रंजीता सेठ ने किया । नीरा यादव को प्रेरणा शाखा की महिलाओं ने शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया एवं काली मंडा की अध्यक्ष सरोजनी सिंह के नेतृत्व में महिलाओं ने आशीर्वाद के रूप में माता रानी का चुनरी विधायक को ओढ़ाया। कार्यक्रम में विधायक नीरा यादव ने कहा कि हम सभी गौरवान्वित है, क्योंकि कोडरमा लोकसभा में मतदान करने में पुरुषों से अव्वल रहीं हैं। कोडरमा में नारियों के द्वारा विभिन्न प्रयोजनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना, सामाजिक कार्यों में जागरूक रहना,

अपने क्षेत्रों में अधिकतम वोट करना और झारखंड में सबसे अधिक अंतर के मत से अन्नपूर्णा देवी जी का जीत दर्ज कराना यह हरेक क्षेत्र में नारी शक्ति के उन्नति को दर्शाता है। इसके सभी के प्रति आभार जताया । उपस्थित महिलाएं भी अपने शहर के इर्द गिर्द के कई समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा जिसे विधायक ने हल करने का आश्वासन दिया। महिलाओं ने आयोजित इस कार्यक्रम को सराहा और विधायक से आग्रह किया कि अगले बार इसे थोड़ा वृहत रूप देते हुए बराबर करे ऐसे कार्यक्रमों से हम सभी को प्रेरणा मिलती रहेगी। ऐसे से महिलाएं काफी उत्साहित दिखे। कार्यक्रम में प्रेरणा शाखा की सारिका लड्ढा, काली मंडा समिति अध्यक्ष सरोजिनी सिंह, इनर व्हील की पूर्व अध्यक्ष माला दारूका, गांधी स्कूल प्राचार्य निशा भारद्वाज, योगा प्रशिक्षिका सीमा वर्णवाल, डीपीएस स्कूल प्राचार्य सुनिता पांडे, भारतीय विकास परिषद की प्रांतीय संयोजिका जूही दास गुप्ता, माहुरी समाज की अध्यक्ष ललिता भदानी, मधु सिंह, रंजु कुमारी,जयंती सिंह, श्रुति भदानी, सुनीति सेठ, सुनीता लाल, पूनम वर्णवाल, इंदु जायसवाल, विरण चुल्हू, प्रियंका बाजपेई, भारती जी, ज्योति पुजारा, सरिता विजय, दीपाली भदानी, अनामिका भदानी, रेशमा भदानी, नेहा लोहनी, सालू चौधरी, नेहा हिसारिया, रागिनी बड़गवे, अलका बडगवे, ममता बडगवे, नीलम महर्षि, नीलम भदानी आदि सैंकड़ों महिलाएं उपस्थित थी।

जेपी ग्रुप के गेस्ट असिस्टेंट को टक्कर मारकर कार चालक ने घसीटा

इंदिरापुरम। ज्ञानखंड में सेंट फ्रांसिस स्कूल के पास शनिवार रात चालक ने कार से जेपी ग्रुप के वरिष्ठ गेस्ट असिस्टेंट को टक्कर मारकर बाइक समेत सड़क पर घसीटा। लोगों के शोर मचाने पर चालक ने कार रोकी। गुस्साए लोगों ने बोनट तोड़कर दोनों को बाहर निकाला। लोगों ने लहूलुहान हालत में उन्हें पास के निजी अस्पताल ले गए। आरोप है कि चालक मदद के बहाने टूटे बोनट को लेकर भाग गया। पुलिस ने शिकायत के बावजूद उनका मुकदमा देरी से दर्ज किया। अभयखंड-3 के सुरक्षा अपार्टमेंट में रहने वाले रामेश्वर दयाल (56) ने बताया कि वह बाइक से वैशाली कुछ सामान खरीदने गए थे। रात सवा आठ बजे वहां से लौटते हुए उन्होंने वैशाली सेक्टर-4-6 की पुलिया पार की। जैसे ही यूटर्न लेकर सेंट फ्रांसिस स्कूल के पास पहुंचे तभी पीछे से आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। वह बाइक समेत गिर पड़े। आरोप है कि चालक गाड़ी रोकने के बजाय उन्हें काफी दूर तक घसीटता ले गया। इसमें उनकी कमर, कूल्हे, पैर और हाथ में चोट आई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद उनसे इंदिरापुरम कोतवाली में लिखित शिकायत देने की बात कही और लौट गए। आरोप यह भी है कि पुलिस ने देरी से मुकदमा दर्ज किया। अभी तक कार चालक का कुछ पता नहीं चल सका है। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि वाहन नंबर से चालक का पता कर रहे हैं। उसे जल्द पकड़कर कार्रवाई की जाएगी।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक पर चाकू से हमला

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के नसीब विहार कॉलोनी में मामा के घर आए युवक पर दबंग पड़ोसी ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से घायल युवक ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नसीब विहार कॉलोनी में यूनिक परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने मामा कमरपाल के घर किसी काम से जा रहे थे। मामा का घर उनके घर से एक गली पीछे है। वह अपने मामा के घर के बाहर खडे होकर गेट की कुंडी खटखटा रहे थे। इस दौरान मामा के घर के सामने रहने वाला माजिद आया और उनके साथ गाली गलौज करने लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि गाली गलौज का विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की नीयत से उन पर चाकू से हमला कर दिया। यूनिक के गर्दन व कुल्हे पर चाकू लगे हैं। यूनिक ने पुलिस को रविवार को तहरीर दी है। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मामले में माजिद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रणजी और सीके नायडू ट्रॉफी के लिए ट्रायल संपन्न

गाजियाबाद। रणजी और सीके नायडू ट्रॉफी (अंडर-23) के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। गाजियाबाद से चयनित खिलाड़ी कानपुर में यूपी टीम में चयन के लिए जाएंगे। सोमवार को स्थानीय स्तर पर हुए ट्रायल में गाजियाबाद और बागपत के 189 खिलाड़ी पहुंचे। राष्ट्रीय स्तर पर खेलने जाने वाली रणजी और सीके नायडू ट्रॉफी के लिए हर खिलाड़ी पूरा जोर लगाता है। सोमवार को राजनगर एक्सटेंशन स्थित अल्फा क्रिकेट ग्राउंड पर इन दोनों ट्रॉफी में चयनित होने के लिए खिलाड़ियों ने पूरा दम लगा दिया। गाजियाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के महासचिव मनोज माकड़ ने बताया कि ट्रायल में गाजियाबाद और बागपत के 189 खिलाड़ी पहुंचे। इसमें 85 बल्लेबाज, 10 विकेट कीपर, 62 तेज गेंदबाज और 32 स्पिन गेंदबाज कैटेगरी में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

बिजली कटौती से खराब हो रहे जल निगम के पंप

गाजियाबाद। बिजली कटौती के कारण शहर में पानी की समस्या हो रही है। बिजली की बार-बार आवाजाही के कारण पंप खराब हो रहे हैं। सबसे ज्यादा विजयनगर जोन में इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम के महाप्रबंधक जल ने विद्युत वितरण निगम के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर पानी की आपूर्ति के समय बिजली कटौती रोकने के इंतजाम करने के लिए कहा है। महाप्रबंधक जल केपी आनंद ने बताया कि विजयनगर क्षेत्र में अत्याधिक बिजली फ्लक्चुएशन हो रही है। इस कारण रोजाना मोटर खराब होने के तीन से चार मामले सामने आ रहे हैं। पंप खराब होने से कुछ जगह पर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। भीषण गर्मी के बीच पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, विजयनगर के सेक्टर-9 के कुछ हिस्से में पंप की खराबी के कारण सोमवार को भी जलापूर्ति बाधित रही। वहीं, कुछ जगह दूषित जलापूर्ति से भी लोग परेशान रहे। वहीं, सुदामापुरी में भी पानी की समस्या से लोग परेशान रहे।

आरोपः ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर बोलीं

मेरी हत्या करा सकते हैं पूर्व प्रमुख, भाजपा विधायक के बाद सीडीओ को घेरा

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में छर्रा क्षेत्र के भाजपा विधायक रवेंद्रपाल सिंह व पूर्व ब्लाक प्रमुख तेजवीर सिंह पर आरोप लगाकर जिले की सियासत को गर्माने वाली धनीपुर ब्लॉक प्रमुख ने पूजा दिवाकर ने अब सीएम को पत्र भेजा है और इसमें उन्होंने विधायक व पूर्व प्रमुख से खुद की जान को खतरा तो बताया है। पत्र में उन्होंने सीडीओ को भी घेरा है और कहा है कि इनके दबाव में सीडीओ उनके ब्लॉक के प्रस्तावों को निरस्त करती हैं और विकास के कार्य नहीं होने देती हैं।

धनीपुर की भाजपा समर्थित ब्लाक प्रमुख पूजा दिवाकर ने 16 जून को पत्रकार वार्ता कर विधायक व पूर्व प्रमुख पर आरोप लगाए थे। कहा था कि अब तक वे कमीशनखोरी और अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिलाते रहे। उनकी बात मानने से

इंकार करना शुरू कर दिया तो उनके कार्यों में बाधा पैदा करने लगे और निविदाओं की शिकायत करने लगे। विधायक व प्रमुख उन्हें हटाने की साजिश रच रहे हैं और उनकी हत्या तक करा सकते हैं।

चूंकि वह अनुसूचित वर्ग से आती हैं। इसलिए इनकी दबंगई के आगे वह बोल नहीं पाती थी। मगर अब क्षेत्र के विकास के लिए आवाज उठाने का मन बनाया है। चाहे इसके लिए अब अपनी जान क्यों न देनी पड़े। अंत में उन्होंने न्याय की उम्मीद रखते हुए यह भी कहा है कि अगर उनकी हत्या हुई तो इसके लिए विधायक व पूर्व प्रमुख जिम्मेदार होंगे। इस दौरान यह भी बताया गया कि पूर्व प्रमुख तेजवीर सिंह सपा से हैं। उनसे पहले वह ब्लाक प्रमुख रहे हैं। उनके निर्वाचित होने के बाद से ही वे विधायक के साथ मिलकर इस तरह की साजिश रच रहे हैं। दो दिन पहले कुछ ठेकेदारों की शिकायत पर जांच हुई थी। जिसकी जांच में निविदाओं में अनियमितताएं पाई गईं। चूंकि निविदाएं बीडीओ के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी हुई थीं। इसलिए पूरे मामले में बीडीओ से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मामले में अभी जांच जारी है। जांच आख्या सभी के सामने है। शिकायत करने के लिए भी स्वतंत्र है। सभी की जांच कराई जाएगी। आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं है।

-आकांक्षा राणा, सीडीओ

पूर्व ब्लॉक प्रमुख बोले-आरोप निराधार

इस मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख तेजवीर सिंह का कहना है कि हमारे ऊपर आरोप निराधार हैं। हमारा अब ब्लॉक से कोई लेना देना नहीं हैं। खुद बीडीसी परेशान हैं। उनके द्वारा 11:30 बजे धनीपुर के सामने गेस्ट हाउस में बैठक रखी गई है। उसमें और बहुत से तथ्य सामने आएंगे।

समय से पहले प्रसव कराने का आरोप, किया हंगामा

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर के एक निजी अस्पताल में सोमवार को बुगरासी निवासी परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने महिला की समय से पूर्व डिलीवरी कर दी। इसके बाद हालत बिगड़ने पर समय से रेफर नहीं किया। इसके चलते महिला की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस और प्रशासन को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। बुगरासी के मोहल्ला मंदिर वाला निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पत्नी मीना गर्भवती होने पर नौ जून को रूटीन चेकअप के लिए स्याना लेकर गया। अल्ट्रासाउंड में डिलीवरी की तिथि 31 जुलाई दी। आरोप है कि निजी अस्पताल की चिकित्सक ने पत्नी के पेट में पल रहे बच्चे की हालत गंभीर बताते हुए तत्काल ऑपरेशन कराने की बात कही। बच्चे की हालत गंभीर होने पर ऑपरेशन को राजी हो गए। नौ जून की शाम सात बजे पत्नी ने एक पुत्री को जन्म दिया। इसके बाद खून की कमी बताने पर व्यवस्था की गई। खून चढ़ाने के बाद पत्नी मीना को दौरे पड़ने शुरू हो गए। बताया कि पत्नी की हालत गंभीर बताते हुए अस्पताल प्रशासन ने एक कर्मचारी को एंबुलेंस में साथ मेरठ भेजा। मेरठ में इलाज के नाम पर करीब दो लाख रुपये ले लिए और दो दिन बाद पत्नी की मौत हो गई। मेरठ के चिकित्सकों ने समय से पूर्व ऑपरेशन करने व गलत खून चढ़ाने के चलते हालत बिगड़ना बताया। तीन दिन से अस्पताल प्रशासन से उपचार संबंधी दस्तावेज की मांग करते आ रहे हैं।

आवसीय जमीन पर चला रहे हैं दुकान, रेस्टोरेंट या अस्पताल, तो हो जाएं सावधान... निर्माण होंगे ध्वस्त

आगरा , एजेंसी। आगरा में आवास विकास परिषद ने कमला नगर, सिकंदरा और आवास विकास कॉलोनी में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों पर 21 भवनों को सील कर दिया है। ऐसे 71 भवन चिह्नित किए गए हैं। उप आवास आयुक्त ने आगरा पहुंचकर कार्रवाई की समीक्षा भी की। व्यावसायिक गतिविधियां करने वालों को नोटिस देने के निर्देश दिए। इन भवनों को ध्वस्त किया जाएगा।

आवास विकास परिषद में अवैध निर्माण के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में अधिशासी अभियंता रजनीश कुशवाह, सहायक अभियंता निसार सहित तीन कर्मचारियों को इसी माह निलंबित किया गया था। इस कार्रवाई के बाद परिषद की कॉलोनियों में अवैध निर्माणों की सच्चाई सामने आई। आवास विकास कॉलोनी में हर चौथे आवास में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी तरह सिकंदरा योजना और कमला नगर में भी कॉलोनियों के मूल स्वरूप को ही बदल दिया गया है। टीमों ने 11 से 14 जून तक अभियान चलाकर 71 भवनों को चिह्नित किया गया, जिनमें अवैध रूप से निर्माण कर लिए गए हैं। इसी तरह 21 भवनों को सील किया गया। परिषद की तीनों आवासीय योजनाओं में मॉल, रेस्टोरेंट, डिपार्टमेंटल स्टोर तक खुल गए हैं। बुटीक, क्लीनिक, कोचिंग जैसी गतिविधियां भी आम बात हो गई हैं। कंपाउडिंग का रास्ता बंद होने के बाद अधिकांश मामलों में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होना तय है।

आवासीय जमीन पर दुकान, रेस्टोरेंट या अस्पताल का जो लोग संचालन कर रहे हैं, उनके लिए बुरी खबर है। आवास विकास परिषद ने व्यावसायिक गतिविधियों वाले ऐसे भूखंड़ों को चिन्हित कर लिया है। इन सभी को ध्वस्त किया जाएगा।

अब ऑनलाइन होगी कुली की बुकिंग, एमएनएनआईटी ने बनाया एप

प्रयागराज, एजेंसी। स्टेशन पर कुली ढूंढने के लिए यात्रियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। अब कुली की उपलब्धता ऑनलाइन होगी। इसके लिए मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के टेक्नोक्रेट ने स्टार्टअप के अंतर्गत कुली एप बनाया है। इस पर कुलियों का पंजीकरण किया जा रहा है। ट्रायल के तौर पर अभी इसे बनारस (मंडुवाडीह) स्टेशन पर शुरू किया गया है। जल्द ही इसे प्रयागराज के रामबाग और झूंसी स्टेशन पर शुरू किया जाएगा। उसके बाद देशभर के अन्य स्टेशनों पर यह सुविधा मिलेगी।

एमएनएनआईटी में बीटेक बायोटेक्नोलॉजी फाइनल इयर में छात्र उत्सव गुप्ता ने कुली एप बनाने की पहल की। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के मृणाल वार्ष्णेय, कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के ईनम यादव और डीवाई पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग आकुर्डी पुणे के एआई एंड डेटा साइंड फाइनल इयर के ऋषभ सिंह को साथ लिया। छात्रों ने नवंबर 2023 में एप बनाने की प्रक्रिया शुरू की। टीम में टेक्निकल हेड के रूप में सिद्धार्थ कुमार, कंसल्टेंट के रूप में

विवेक कुमार और एचआर के पद पर नैना सिंह जुड़ीं।

स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत एप का निर्माण कर रहे हैं। इसलिए मार्च 2024 में भारत सरकार से दो लाख रुपये की मदद भी मिली। युवाओं की मेहनत रंग लाई और एप बनकर तैयार हो गया है। यात्रियों को यह सुविधा मुहैया कराने के लिए मई में रेलवे से अनुमति मिल गई। पिछले हफ्ते से टीम के सदस्य बनारस स्टेशन पर कुलियों से मिलकर उनका पंजीकरण कर रहे हैं। साथ ही एप पर बुकिंग भी शुरू कर दिए हैं। जल्द ही रामबाग और झूंसी के कुलियों का पंजीकरण करेंगे। उनका अकाउंट नंबर इससे जोड़ देंगे।

कैसे काम करेगा एपः यात्रियों को कुली एप डाउनलोड करना होगा। वेबसाइट पर भी बुकिंग कर सकेंगे। पीएनआर नंबर के जरिये ही बुकिंग होगी। यात्रियों को बताना होगा कि उनके पास कितने किलो का लगेज है। उसी के अनुसार रेलवे से निर्धारित दर पर कुली की बुकिंग होगी। इसमें पेमेंट ऑनलाइन और ऑफलाइन की सुविधा होगी। यात्री जो भुगतान करेंगे, वह कुली को मिलेगा। एप की ओर से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा।

मां के साथ खिलवाड़ः संपत्ति लेने के बाद बेटों ने दिखाया रंग, पोते ने वृद्धा के बाल नोचे, मारे तमाचे

कानपुर , एजेंसी। सन्नाटा छा गया बंटवारे के किस्से में, जब मां ने पूछा मैं आई किसके हिस्से में...। कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है कानपुर के साकेतनगर का। यहां एक 89 साल की वृद्धा के चार बेटों ने संपत्ति में हिस्सा लेने के बाद मां का ही बंटवारा कर डाला।

वृद्धा का हाल बागवान फिल्म के उन अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की तरह कर दिया, जिन्हें उनके बेटे छह-छह माह अलग रहने को मजबूर कर देते हैं। इस मामले में भी चारों बेटे वृद्धा को तीन-तीन माह ही अपने यहां रखने और खाना देने के लिए तैयार होते हैं।

हद तो तब हो गई, जब पोते (बड़े बेटे के पुत्र) ने उन पर हाथ उठा दिया। गाली देते हुए बाल पकड़कर नोचे और तमाचे मारे। इतना ही नहीं वृद्धा के बेटे ने अपने पुत्र का ही पक्ष लिया। इसके बाद वृद्धा ने किदवईनगर पुलिस से शिकायत की।

पिता-पुत्र पर रिपोर्ट दर्जः पुलिस ने बड़े बेटे और पोते के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। डब्ल्यू वन साकेतनगर निवासी माया देवी पांडेय ने बताया कि उनके चार बेटे विवेक कुमार, चंद्र प्रकाश, मनोज कुमार, विनय कुमार और तीन बेटियां हैं। सभी की

शादी हो चुकी है।

तीन सौ गज के मकान को चार बराबर हिस्सों में बांटा

पति राम गोपाल पांडेय होजरी का काम करते थे। करीब 35 साल पहले उनका निधन हो गया था। इसके बाद कुछ साल तक तो सब ठीक चला। फिर एक दिन बात उठी बंटवारे की। उन्होंने करीब तीन सौ गज के मकान को चार बराबर हिस्सों में बांटकर बेटों को दे दिया।

और जब बेटों को ही लगने लगी बोझः वृद्धा के मुताबिक करीब आठ साल पहले वह उन बेटों को ही बोझ लगने लगी, जिन्हें गोदी उठाते कभी उसके कंधे नहीं दुखे। घर में चर्चा होने लगी कि उन्हें कौन रखेगा और कौन खाना खिलाएगा। घर में मनमुटाव होता देख बर्रा में रहनी वाली छोटी बेटी विनीता ने तय किया कि वे चारों बेटों के पास तीन-तीन माह रहेंगी।

मारपीट करने वाले पोते का ही पक्ष ले रहा वृद्धा का बेटाः तब से यही सिलसिला चला आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी बात से नाराज पोता (बड़े बेटे विवेक कुमार का बेटा) साहिल पांडेय उर्फ विकास उनसे गालीगलौज करने लगा। इसके बाद मारपीट भी की।

पोते ने धमकायाज्तुमको और तुम्हारे छोटे लड़के को मार देंगेः 30 मई को रात 10:30 बजे वह अपने कमरे में थी, तो साहिल आया और बाल पकड़कर कई बार हिलाया। गालीगलौज करने के बाद तमाचे मारे। धमकी दी कि पहले तुमको और तुम्हारे छोटे लड़के को मार देंगे। इसके बाद बाकी दोनों लड़कों को मार देंगे।

जांच के बाद होगी कार्रवाईः वृद्धा के मुताबिक बड़ा लड़का भी अपने बेटे का ही पक्ष लेता है। थाना प्रभारी ने बताया कि वृद्धा की तहरीर पर उसके बेटे और पोते के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

घर में आपत्तिजनक हालत में मिले दो पुरुष और महिला, मकान मालकिन चलाती थी पूरा धंधा

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। एसडीएम सदर निकिता शर्मा व सीओ मंडी रुपाली राव ने नई मंडी कोतवाली पुलिस के साथ शांति नगर में एक घर में चलाए जा रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से मकान मालकिम समेत चार महिलाओं और दो पुरुषों को हिरासत में लिया है।

पिछले कई दिनों से नई मंडी कोतवाली पुलिस को शांति नगर के एक मकान में सेक्स रैकेट चलने की जानकारी मिली रही थी। सोमवार दोपहर एक बार फिर यही सूचना मिली तो मंडी कोतवाली पुलिस ने यह जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद एसडीएम सदर व सीओ मंडी के नेतृत्व में मंडी कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की । पुलिस को वहां दो युवक व दो महिला आपत्तिजनक हालत में मिले। दो अन्य महिला भी मकान में मौजूद थी। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। युवकों ने अपने नाम अजय निवासी गांधीनगर और महताब निवासी जौली बताएं। पुलिस को इस दौरान मोहल्लावासियों ने इस मकान में काफी दिनों से यह धंधा चलना बताया। यह भी जानकारी दी कि शिकायत करने पर उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती थी।

पुलिस का कहना है कि हिरासत में ली गई एक महिला अपने घर पर यह गलत कार्य करती थी। कोतवाली लाए गए युवकों व महिलाओं के परिजनों को पुलिस ने सूचना दी है। सीओ मंडी रुपाली राव ने बताया कि सभी के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

वर्कशॉप में खड़ी हैं रोडवेज की 25 बसें, चलाने को नहीं मिल रहे चालक-परिचालक, यात्रियों को दिक्कत

मुरादाबाद , एजेंसी। चालकों और परिचालकों के अभाव में मुरादाबाद और पीतलनगरी वर्कशॉप में आए दिन 25 से अधिक बसें खड़ी रहती हैं। बसें नहीं चलने से परिवहन निगम के राजस्व को घाटा तो होता ही है, इसके साथ ही यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान तक जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। मुरादाबाद और पीतलनगरी डिपो से दिल्ली, लखनऊ, अमरोहा, रामपुर चंदौसी, हरिद्वार, देहरादून, धामपुर समेत विभिन्न रूटों पर रोडवेज की

150 से अधिक बसों का संचालन किया जाता है। सोमवार को कटघर स्थित मुरादाबाद और पीतलनगरी डिपो वर्कशॉप में परिचालकों और चालकों की कमी से 25 से अधिक बसें खड़ी थी। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। ये बसें आए दिन वर्कशॉप में खड़ी रहती हैं क्योंकि इन बसों का संचालन करने का कोई नियम नहीं हैं। इनमें से कुछ ऐसी बसें हैं, जिनके चालक किसी दिन आते हैं तो किसी दिन नहीं आते हैं।

चालक बसों को एक दिन चलाते हैं तो दूसरे दिन खड़ा करके चले जाते हैं। जिससे बसें खड़ी रहती हैं। परिवहन निगम के अनुसार मुरादाबाद परिक्षेत्र में 500 से अधिक चालकों और परिचालकों की कमी हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक ममता सिंह का कहना है कि चालकों और परिचालकों की भर्ती चल रही हैं। जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

चीन-हांगकांग तक के हैकर ले रहे भारत से बैंक खाते, गोरखधंधे में होते हैं प्रयोग

अलीगढ़, एजेंसी। साइबर हैकर ठगी के नित नए प्रयोग कर रहे हैं। जांच में उजागर हुआ है कि देश के करंट बैंक खातों को चीन व हांगकांग तक के हैकर प्रयोग कर रहे हैं। इसके पीछे का मकसद करंट खातों में ठगी की बड़ी रकम एक बार में ट्रांसफर कराना और उसमें से फिर 50-100 खातों में छोटे-छोटे टुकड़ों में रकम एक बार में दूसरे खातों में ट्रांसफर करा देना है। इसका प्रयोग ठगी की रकम को इधर से उधर करने के साथ-साथ काले धन को सफेद करने के लिए भी किया जा रहा है। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी (इनसाइडर ट्रेडिंग) इन दिनों साइबर ठगी में सबसे ज्यादा ट्रेंड में है। इसी ठगी में हरदुआगंज अहीरपाड़ा के

दिनेश शर्मा संग मार्च माह में 35 लाख रुपये की ठगी हुई। इसकी जांच करते हुए साइबर थाना पुलिस ने आगरा के रविंद्र राठौर उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया। इसने ही ठगों को अपना बैंक खाता मुहैया कराया था। इसकी गहराई से जांच में उजागर हुआ है कि साइबर हैकर विदेशों से भी भारतीय खातों को प्रयोग कर रहे हैं। चीन व हांगकांग तक से यहां के खाते प्रयोग हो रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन करंट एकाउंट प्रोवाइडर एप्लीकेशन, एकाउंट एजेंट, फेसबुक पेज, टेलीग्राम प्रोफाइल, व्हाट्सएप ग्रुप आदि पर लोगों से जुड़ते हैं, फिर उन्हें लालच देते हैं और बताते हैं आपका करंट एकाउंट प्रयोग करने के बदले उन्हें कमीशन दिया जाएगा। इसके लिए वह लोगों को बिना जीएसटी पंजीकरण के फर्म के नाम पर एकल मालिकाना हक वाला करंट खाता खुलवाते हैं। उस खाते को ई-बैंकिंग से जुड़वाते हैं। उसमें बैंक से मिलने वाली ऑटो फारवर्ड की सुविधा शामिल कराई जाती है, जिसके जरिये एक साथ 50-100 खातों में रकम ट्रांसफर हो सके।

संपादकीय

भारतीयों की चिंता

यह मर्माहत कर देने वाली खबर है कि कुवैती शहर मंगफ में एक आवासीय इमारत में आग लगने से कम से कम 40 भारतीयों की जान चली गई। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आग उसी इमारत में लगी, जहां दर्जनों कर्मचारी रहा करते थे, उन्हें बचने का मौका तक नहीं मिला। निचली मंजिल पर लगी आग ऊपर फैलती चली गई। अधिकांश हताहत दक्षिण भारतीय राज्य केरल और तमिलनाडु से हैं। करीब 50 भारतीय घायल भी हुए हैं। घायलों में नेपाली कामगार भी शामिल हैं। इसमें तो कोई दोराय नहीं कि ये कर्मचारी या मजदूर बहुत अमानवीय माहौल में रह रहे थे। इमारत में करीब 196 कर्मचारी रह रहे थे। जाहिर है, इमारत में काफी भीड़भाड़ थी और इसी वजह से कर्मचारी आग से घिर गए। कुवैती उप-प्रधानमंत्री शेख फहद यूसुफ अल-सबा ने इमारत के मालिकों पर लालच का आरोप लगाया और कहा कि भवन मानकों के उल्लंघन के चलते यह त्रासदी हुई। वैसे, सिर्फ वजह बताने से काम नहीं चलेगा, हमें यह देखना होगा कि क्या कुवैती सरकार दोषियों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी? ध्यान रहे, तमाम अरब देशों में भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं। छोटे से मुल्क कुवैत की अगर बात करें, तो वहां आबादी का दो-तिहाई हिस्सा विदेशी श्रमिकों से बना है। वहां पर भारतीय श्रमिकों की संख्या अच्छी-खासी है। इतने बड़े हादसे के बाद प्रशासन जागता लग रहा है। प्रशासन सफाई दे रहा है कि ऐसे आवासों में भीड़भाड़ को लेकर अक्सर चेतावनियां जारी की जाती थीं, पर भवन मालिकों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। इस त्रासदी पर मानवाधिकार समूहों ने भी चिंता जताई है। अब चिंता से आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है। तमाम अरब देशों में मजदूरों की स्थिति बहुत अमानवीय है। इन सभी देशों में मजदूरों की सुरक्षा चाक-चौबंद करने पर ध्यान देना होगा। भारत सरकार को अपनी ओर से भरपूर दबाव डालना होगा, ताकि अरब देशों में हमारे कामगारों के प्रति संजीदगी बढ़े। देश के लाखों मजदूरों को रोजगार के लिए विदेश जाना पड़ता है, तो विदेश गए मजदूरों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती है। सबकी नजरें भारत सरकार पर है कि वह आगामी दिनों में अपने लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है? अरब देशों ही नहीं, यूक्रेन, रूस जैसे अनेक देशों में भारतीयों की सुरक्षा को ताक पर रखा जा रहा है। मिसाल के लिए, युवा काम की तलाश में रूस जाते हैं और उन्हें रूस में सैनिक बना दिया जाता है। रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए भारतीय हमें बहुत चिंता में डाल रहे हैं। सरकार को आपत्ति जताने से आगे जाकर अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यहां यह जान लेना चाहिए कि विदेश में भारतीयों की मौत चिंता की एक बहुत बड़ी वजह बनती जा रही है। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगे गए एक जवाब के मुताबिक, अकेले साल 2020 में विदेश में कुल 11,439 भारतीयों की मौत हुई। अगर छात्रों की बात करें, तो साल 2018 के बाद से विदेश में 403 भारतीय छात्रों की विभिन्न वजहों से मौत हुई है। इनमें से सर्वाधिक 91 छात्र कनाडा में मारे गए हैं। सोचने वाली बात है, भारतीय छात्रों की मौत के मामले में कनाडा, ब्रिटेन, रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे देशों का दामन साफ नहीं है। अत: भारत सरकार को तगड़ी मोर्चाबंदी करनी पड़ेगी और विदेश जाने वालों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति सजग होना पड़ेगा।

क्या आरएसएस और भाजपा के बीच व्याप्त मतभेदों का सिलसिला कभी थमेगा?

समझा जाता है कि इन्हीं वजहों से 2014 और 2019 के उलट 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें कम मिलीं, जिससे वह एनडीए के सहयोगी दलों की बैशाखी पर टिकने को अभिशप्त हो गई। बता दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून 2024 दिन सोमवार को मणिपुर की हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा था कि वहां पर एक साल से अशांति है। राज्य में पिछले 10 साल की शांति भंग हुई है।

(कमलेश पांडे)

यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मतभेद अब खुलकर सामने आ चुके हैं। यह स्थिति दोनों के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से हानिकारक साबित होगी, जिसकी शुरुआत लोकसभा चुनाव 2024 से हो चुकी है। इस बदलती परिस्थिति के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है और कितना जिम्मेदार है, यह पड़ताल करने का काम दोनों संगठनों के प्रमुखों का है, लेकिन अब तो इन दोनों के बीच ही तलवारें खींच चुकी हैं। मसलन, पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चुनावी भूमिका को लेकर जो कुछ टिप्पणी की, और अब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में भाजपा की अदूरदर्शी भूमिका को लेकर जो कुछ इशारे किये हैं, उससे जाहिर होता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसका राजनीतिक मुखौटा समझी जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसी विचारधारा के लिए संकटापन्न स्थिति है, जिसका सम्यक हल निकट भविष्य में निकलेगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। क्योंकि देश के दोनों प्रमुख संगठन सत्ता सुख की मृगमरीचिका में भटकते हुए इतना आगे निकल चुके हैं कि वापस लौटना अब उनके बस की बात नहीं! यहां संघ को यह सोचना होगा कि आखिर बाजपेयी से लेकर मोदी तक के सत्ता में आते ही उनसे खटपट क्यों हो जाती है? आखिर वह कौन सा यक्ष प्रश्न होता है, जिसके समक्ष घुटने टेकने से भारतीय प्रधानमंत्री इंकार कर देते हैं, जहां से कलह की शुरूआत होती है। पुरानी बातें यदि भुला भी दी जाए तो संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों से दोनों के बीच बढ़ती दूरी भी साफ दिखी है। क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संकेत में ही भाजपा को नसीहत भी दी है और सरकार के कामकाज के तरीकों से लेकर और संगठन में मची आपाधापी तक पर परोक्ष रूप से नाराजगी भी दिखाई है। हालांकि समझदार व्यक्ति होने के चलते उन्होंने खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, इसलिए दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। लेकिन जिन्हें इनका तल्ख अतीत और स्वार्थी रवैया मालूम है, वो ह से हलन्त तक समझ जाते हैं। यह कौन नहीं जानता कि लोकसभा चुनाव 2024 में नतीजे यदि भाजपा की उम्मीद के विपरीत आए हैं, तो इसके पीछे कहीं न कहीं संघ के स्वयंसेवकों का उदासीन रवैया भी जिम्मेदार है। यही वजह है कि अब भाजपा और संघ के बीच स्पष्ट रूप से मतभेद उभरते दिखाई दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो आमतौर पर चुनावी प्रक्रिया के दौरान भाजपा और संघ के बीच जिस तरह का समन्वय और सामंजस्य होता था, वह इस बार दिखाई नहीं दिया। आखिर ऐसा क्यों? वहीं, भाजपा और संघ के बीच अक्सर होने वाली उच्च स्तरीय समन्वय बैठकें भी काफी समय से नहीं हुई हैं। स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ये बैठकें तय वक्त पर क्यों नहीं हुईं। क्या इसके पीछे एक दूसरे को सबक सिखाने की मंशा रही है, जो 2004 के बाद 2024 में भी साफ दिखी। अंतर सिर्फ इतना कि तब 'कुलीन' मिजाज वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी एक ही झटके में धराशायी हो गए। जबकि आज 'कुटिल' मिजाज वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धराशायी होते-होते बच गए। स्वाभाविक है कि इसकी अनुगूंज अगले 5 सालों तक सुनाई पड़ती रहेगी। कहना न होगा कि इन सब बातों के बीच संघ को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का बयान भी काफी चर्चित रहा है, जिससे भी संघ के भीतर नाराजगी साफ दिखाई दी है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल में एक बयान को लेकर दोनों के बीच के रिश्तों को लेकर कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुनाव के दौरान संघ को लेकर की गई टिप्पणी से भी दोनों पक्षों के रिश्तों में कड़वाहट आई है, जिसका असर मतदान के आखिरी तीन चरणों में दिखाई दिया। वहीं, अंदरूनी स्तर पर इस बात की काफी चर्चा है कि आखिर के तीन चरणों में संघ ने उतना मन लगाकर काम नहीं किया, जितना कि वह पहले कर रहा था। स्वाभाविक है कि इसका असर मतदान पर भी पड़ा है। हालांकि संघ ने इस तरह की अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, और भाजपा भी इससे पूरी तरह से सहमत नहीं है। फिर भी आलम यह है कि मोहन भागवत के बयान के बाद भले ही दोनों पक्ष ज्यादा कुछ नहीं बोल रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर चर्चा में यह दिखता है कि दोनों के बीच अब सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। खास बात यह कि इस बारे में संघ के भीतर भी अलग-अलग राय दिखती है। सीधा सवाल है कि क्या यह स्थिति खुद संघ के लिए सही है। जवाब होगा, कतई नहीं! जानकारों के मुताबिक, संघ ने जिन मुद्दों पर नाराजगी जताई है, उनमें भाजपा व संघ के बीच समन्वय की कमी है। सवाल है कि दोनों के बीच समन्वय बैठकें बेहद कम होने के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका निर्धारण कौन करेगा। वहीं, विभिन्न उम्मीदवारों को लेकर संघ की सलाह को नजरअंदाज करने के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या उसे यह स्पष्ट नहीं करना चाहिए कि अपने मातृ संगठन के सलाह व सूझाव को विनम्रता पूर्वक टालने का भी एक अपना तरीका होता है, ताकि वह किसी को नागवार नहीं गुजरे। लेकिन यहां तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत हो रहा है कि भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने न केवल संघ की भावनाओं की अनदेखी की, बल्कि अपने तल्ख बयानों से उल्टे संघ को ही आईना दिखाने की कोशिश की, जो संघ प्रमुख मोहन भागवत को नागवार गुजरी। इसलिए उन्होंने भी नहले पर दहला की तर्ज पर सरकार बनते ही उसे आईना दिखा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, संघ ने कृपा शंकर सिंह समेत लगभग दो दर्जन नामों पर आपत्ति जताई थी। इसके पहले वह आर के सिंह पर आपत्ति जता चुका था, हालांकि वह तब चुनाव जीत गए थे। इसके अलावा, दूसरे दलों से और इधर-उधर से बेलगाम तरीके से लोगों को भाजपा में शामिल करना, जिससे भाजपा कॉडर और पुराने कार्यकर्ताओं में उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, क्योंकि उनको तरजीह न मिली।

जी-7 देशों को साधकर चीनी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है भारत

(कमलेश पांडे)

जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। दुनिया की सात सबसे बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के संकल्प प्रस्ताव को जो मंजूरी दी गई है, उसके वैश्विक मायने स्पष्ट हैं। इन संकल्पों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। हालांकि रूस, चीन और अरब देशों के ईरान-तुर्किये समर्थित एक धड़े की तिकड़ी के सामने वो कितने टिकेंगे, यह तेजी से बदलता हुआ वक्त बताएगा। खासकर भारत और उसके पीछे लामबंद तीसरी दुनिया के देश यदि तटस्थ हो गए, तब क्या होगा, यह समझना भी जरूरी है। वैसे तो जी-7 शिखर सम्मेलन में इस प्रस्ताव पर भी सहमति जताई गई कि उन चीनी कम्पनियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद की है। खास तौर पर चीन के उन वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए हथियार हासिल करने में मदद की है। सम्भवतया भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसका रूसी प्रेम जगजाहिर है। वहीं, शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ जिन दो संकल्पों को मंजूरी दी, वो भी निकट भविष्य में अपना असर जरूर दिखाएंगे। क्योंकि इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है। स्वाभाविक है कि भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसने रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल की खरीददारी की और उसे यूरोपीय बाजारों तक पहुंचाकर भारी मुनाफा कमाया। वहीं, जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। लेकिन भारत पर निशाना साधने से पश्चिमी देशों का खेल गड़बड़ा सकता है, इसलिए उन्होंने रणनीतिक रूप से चीन पर निशाना साधा है, जो रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद वैश्विक रणनीतिक पार्टनर बन चुका है। यही वजह है कि जी-7 देशों ने चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया है। खासतौर पर चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने पर जोर देने की बात कही है। इसके अलावा, चीन को निर्यात नियंत्रण के जरिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने से परहेज करने की भी चेतावनी दी गई है, खास तौर पर चिप व इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में काम आने वाले अहम खनिजों पर एकतरफा निर्यात प्रतिबंधों को अनुचित करार दिया। वहीं, जी-7 ने चीन की कुटिल चालों से अपने व्यवसायों की रक्षा करने और चीन के साथ व्यापार में संतुलन लाने के लिए कार्रवाई करने की बात की है। इसके अलावा, अपने मसौदा बयान में कहा है कि हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे। इसके अलावा, जी-7 देश तबतक यूक्रेन के पीछे खड़े रहेंगे जबतक जरूरत होगी। यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए समूह पूरी मदद देता रहेगा। अब गौर करने वाली बात यह है कि जी-7 देश जहां रूस समर्थक चीन को ललकार रहे हैं।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5405

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5404

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

आज का राशिफल

मेष
आज आपको ऑफिस में कुछ अतिरिक्त कार्यभार दिया जा सकता है। ऑफिस में आपके काम को काफी तवजजो मिलेगी। कोई नया काम आपको सौंपा जा सकता है। घरेलू मोर्चे पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। हो सकता है कोई ठोस सलाह आपके काम आएगी और आपको लाभ होगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति आपके लिए खास होगी।

वृष
आज आर्थिक लाभ होगा और ऑफिस में आपकी बात को पूरी तवज्जो दी जाएगी। आपको जिस बात की आशंका है उसकी वजह से आप परेशान रहेंगे। आपको कहीं दूर जरूरी काम से जाना पड़ सकता है। इस यात्रा में आपके सभी काम पूरे होंगे और भाग्य साथ देगा। आपका भलमन साहत में नुकसान हो सकता है। संभलकर रहें।

मिथुन
आज लाभ होगा और राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। आप अपने सभी दायित्व को पूरा कर पाएंगे। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और आपके रुके कार्य भी सम्पन्न होंगे। आज शाम से लेकर रात का समय आनंद में बीतेगा। खानपान का विशेष ध्यान नियंत्रण रखें तो सेहत अच्छी रहेगी।

कर्क
आज व्यवसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी और आपको लाभ होगा। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूरे होंगे। धार्मिक स्थानों की यात्रा का मन बना सकते हैं।

सिंह
आज अचानक से कुछ बड़े खर्च आपको करने पड़ सकते हैं। भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति की खरीद या बेच करने से आपको मुनाफा होगा। सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सांयकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा-पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

कन्या
आज आर्थिक लाभ होगा और आपका जीवन आनन्द में बीतेगा। पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

तुला
आज खास लाभ होगा और आज आपको कुछ जरूरी काम सौंपे जा सकते हैं। चलते फिरते भी अचानक में कोई प्रियजन मिल सकता है जिसकी तत्काल मदद भी आपको करनी होगी। आपके जीवन में कुछ कठिनाई आ सकती हैं और आपका काम करने में मन नहीं लगेगा। आपका दिमाग रिलेक्स होगा और माता-पिता का साथ मिलेगा।

वृश्चिक
आज दिन सफलता से भरा होगा और सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। कृपया दूसरों के लिए अच्छा जरूर सोचें और करें भी। आज आपको जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए बाहर भी जाना पड़ सकता है। आज शाम को कुछ जरूरी खर्च आपके सामने आ सकते हैं। आज किसी मामले में आपको धन लाभ होगा।

मकर
आज का दिन शुभ है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा और प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सांयकाल प्रियजनों से भेंट करें और सैर सपाटे में आपका मन लगेगा। मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ
आज आपका गृहोपयोगी वस्तुओं पर खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण आपको तनाव हो सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। आपको दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें आपकी विजय होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

धनु
आज का दिन सच्चाई और सतर्कता से भरा होगा और आपको पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति आने पर क्रोध पर काबू रखें तो सब कुछ अच्छा होगा। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जाएगी और आपको राजकीय मदद भी मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं, भाग्य आपका साथ देगा।

मीन
आज आर्थिक लाभ होगा,आपके लिए शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि से भरा होगा। आय के नए स्रोत बनेंगे और बोलने की कला आपको सम्मान दिलाएगी। विशेष सम्मान प्राप्त होगा। आज भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव सेहत पर पड़ेगा। सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य भी आपको पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

वर्ग पहेली 5405

1	2	3	4		5	6	
7					8		
9			10	11			12
		13				14	
15	16					17	
			18		19		
20		21			22		23
24				25			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1877 को पैदा हुए थे ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (7)
7. जलपक्षी, जलाशयों के समीप रहने वाले पक्षी (4)
8. निशान, चिन्ह, परीक्षा में प्राप्त अंक (2)
9. निर्णीत, ठहराया या निश्चित किया हुआ (2)
10. र वर्ण बोधक अक्षर (3)
14. एक प्रकार का सत जिसे पृथ्वी रूपी गौ से गंधर्वों ने दुहा था (2)
15. परिचर्या, खिदमत, सेवा-सुश्रुषा (3)
17. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, गायन (2)
18. यह क्षेत्र कोयल खनन के लिए प्रसिद्ध है (4)
20. तमाशा देखने वाला व्यक्ति (4)
22. डाला जाना, छोड़ा जाना (3)
24. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
25. अशुचि, पवित्र, पुनीत (2)

ऊपर से नीचे
1. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
2. घुलना, विलय होना, समा जाना (3)
3. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, समुद्री घोंघे जिसे हिंदू धर्म के लोग पवित्र मानते है (2)
4. किनारे पर, समीप, मेड, कारनिस (3)
5. संख्या, हिसाब, लेखा, गिनती (3)
6. लिपिक, हिसाब-किताब एवं पत्राचार करने वाला कर्मचारी, बाबू (2)
11. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
12. तपस्या, तप, पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (3)
13. एक प्राचीन शस्त्र, कंटका, विकट पीड़ा (2)
14. प्रकाश झा निर्देशित बनी अजय देवगन द्वारा अभिनीत एक प्रसिद्ध सफल फिल्म (4)
16. पवनपुत्र, केसरी नंदन (4)
18. यह बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, एक प्रकार की छोटी सरसों (2)
19. नेपाल और बिहार में बहने वाली एक नदी (3)
20. शरीर, देह, काया (2)
21. हर्षित, खुशी, प्रसन्न (2)
23. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5404 का हल

श्री	लं	का		स	र	ह	द
म		नू		गा	इ	ड	
ती	ज	न	बा	ई		स	पा
	ल	ब			मा	न	व
गो	द	ना		स	ही		र
दा		ना	दा	न		म	ह्य
व			गी		भा		उ
री	ड	र		दे	व	दा	स

सरसों की वैज्ञानिक खेती

सरसों एवं राई की गिनती भारत की प्रमुख तीन तिलहनी फसलों (सोयाबीन, मूंगफली एवं सरसो) में होती है जो देष में आई , पीली क्रान्ति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। इसके कारण भारत के द्वारा तेलों के आयात में न केवल आषातीत कटोती हुई बल्कि निर्यात की संभावनाए भी बढी है। राजस्थान में प्रमुख रूप से भरतपुर सवाई माधोपुर, अलवर करौली, कोटा, जयपुर आदि जिलो में सरसों की खेती की जाती है। सरसों में कम लागत लगाकर अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। इसके हरे पौधों का प्रयोग जानवरों के हरे चारे के रूप में लिया जा सकता है। साथ ही पषु आहार के रूप में बीज, तेल, एंव खली को काम में ले सकतें हैं क्यो कि इनका प्रभाव षीतल होता है जिससे यें कई रोगो की रोकथाम में सहायक सिध्द होते है इसकी खली में लगभग 4से9 प्रतिषत नत्रजन 2.5 प्रतिषत फॉस्फोरस एवं 1.5 प्रतिषत पोटाष होता है। अत- कई देशों में इसका उपयोग खाद की तरह किया जाता ह किन्तु हमारे देष में यह केवल पषुओ को खिलाई जाती है। इसके सूखे तनों को ईधन के रूप में उपयोग लिया जाता है। सरसों के बीज में तेल की मात्रा 30से 48 प्रतिषत तक पायी जाती है। सरसों राजस्थान की प्रमुख तिलहनी फसल है जिससे तेल प्राप्त होता है। सरसों का तेल बनाने मालिष करने, साबुन ,ग्रीस बनाने तथा फल एंव सब्जियों के परीरंक्षण में का आता है।

जलवायु- भारत में सरसों की खेती षरद ऋतु में की जाती है। इस फसल को 18से25 सेल्सियस तापमान की आवष्यकता होती है। सरसों की फसल के लिए फूल आते समय वर्षा, अधिक आर्द्रता एवं वायुमण्ड़ल में बादल छायें रहना अच्छा नही रहता है। अगर इसस प्रकार का मोसम होता हें तो फसल पर माहू या चैपा के आने का अधिक प्रकोप हो जाता हैं।

मृदा - सरसों की खेती रेतीली से लेकर भारी मटियार मृदाओ में की जा सकती है। लेकिन बलुई दोमट मृदा सर्वाधिक उपयुक्त होती है। यह फसल हल्की क्षारीयता को सहन कर सकती है। लेकिन मृदा अम्लीय नही होनी चाहिए।

उन्नत किस्में

आर एच 30 - सिंचित व असिचित दोनो ही स्थितीयों में गेहू चना एवं जौ साथ खेती के लिए उपयुक्त इसस किस्म के पौधों 196 सेन्टीमीटर ऊचे, एवं 5से6 प्राथमिक षाखाओं वाले होते है। यह किस्म देर से बुवाई के लिए भी उपयुक्त है। इसमें 45से50 दिन में फूल आने लगते है। और फसल 130से135 दिन में पक जाती है। एवं इसके दाने मोटे होते है। यदि 15से20 अटुम्बर तक इसकी बुवाई कर दी जाये तो मोयले के प्रकोप से बचा जा सकता है।

टी 59 (वरूणा) - मध्यम कद वाली इस किस्म की पकाव अवधि 125 से 140 दिन फलिया चौडी छोटी एवं दाने मोटे काले रंग के होते है। इसकी उपज असिचित 15से18 दिन हेक्टर होती है। इसमें तेल की मात्रा 36 प्रतिषत होती है।

पूसा बोल्ड - मध्यम कद वाली इस किसम की षाखाओं फलियों से हुई व फलियों मोटी होती है। यह 130से140 दिन में पककर 20से25 क्विंटल हैक्टर उपज देती है। इसमें तेल की मात्रा 37से38 प्रतिषत तक पायी जाती है।

बायो 902 (पूसा जयकिसान) - 160से180 से. मी. ऊँची इस किस्म में सफेद रोली ,मुरझान व तुलासितस रोगो का प्रकोप अन्य किस्मों की अपेक्षा कम होता है। इसकी फलिया पकने पर दाने झड़ते नही एवं इसका दाना कालापन लिए भूरे रंग का होता हैं। इसकी उपज 18से20 क्विं. हेक्टर, पकाव अवधि 130से140 दिन एवं तेल की मात्रा 38से40 प्रतिषत होती है। इसके तेल में असंतृप्त वसीय अल कम होते है, इसलिए इसका तेल खाने के लिए उपयुक्त होता है।

वसुन्धरा (आर.एच. 9304) - समय पर एवं सिंचित क्षेत्र में बोई जाने वाली इस किस् का पपौधा 180से 190 से. मी. ऊँचा होता है। 130से 135 दिन में पकने वाली इस किस्म की पैदावार 25से27 क्विं.। हेक्टर तक होती है। यह किस्म आड़ी गिरने तथा फली चटखने से प्रतिरोध है तथा सफेद रोली से मध्यम प्रतिरोधी है।

अरावली (आर.एन.393) - 135से138 दिन में पपकने वाली इस किस्म की ऊँर्चा मध्यम होती है। तेल की मात्रा 42 प्रतिषत एवं 55से 60 दिन में फूल आने वाली इस किस्म की औसत ैदावार 22से25 क्विं. हेक्टर तक होती है। यह सफेद रोली से मध्यम प्रतिरोधी है।

जगन्नाय (बी. एस. एल.5) - यह किस् समय से बुवाई के लिए सिचित क्षैत्र के लिए उपयुक्त है। यह मध्यम ऊँचाई वाली (165से170 से.मी.) 125से 130 दिन में पककर तैयार हो जाती है बीज स्लेटी से काले रंग का मध्यम मोटा होता है । तल की मात्रा 39से40 प्रतिषत तथा औसत पैदावार 20से22 क्विं. हैक्टर होतर है। यह किस्म पत्ती धब्बा रोग तथा सफेद रोली के मध्य प्रतिरोधी है आड़ी गिरने व फली चटखने से पप्रतिरोधी होती है।

लक्ष्मी (आर .एच. 8812) - समय से बंवाई एवं सिचिंत क्षैत्र के लिए उपयोगी किस् अधिक ऊचाई वाली (160से180 से. मी.)यह किस्म 140से150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। पत्तियॉ छोटी एव पतली लेकिन फली आने पर भार के कारण आड़ी पडने की सम्भावना होती है फलियॉ मोटी एवं पकने पर चटखती नी है। दाना काला तथा मोटा होता है। तेल की मात्रा 401 प्रतिषत होती है। तथा औसत पैदावार 22से 25 क्विं. हैक्टयर होती है यह किस्म पत्ती धब्बा रोग एवं सफेद रोली से मध्यम प्रतिरोधी है।

स्वर्ण ज्योति (आर. एच. 9820) - देर से बोुई जाने एवं सिंचित क्षैत्र के लिए उपयुक्त। पौधा मध्यम ऊँचाई का (135से140) दिन में फूल आने वाली यह किस्म 135से 140 दिन में पककर तैयार हो जाती है तेल की मात्रा 39से42 प्रतिषत होती है। यह किस्म 15 नवम्बर तक बोई जाने पर भी अच्छी पैदावार देती है इसकी औसत पैदावार 13से15 क्वि. हैक्टयर होती है। यह आड़ी गिरने एवं फली छिटकने से प्रतिराधी, पाले के लिए मध्यम सहनषील एवं सफेद रोली से मध्य प्रतिरोधी है।

आषीर्वाद (आर. के. 01से03) - यह किस्म देरी से बुवाई के लिए (25 अक्टुबर से 15 नवम्बर तक) उपयुक्त पायी गई है। इसका पौधा 130से140 से. मी. ऊँचा होता है। तेल की मात्रा 39से42 प्रतिषत होती है। यह किस्म आड़ी गिरने एवं फली छिटकने से प्रतिरोधी पाले से मध्यम प्रतिरोधी 120से130 दिन में पककर 13से15 क्विं. हैक्टयर उपज देती है

खेत की तैयारी- सरसों के लिए भुरभुरी मृदा की आवष्यकता होती है। इसे लिए खरीफ की कटाई के बाद एक गहरी जुताई करनी चाहिए तथा इसके बाद तीन चार बाार देषी हल से जुताई करना लाभप्रद होता है। जुताई के बाद पाटा लगाकर खेत को तेयार करना खहिए असिंचित क्षैत्रों में वर्षा के पहले जुताई करके खरीफ मौसम में खेत पड़ती छोडना चाहिए जिससे वर्षा का पानी का संरक्षण हो सके । जिसके बाद हल्की जुताइयॉ करके खेत तैयार करना चाहिए । यदि खेत में दीमक एवं अन्य कीटो का प्रकोप अधिक हो तो, नियंत्रण हेतु अन्तिम जुताई के समय क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिषत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टयर की दर ससे देना चाहिए। साथ ही, उत्पादन बढ़ाने हेतु 2से3 किलरग्राम एजोटोबेक्टा एवं पी.ए.बी कल्चर की 50 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मीकल्चर में मिलाकर अंतिम जुर्ता से पुर्ण खेत में ड़ालना चाहिए।

बीजदर - बुंवाई के लिए षुस्क क्षैत्र में 4से 5 कि.ग्रा तथा सिंचित क्षैत्र में 2.5 कि. ग्रा बीज प्रति हैक्टर पर्याप्त रहता है।

बीजोपचार - बुवाइे से पहले बीज को 2.5 ग्राम मैन्कोजेब प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें।

बुवाई का समय एवं विधि - सरसों की बुवाई के लियें उपयुक्त तापमान 25 से 26 सैल्सियस तक रहता है। बाराकी में सरसों की बुवाई 15 सितम्बर से 15 अक्टुबंर तक कर देनी चाहिए। सिंचित क्षैत्रो में अक्टूबर के अन्त तक बंवाई की जा ससकती हैं सरसों की बुवाई कतारो में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 30 सें. मी. तथा पौधों से पौधें की दूरी 10 सें. मी. रखनी चाहिए। सिंचित क्षैत्र में बीज की गहराई 5 से. मी. तक रखी जाती है। असिचित क्षैत्र में गहराइ नमी के अनुसार रखनी चाहिए।

खाद व उर्वरक प्रबन्धन - सिंचित फसल के लिए 8से10 टन सड़ी गोबर की खाद प्रति हेक्टर की दर से बुवाई के 3से 4 सप्ताह पुर्व खेत मे डालकर खेत की तैयारी करें एवं बारानी क्षत्र में वर्षा पुर्व 4से5 टन सडी खाद प्रति हैक्टर खेत में डाल देवें। एक दो वर्षा के बाद खेत में समान रूप से फैलाकर जुताई करे। सिंचित क्षैत्रों में 80 कि.ग्रा. नत्रजन 30से40 किग्रा फॉस्फोरस एवं 375 किग्रा. जिप्सम या 60 किग्रा गन्धक पुर्ण प्रति हैक्टर की दर से डालें। नत्रजनकी आधी व फॉस्फोरस की पूरी मात्रा बुवाई के समय देवे,षेष आधी मात्रा प्रथम सिचाई के समय देवे।

सिंचाई - सरसों की फसल में सही समय पर सिंचाई देने पर पैदावार में बढोत्तरी होती है। यदि वर्षा अधिक होती है। तो फससल को सिचाई की आवष्यकता नही होती है। परन्तु यदि वर्षा समय पर न होतो 2 सिंचाई आवष्यक है प्रथम सिंचाई बांई के 30से 40 कदन बाद एवं दितीय सिचाईं 70सें 80 दिन की अवथा में करे । यदि जल की कमी हो तो एक सिचाई 40से50 दिन की फसल में करें।

निराई गुडाई एवं खरपतवार नियन्त्रण - पौधों की संख्या अधिक होतो बुवाई के 20से 25 दिन बाद निराई के साथ छटाई कर पौधें निकालने चाहिए तथा पौधों के बीच 8से 10 सेन्टी मीटर की दर रखनी चाहिए। सिचाई के बाद गुडाई करने से खरपतवार अच्छी होगी। प्याजी की रोकथाम के लियें फ्लूम्लोरेलिन एक लीटर सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर भूमि में मिलावें। जहा पलेना करके बुवाई की जानी हो वहों सूखी बुवाई की स्थिति में पहलें फसल की बुवाई करे इसकें बाद फ्लूम्लोरेलिन का छिड़काव कर सिचाई करनी चाहिए।

फसल की कटाई - सरसों की फल 120से150 दिन में पककर तैयार हो जाती है इस फसल में उचित समय पर कटाई करना अत्यन्त आवष्यक है क्यो कि यदि समय पर कटाई नहीं की जाती है। तो फमियाँ चटकने लगती है। एवं उपज में 5से 10 प्रतिषत की कमी आ जाती है। जैंसे ही पौधे की पत्तियों एवं फलियों का रंग पीला पड़ने लगें कटाई क लेनी चाहिए। कटाई के समय इस बात का विषष ध्यान रखे की सत्यानाषी खरपतवार का बीज, फल के साथ न मिलने पाये नही तों इस फसल के दूषित तेल से मनुष्य में ड्रोपसी नामक बीमारी हो जायेगी। सरसों केवल टहनियों को काटकर बंडलों में बाधकर खलियान में पहॅुचा देवें एवं कुछ दिन तक फसल को सुखानें के बाद उचित नमी की अवस्था आने पर दाने बोरियों में भरकर भण्डार ग्रह में पहुँचा देना चाहिए।

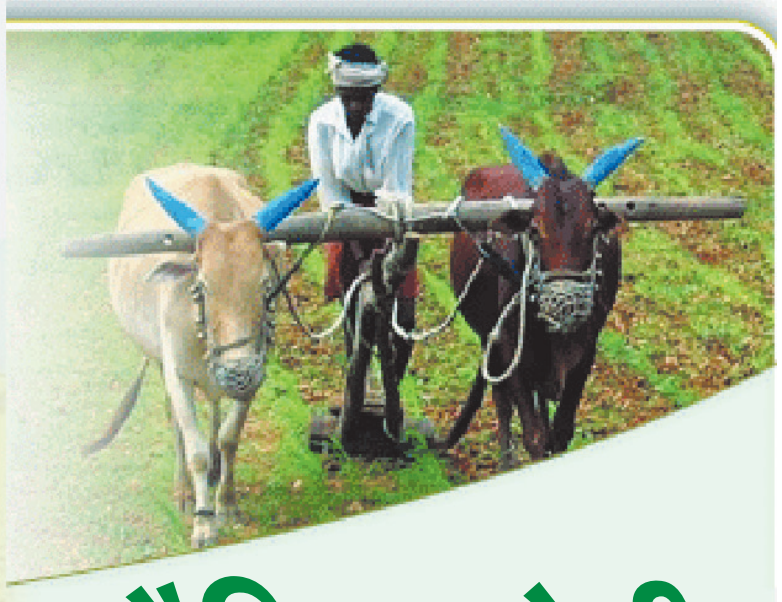

जैविक खेती अपनाते लोग

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के सोहागपुर ब्लाक के बोरी गाँव के किसान हैं। पिछले कुछ सालों से वे अपने खेत में रासायनिक खाद का बिलकुल इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। अब वे खेती को पूरी जैविक पद्धति से कर रहे हैं। वे किसी विचारधारा से प्रभावित होकर जैविक खेती नहीं कर रहे है। बल्कि खेती में लागत कम करने के उद्देश्य से लगातार खेती में नये नये प्रयोग करते रहते हैं। राजकुमार मार्य के पास आठ एकड़ जमीन है जिसमें वे गेहूँ 16 क्विं प्रति एकड़ एवं सोयाबीन 8-10 क्विं प्रति एकड़ के औसत से उत्पादन लेते हैं। जो रासायनिक खेती की तुलना में लगभग बराबर ही है और जब वे लागत के आधार पर उत्पादन देखते हैं खेती अब उनके लिए फायदे का सौदा हो गई है। राजकुमार भाई बताते है कि कुछ साल पहले जब वे अपने खेत में रासायनिक खाद का इस्तेमाल करते थे तो खेती करने में घाटा हो रहा था। उनका मानना है कि आजकल जमीन में जीवों की मात्रा कम हो गई है इस कारण हमारी जमीन ठोस हो गई है। यह जमीन हमने कीटनाशक एवं नींदानाशक के अधिक उपयोग के कारण खत्म कर दी है। इसलिए वे अपनी खेती में कभी भी नींदानाशक एवं कीटनाशक का उपयोग नहीं करते हैं। जमीन में खरपतवार की निंदाई कराते है। आपका कहना है कि जमीन में केंचुये होना बहुत जरूरी है। असल में केंचुये जमीन को खाद तो देते ही है जमीन कठोर होने से भी बचाते हैं।

श्री मोर्य साल भर कुछ ऐसे प्रयोग करते हैं जिससे कि जमीन की उर्वरकता बची रहे। जैसे कटाई के बाद वे खेत में दो बार बखरनी करते हैं जिससे कि नरवाई जमीन में मिल जाती है। उनका कहना है कि अधिकांश लोग खेत में नरवाई को जलाते हैं जिससे कि जमीन खराब होती है। आपके घर पर गोबर गैस संयंत्र लगा हुआ है जिसमें कि एक सीजन में 4-5 ट्राली स्लेरी (गोबर की खाद) इक्ट्ठा हो जाता है इस स्लेरी को आप बोनी से पहले पूरे खेत में विछाकर बखरनी करते हैं। इसके बाद बोनी करते हैं। खरपतवार की निंदाई करते है। खरपतवार के लिए किसी भी प्रकार के नींदानाशक का उपयोग नहीं करते हैं।वे मानते हैं कि लोग प्रति एकड एक क्विंटल अनाज बोते हैं जो कि ठीक नहीं है क्योंकि यदि ज्यादा मात्र में अनाज बोंएँगे तो जमीन उतना पोषक तत्व पौधे को नहीं दे पाएगी जिससे पौधा कमजोर होगा और अंतत- इसका असर उत्पादन पर पड़ता है।

श्री मार्य अपने खेत में गेहूँ में 75 किलो प्रति एकड़ बोनी करते हैं। आप कहते है कि जहाँ लोग ज्यादा बोनी करके कम मुनाफा लेते हैं वहीं मैं कम बोनी करके अच्छा मुनाफा लेता हूँ। रासायनिक खाद का इस्तेमाल आप कम करते हैं जिसमें कि डीएपी क़ी मात्रा तो कम रखते ही है पहले पानी पर केवल 15 बोरी प्रति एकड़ के हिसाब से यूरिया डालते हैं। आपका मानना है कि यदि व्यक्ति रासायनिक खादों का इस्तेमाल कम करे एवं जैविक खाद की मात्रा बढ़ाये तो उत्पादन तो अच्छा होगा ही लागत भी कम आएगी।निटाया ग्राम के नरेन्द्र चौधरी 25 एकड़ के किसान हैं वे 4 एकड़ खेत में पूर्णत- जैविक खेती करते हैं उनका कहना है कि गेंहू की फसल में कुल 4,000 रुपए एवं सोयाबीन की फसल में 3500 रुपए की प्रति एकड़ लागत शुरू से लेकर अंत तक आती है। यदि किसान जैविक खेती अपनाता है तो 1500 रुपए के लगभग गेंहू एवं 1000 रूपये के लगभग सोयाबीन की लागत बच जाती है जो कि रसायन एवं कीटनाशक पर खर्च होता है। जैविक खेती के बारे में ही होशंगाबाद जिले के रोहना गाँव के रूपसिंह राजपूत बताते है की हमारे खेतों की जमीन में से छोटे छोटे जीव जन्तु नष्ट हो गए हैं यदि जीव जन्तुओं की मात्रा जमीन में बढ़ जाए तो जमीन की उर्वरकता एवं उत्पादन दोनों ही बढ़ जाएँगें।जिन जीव जन्तुओं के पोषण रूपसिंह खेत में जीवामृत डालते हैं। यह जीवामृत वे 10 किलो गोबर, 10 लीटर गोमूत्र, 2 किलो गुड़ 2 किलो कोई भी दलहन एवं 1 किलो बड़ के पेड़ की मिट्टी 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल तैयार करते हैं। घोल 7-8 दिन पुराना होने के बाद जब खेत में पानी होता है तब थोड़ा थोड़ा जीव अमृत मुख्य नाली से डालते हैं। रूपसिंह का मानना है कि इस जीवामृत का प्रयोग किसान करे तो उत्पादन एवं फसल को देखकर ही अन्तर साफ नजर आता है आपकी 8 एकड़ जमीन में आप इसी जीवामृत का प्रयोग करते है। आपने एक एकड़ खेत में 1200 केले पेड़ लगाये है जिसमें पिछले 1 वर्ष से जीवामृत का प्रयोग कर रहे है। आपका मानना है कि जीवामृत कम लागत का खाद है एवं इस एक वर्ष में आपने हजारों रुपए बचाया है जो कि रासायनिक खाद पर खर्च होता। केले की फसल के उत्पादन के बारे में आपका कहना है कि 1200 पेड़ में यदि 1 पेड़ से 100 रुपये का केला बिकता हैं तो 1,20,000 के केले बिकेगें जो कि 1 एकड़ जमीन में कोई भी फसल नहीं बिकती है। रूपसिंह भाई बताते हैं की केले की फसल एक बार लगाने पर तीन बार फल देती है। अभी तक 14 माह में आपने एक एकड़ में 35,000 रूपये की लागत लगा चुके हैं। जीवामृत के प्रयोग से आप खाद बनाने में काफी सरलता महसूस करते हैं यह जीवामृत आपने खैरी गाँव के कृषक सर्वज्ञ दीवान एवं जिन्वान्या गाँव के किसान अशोक खोरे के यहाँ भ्रमण कर सीखा

खैरी गाँव के सर्वज्ञ दीवान तो हमेशा ही जैविक खेती के प्रयोगधर्मी किसान रहे हैं आप नाडेप, कच्चा नाडेप, वर्मीकम्पोस्ट जीवामृत कल्चर आदि खाद का प्रयोग घर बनाकर तो करते ही हैं साथ ही गाय, बैल के मरने के बाद उसे बाहर न फेंककर जमीन में गाड़ देते हैं जिसके ऊपर से नमक एवं गोबर डाल देते है। आपका कहना है कि 6 माह बाद बहुत ही अच्छा खाद इससे तैयार हो जाता है। यह खाद एक एकड़ जमीन के लिये पर्याप्त है। जिसमें गौ समाधी बनी जगह को खोदकर खेत में डाल देते है।

होशंगाबाद जिले के एक अन्य गांव पलासडोह के किसान उमाशंकर शर्मा का कहना है कि यदि जमीन में कंचुये की मात्रा रहती है तो कच्चा नाडेप बनाने में भी केंचुये इसे वर्मी कम्पोस्ट बना देते हैं। आप खेती में वर्मीकम्पोस्ट, नाडेप एवं गोबर गैस स्लेरी का प्रयोग करते है।जैविक खेती के मुद्दे पर कृषि विस्तार अधिकारी श्री आरक़ेदीक्षित का कहना है कि किसानों ने जमीन का स्वास्थ्य खराब कर दिया है । इसके स्वास्थ्य खराब करने में नरवाई में आग लगानाअधिक पानी देना, अधिक उर्वरक डालना अधिक बोनी आदि शामिल हैं। आपका कहना है कि जिस जमीन पर ईंट का भट्टा लगता है वहाँ पर 5 साल तक कोई पेड़ पौधा नहीं ऊंगता है। हमारी खेती में हम प्रतिवर्ष आग लगाकर धीमा जहर दे रहे हैं। किसान भाईयों को नरवाई मे आग लगाने का काम बिल्कुल बंद कर देना चाहिये। उर्वरक की मात्रा तो किसान भाई प्रतिवर्ष बढ़ा रहे हैं परन्तु किसी प्रकार का जैविक खाद नहीं डाल रहे हैं। जो किसान जैविक खाद डालते है उनका अनुपात बहुत ही कम है आपका कहना है कि खेतों में लोग पानी खेतों में खोलकर घर आ जाते है। पानी खेतों में बहता रहता है एवं फसल को अधिक पानी मिलता है यह भी ठीक नहीं है। बोनी करने के लिये भी किसान ज्यादा मात्रा में बोनी करता है जो कि ठीक नहीं है।

फरदीन को 14 साल इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस

एक्टर फरदीन खान ने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' से एक्टिंग कमबैक किया है। एक्टर ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा कि उन्हें सालों तक इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस है। फरदीन ने बताया कि इस दौरान वो मुंबई छोड़कर कहीं और शिफ्ट हो गए थे जिसके चलते कई फिल्ममेकर्स को लगा कि वो एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड ही नहीं हैं।

मैं बस कम लोगों के संपर्क में था

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में फरदीन ने कहा, 'मेरे पास साल 2014-15 तक ऑफर आते रहे। उसके बाद लोगों को लगा कि मैं देश छोड़कर कहीं जा चुका हूं। यह परसेप्शन मैं आज तक बदलने की कोशिश कर रहा हूं। मैं पूरे वक्त देश में ही था। बस कम लोगों के संपर्क में था।'

काश यह गैप 6-7 साल कम होता

एक्टर ने आगे कहा, 'जब मेरे पास फिल्मों के ऑफर आने शुरू हुए तब तक मैं काफी वेट गेन कर चुका था। लोगों को फिर लगा कि मैं एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड नहीं हूं। कुल मिलाकर मुझे इंडस्ट्री से 12-14 साल का ब्रेक लेने का अफसोस है। मैंने कुछ भी प्लान नहीं किया था पर कभी-कभी लगता है कि काश यह गैप 6 से 7 साल कम होता।'

वापस लौटा तो डरावना माहौल था

फरदीन इस दौरान सुपरस्टार सलमान खान के टच में भी रहे। एक्टर ने बताया, 'जब मैंने कमबैक करने का फैसला किया तो उन सभी लोगों से कॉन्टेक्ट किया जिनके साथ पहले काम कर चुका था। जब मैं वापस लौटा, वो वक्त बहुत ही डरावना था। मुझे एक दम न्यूकमर जैसी फीलिंग आती थी। इस पूरे दौर में मैं सलमान खान के साथ टच में रहा। संजय गुप्ता ने भी मुझे एक फिल्म 'विस्फोट' ऑफर की। मैं कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा से भी मिला। अभी भी लोगों से मिलकर उन्हें कन्विंस कर रहा हूं कि मैं वापस आ गया हूं और काम करना चाहता हूं।'

14 साल बाद 'हीरामंडी' से लौटे हैं फरदीन

1998 में फिल्म 'प्रेम अगन' से डेब्यू करने वाले फरदीन की आखिरी फिल्म 2010 में रिलीज हुई 'दूल्हा मिल गया' थी। अब उन्होंने 14 साल बाद 'हीरामंडी' से कमबैक किया है। इसके अलावा फरदीन के पास कॉमेडी फिल्म 'खेल-खेल में' भी है जिसमें उनके अलावा अक्षय कुमार और तापसी पन्नू जैसे कलाकार नजर आएंगे।

जानबूझ कर टीवी से दूर रहीं निया शर्मा

एक हजारों में मेरी बहना है और जमाई राजा जैसे टीवी शो से घर-घर मशहूर हुईं निया शर्मा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनके शो सुहागन चुड़ैल को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। निया ने लंबे समय के बाद टीवी सीरियल की दुनिया में वापसी की है। हाल ही में निया ने एक इंटरव्यू के दौरान इस लंबे ब्रेक के पीछे की कहानी को अपने फैंस के संग साझा किया है। निया शर्मा अपने इस ब्रेक के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, सबसे पहली बात तो ये है कि मैं किसी भी ऐसे शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थी जो शुरू होने के तीन महीने बाद बंद हो जाए। मैं लंबे और अच्छे शो के साथ जुड़ना चाहती थी इसलिए मैंने सोच-समझ कर यह ब्रेक लिया था। निया शर्मा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पिछले कुछ वर्षों में कितने ही शो शुरू हुए और बंद हुए किसी को पता भी नहीं चला। मुझे खुद इनमें से कई शो ऑफर हुए थे जो तीन-चार महीने में बंद हो गए। एक और अहम बात मुझे जो भी रोल ऑफर हो रहे थे मैं उनसे कनेक्ट नहीं फील कर रही थी इसलिए मैंने उन शो में काम नहीं किया। निया शर्मा अपने शो सुहागन चुड़ैल को लेकर काफी उत्साहित हैं। वे कहती हैं, जैसे ही मैंने इस शो के बारे में सुना मैंने तय कर लिया था कि मुझे यह करना है। इस शो में मेरा किरदार काफी अलग और चैलेंजिंग है। मुझे यह शो करके काफी मजा आ रहा है। निया शर्मा पिछली बार एकता कपूर द्वारा निर्मित शो नागिन 4 में नजर आई थीं। इस शो में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा था। इसके बाद वे खतरों के खिलाड़ी- मेड इन इंडिया और झलक दिखला जा जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बनीं और विजेता बनकर उभरीं।

बॉर्डर 2 से पहले सूर्या की शूटिंग शुरू करेंगे सनी देओल!

2023 में गदर 2 की भारी सफलता के बाद सनी देओल अपनी रोमांचक आगामी फिल्मों के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 66 वर्षीय अभिनेता सूर्या के लिए फिर से फिल्मांकन शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसका निर्माण 2022 में शुरू हुआ था। कथित तौर पर लाहौर 1947 के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद सनी देओल सूर्या की शूटिंग फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। कमल मुकुट द्वारा निर्मित और एम पद्मकुमार द्वारा निर्देशित, यह फिल्म प्रशंसित मलयालम फिल्म जोसेफ (2018) का हिंदी रूपांतरण है, जिसका निर्देशन भी पद्मकुमार ने किया था। मुकुट के बेटे दीपक मुकुट ने एक इंटरव्यू में बताया, हमने फिल्म का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। सनी जल्द ही शूटिंग पूरी करेंगे। अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण देओल की उपलब्धता के लिए दो साल के इंतजार के बावजूद, दीपक ने अभिनेता के व्यस्त कार्यक्रम के प्रति समझ और धैर्य व्यक्त किया। इसके अलावा, दीपक ने साझा किया कि मूल फिल्म जोसेफ को देखने के बाद सनी देओल एक शर्त पर रीमेक में भाग लेने के लिए सहमत हुए कि फिल्म अपनी मूल गंभीरता बरकरार रखेगी। दीपक मुकुट ने कहा, सनी भी रचनात्मक प्रक्रिया में शामिल हैं। हमारे साथ उनका रिश्ता एक फिल्म से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हम उनका इंतजार करेंगे। क्राइम ड्रामा जोसेफ में जोजू जॉर्ज कथा का नेतृत्व करते हैं क्योंकि यह चार सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के जीवन को उजागर करता है।

ताहिरा कश्यप के डेब्यू प्रोजेक्ट शर्माजी की बेटी का एलान

प्राइम वीडियो ने हाल ही में, कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी की अनाउंसमेंट की है। ताहिरा कश्यप खुराना द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है। फिल्म महिलाओं के सपनों को एक नए पंख देने का काम करेगी और अपने सपनों को पाने के लिए सामने आने वाली चुनौतियों को भी बखूबी दिखाएगी। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी हैं। बता दें कि यह फिल्म ताहिरा का डेब्यू प्रोजेक्ट है। यह है फिल्म की कहानी एक हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली फिल्म, शर्माजी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के विषयों की पड़ताल करती है। तीन मध्यवर्गीय महिलाओं और दो छोटी लड़कियों - जिनका एक ही सरनेम शर्मा है, उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके अनूठे अनुभवों और संघर्षों पर प्रकाश डालती है। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें साक्षी और सैयामी समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। निर्माताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैं? शर्माजी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। कॉमेडी से भरपूर है फिल्म एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, शर्माजी की बेटी सहजता से हास्य और भावुक क्षणों को जोड़ती है, जो दर्शकों को तीन नायिकाओं के जीवन के माध्यम से एक रोलर कोस्टर यात्रा पर ले जाती है, जो अपने अलग तरीकों से चुनौतियों पर काबू पाती है। हमें ताहिरा जैसे निपुण नए निर्देशक के साथ विश्वास के इस प्रोजेक्ट पर बेहद गर्व है।

फिल्म में दिखेगा ताहिरा का विजन

उन्होंने आगे कहा, यह एक मासूम, सरलता से बताई गई कहानी है, जो दर्शकों को मुस्कुराने पर मजबूर कर देगी। साथ ही पीढ़ियों से चली आ रही महिलाओं के लचीलेपन और सपनों को भी स्क्रीन पर दिखाएगी। हमारा मानना है कि ताहिरा का विजन सभी को गहराई से प्रभावित करेगा, जिससे यह प्राइम वीडियो पर दर्शकों के लिए एक पारिवारिक मनोरंजन बन जाएगा।

इंडियाज बेस्ट डांसर 4 की नई जज बनेंगी करिश्मा कपूर!

लोगों का पंसदीदा मशहूर डांस रिएलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। इस शो की जज अब बदल सकती हैं। सोनाली बेंद्रे इस डांस शो के सीजन तीन में जजों की टीम का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब इस बार डांस रिएलिटी शो में सोनाली बेंद्रे की जज की कुर्सी को करिश्मा कपूर संभाल सकती हैं। करिश्मा कपूर का नाम बॉलीवुड की नामचीन अभिनेत्रियों की सूची में शुमार है। करिश्मा को मनोरंजन जगत में कई साल हो गए। 1992 में फिल्म प्रेम कैदी से अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत करने वाली करिश्मा का जादू अब इंडियाज बेस्ट डांसर 4 शो पर भी दिखाई दे सकता है। करिश्मा बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक है, लाजवाब अभिनय और बेहतर डांस उनकी कुछ खासियतों में से है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करिश्मा इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन की जज की कुर्सी संभाल सकती हैं। करिश्मा डांस शो के निर्माताओं के साथ बातचीत कर रही हैं। भले ही उन्होंने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है, लेकिन वह इस ऑफर से खुश हैं और इसे स्वीकार करने के लिए उत्साहित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनाली बेंद्रे को इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 में वापसी के लिए अभीतक संपर्क नहीं किया है, बल्कि इस शो के निर्माताओं ने करिश्मा कपूर से जज की कुर्सी संभालने के लिए बातचीत की हैं। उन्हें डांस शो के लिए फाइनल कर लिया गया है। जल्द ही करिश्मा आने वाले दिनों में अपना कॉन्ट्रैक्ट भी साइन कर लेंगी।卐 अगर सबकुछ सही रहता है तो इस डांस के चौथे सीजन को करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस एकसाथ जज करेंगे।

सीजन 3 की जज रह चुकी हैं सोनाली

सोनाली बेंद्रे इंडियाज बेस्ट डांसर 3 के जजों के पैनल का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि इससे पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। इंडियाज बेस्ट डांसर 3 पिछले साल सितंबर में खत्म हुआ था। इस डांस रियलिटी शो को समर्पण लामा ने जीता था। उन्होंने अंजलि ममगई, अनिकेत चौहान, विपुल खंडपाल और शिवांशु सोनी को पीछे छोड़ते हुए ट्रॉफी अपने नाम की थी।

रोशन परिवार की विरासत आगे बढ़ाना चाहती हैं पश्मीना

रोशन परिवार का बॉलीवुड का मशहूर फिल्मी घराना है। इस घराने से राजेश, राकेश और ऋतिक जैसी मशहूर संगीतकार,निर्देशक और अभिनेता देश को मिले हैं। अब इस घराने से एक और अभिनेत्री दर्शकों के दिल में जगह बनाने आ रही हैं। पश्मीना रोशन जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इस बीच उन्होंने रोशन परिवार की विरासत को लेकर बात की है।

इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू करने वाली हैं पश्मीना

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना जल्द ही इश्क विश्क रिबाउंड से बतौर अभिनेत्री डेब्यू करने वाली हैं। इस वक्त पूरा रोशन परिवार उन पर गर्व महसूस कर रहा है। रोशन परिवार को विश्वास है कि पश्मीना इस परिवार की शाख को और बढ़ाएंगी। अब अभिनेत्री ने लोगों को उनसे जो उम्मीदें हैं, उसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और साथ ही इस परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर की है।

खुद पर गर्व करने लायक काम करना चाहती हैं पश्मीना

पश्मीना ऋतिक रोशन के चाचा और मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि ऋतिक रोशन जैसी डेब्यू के करीब पहुंचना भी काफी मुश्किल है। पारिवारिक विरासत पर उन्होंने कहा कि ऋतिक अपने मूल्यों के लिए खड़े हैं और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में उन्हें भी यह उम्मीद है कि वह भी ऐसा कर पाएंगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह ऐसा काम करना चाहती हैं, जिसकी वजह से वह खुद पर गर्व कर सकें।

21 जून को रिलीज होगी इश्क विश्क रिबाउंड

बताते चलें कि इश्क विश्क रिबाउंड आज के समय की एक प्रेम कहानी होगी। इसमें पश्मीना रोशन, रोहित सर्राफ, और जिब्रान मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल में ही फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद ऋतिक रोशन और उनकी प्रेमिका सबा आजाद ने भी फिल्म को लेकर उत्साह जताया है। फिल्म को टिप्स फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। वहीं, फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी और जया तौरानी ने किया है। इश्क विश्क रिबाउंड 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिग बॉस होस्ट करने से पहले अनिल कपूर ने शुरू की सूबेदार की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों रियलिटी स्ट्रीमिंग शो बिग बॉस ओटीटी को होस्ट करने को लेकर चर्चाओं में हैं। सलमान खान के बिजी होने के चलते अनिल कपूर को बिग बॉस ओटीटी 3 का होस्ट चुना गया है। इससे पहले अनिल कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म सूबेदार की शूटिंग शुरू कर दी है। अनिल कपूर ने सोमवार को फिल्म सूबेदार से अपनी तैयारी की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह एक शख्स का गला पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं। यह एक फाइट ट्रेनिंग सेशन है। इससे पहले अमेजन प्राइम ने अनिल कपूर का फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें एक्टर हाथ में बंदूक लिए बैठे नजर आए थे। यह फिल्म अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। फिल्म की कहानी त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है।

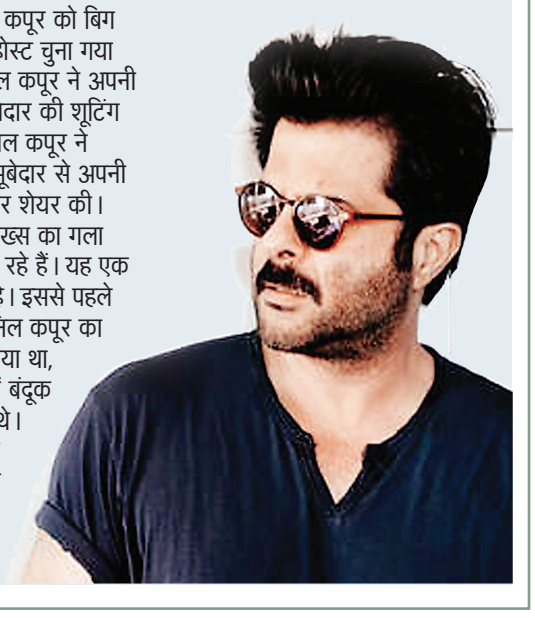

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री ग्रामीण बाजार में 5 साल में 4 गुना बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2024 में ग्रामीण इलाकों में जोरदार बिक्री की है। ग्रामीण इलाकों की बिक्री ने कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री में 40 फीसदी का योगदान दिया है। टाटा मोटर्स की कारों और एसयूवी की नई फॉरएवर रेंज की लोकप्रियता ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच काफी बढ़ी है। इस रेंज में पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या 70 फीसदी है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल पहुंच में विस्तार और खरीदारी की बढ़ती शक्ति के साथ ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच का अंतर कम हो रहा है। टाटा मोटर्स की कारों और एसयूवी की नई फॉरएवर रेंज ने ग्रामीण उपभोक्ताओं को विशेष रूप से आकर्षित किया है। यह रेंज भविष्य की डिजाइन, शानदार प्रदर्शन और उन्नत तकनीक और सेफ्टी फीचर्स की एक सीरीज के साथ आती है। ग्रामीण भारत में टाटा मोटर्स की सफलता इसके खास तरह के वाहनों और ग्रामीण उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों की गहरी समझ से प्रेरित है। ग्रामीण बाजारों की व्यापक क्षमता और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का फायदा उठाकर टाटा मोटर्स अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है।

टाटा प्ले ने हिंदी, तमिल, और मलयालम में मूल्यवर्धित सेवा एनीमे लोकल पेश की

मुंबई एजेंसी। टाटा प्ले की सेवाओं में एक नई पेशकश एनीमे लोकल शामिल हुई है। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा भारत में दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ जापानी एनीमेशन देखने को मिलेगा। यह विज्ञापन रहित सेवा टाटा प्ले के सभी दर्शकों को तीन अलग-अलग भाषाओं - हिंदी, तमिल और मलयालम में उपलब्ध होगी। गतिशील रहते हुए भी आसानी से देखने के लिए यह सेवा टाटा प्ले मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध होगी। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा दर्शक केवल 2 रुपये प्रति दिन के शुल्क में रोमांचक और हृदयस्पर्शी एनिमेटेड कहानियाँ देख सकेंगे। इस सेवा द्वारा नारुतो, सर्जेंट केरोरो, निन्जाबॉय रेंटारो, नारुतो शिपूडेन, ब्लैक क्लोवर, रोबोटन जैसे कई लोकप्रिय एनिमेटेड शो हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में दिखाए जाएंगे।

नेटफ्लिक्स ने घोषित किया द ग्रेट इंडियन कपिल शो का सीजन 2

मुंबई एजेंसी। नेटफ्लिक्स द्वारा द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीज़न की घोषना को सेलिब्रेट करने के लिए तैयार हो जाइए। पहले सीज़न को दर्शकों से मिले बहुत प्यार और ज़बरदस्त कामयाबी के चलते, इसे दूसरे सीज़न के लिये रिन्यू किये जाने से यह साबित होता है कि नेटफ्लिक्स अपने दर्शकों को अनोखे और क्वालिटी प्रोग्राम लाने के लिए कमिटेड है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मौजूदा सीज़न में सुपरस्टार आमिर खान, अभिनेता रणबीर कपूर और उनका परिवार, क्रिकेट हीरो रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर, अंतर्राष्ट्रीय पॉप आइकन एड शीरन और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के बहुत सारे नामी गिरामी सितारे शामिल हुए। होने वाले फिनाले के साथ साथ, शो ने हर हफ़्ते दर्शकों को मस्ती और मनोरंजन से जोड़े रखा और शो में आये सेलिब्रिटी मेहमानों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया! लॉन्च के बाद से भारत में नेटफ्लिक्स के टॉप दो शो में शामिल द ग्रेट इंडियन कपिल शो पांच हफ्तों तक ग्लोबल टॉप 10 नॉन-इंग्लिश टीवी लिस्ट में रहने वाली पहली भारतीय सीरीज़ है। सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर ने हफ़्ते दर हफ़्ते शानदार प्रदर्शन किया, कपिल शर्मा ने एक के बाद एक धमाकेदार पंच दिए और अर्चना पूरन सिंह बड़ी शान से अपनी पसंदीदा कुर्सी पर जमी रहीं। इस सीरीज़ ने दर्शकों को पूरी तरह बाँधे रखा और इस तरह ये एक बेहतरीन हिट शो साबित हुआ।

भारत में लॉन्च हुई नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस

▶▶अभी तक का सबसे शक्तिशाली बीएमडब्ल्यू बॉक्सर इंजन। ▶▶पिछले मॉडल की तुलना में प्रभावशाली 12 द्यद भार बचत के साथ पूरी तरह नई डिजाइन

मुंबई एजेंसी। नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस को भारत में लॉन्च किया गया है। बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया ने भारत में नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस लॉन्च किया है। यह ऐडवेन्चर मोटरसाइकिल कम्प्लीटली बिल्ट-अप यूनिट के रूप में मिलेगी और जून 2024 से इसकी डिलिवरी आरंभ होगी। श्री विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने चार दशक से भी ज्यादा पहले आर 80 जी/एस के साथ टुअरिंग एंड्युरोज का नया सेगमेंट स्थापित किया था। और तब से लेकर बॉक्सर इंजन वाली बीएमडब्ल्यू जीएस प्रतिस्पर्धी फील्ड का निर्विवाद लीडर रही है। नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस के साथ बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने जीएस को और भी तेज बनाने पर फोकस किया है। यह शक्ति, आराम और फुर्ती का खूबसूरत संयोजन है, जो इसे किसी भी भू-भाग के लिए आदर्श मोटरसाइकिल बनाता है। अपनी विलक्षणता और आकर्षण के साथ ऑल-न्यू बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस सर्वोच्च अपेक्षाओं से भी आगे निकलेगी। आपको कुछ भी रोक नहीं सकता, विशेषकर ऑन-रोड होने पर!

ग्राहकों को अपनी पसंद की बीएमडब्ल्यू मोटोराड मोटरसाइकिल खरीदने में सक्षम बनाने के लिए बीएमडब्ल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया कस्टमाइज्ड और लचीले फाइनेंशियल सॉलूशंस प्रदान करेगी। ग्राहक डिलिवरी होने के पहले भी अपने लोन्स स्वीकृत करा सकते हैं। मन की पूरी शांति के लिए सभी बीएमडब्ल्यू मोटोराड बाइक्स 'तीन साल और असीमित किलोमीटर्स' के लिए स्टैण्डर्ड वारंटी के साथ आती हैं, जिसमें वारंटी को चौथे और पांचवें वर्ष तक विस्तारित करने का विकल्प उपलब्ध है। साथ ही रोड-साइड असिस्टेन्स, जो एक 24×7 365 दिन पैकेज है, ब्रेकडाउन और टोईंग की स्थितियों में त्वरित सेवायें सुनिश्चित करता है।

फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड की पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ जुटाने की योजना

मुंबई । पेट्रोलियम रिफाइनरियों, हाउसिंग एस्टेट, परमाणु ऊर्जा, कंस्ट्रक्शन आदि क्षेत्रों में ग्राहकों को मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता वाली मुंबई स्थित फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 19 जून को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 21 जून को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने सहित कंपनी की विस्तार योजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। केफिन टेक्नोलोजीस लिमिटेड इस इश्यू की लीड मैनेजर है।

रु. 13.59 करोड के आइपीओ में प्रति शेयर रु. 92 की कीमत पर प्रति रु. 10 की फेस वेल्यु के 14.88 लाख इक्विटी शेयर का फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 13.69 करोड़ के नए इश्यू में से, कंपनी रु. 10.27 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए और रु. 2.81 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1200 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1,10,400 के निवेश के बराबर है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा शुद्ध ऑफर का 50 प्रतिशत रखा गया है। प्रमोटर होल्डिंग प्री इश्यू 84.20 प्रतिशत है। 2014 में स्थापित फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड भारत भर में अपने ग्राहकों को मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सेवाएं प्रदान करती है और पेट्रोलियम रिफाइनरियों, हाउसिंग एस्टेट, परमाणु ऊर्जा, कंस्ट्रक्शन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम करती है।

श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने लॉन्च किए 5 नए क्रॉप प्रोटेक्शन एवं स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स

इंदौर। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने फसलों की सुरक्षा एवं उन्हें पोषण प्रदान करने वाले 5 नए क्रॉप प्रोटेक्शन एवं स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं। लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित होटल सायाजी में किया गया था, जहां क्षेत्र के मुख्य चैनल पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। इतना ही नहीं, 200 से अधिक वितरकों और 5000 से अधिक दर्शकों ने भी लाईव टेलीकास्ट के ज़रिए ऑनलाईन हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्रीराम सुपर व्हीट सीड गेंहुत्सव योजना के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी हुआ, जहां मध्य भारत से 188 विजेताओं को सम्मानित किया गया। खरपतवार प्रबन्धन एवं मैनुअल संचालन के कारण बढ़ी लागत से संबंधित चुनौतियों को हल करने के लिए श्रीराम फार्म सोल्युशन्स लेकर आए हैं अर्ली पोस्ट-एमर्जेन्ट सलेक्टिव हर्बीसाईड (शाकनाशी) श्रीराम बिकुटा जो कपास की फसल में चौड़ी पत्ती और संकरी पत्ती वाले- दोनों तरह के खर पतवार को नष्ट कर देता है। यह आधुनिक प्रोडक्ट दो बेहद प्रभावी, सक्रिय अवयवों और एक एमई फॉर्मूला से बनाया गया है, जो किसानों को किफ़ायती समाधान उपलब्ध कराता है। अपने इन्सेक्टिसाईड यानि कीटनाशक पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने के लिए कंपनी ग्लोबल इनोवेटर्स के सहयोग से श्रीराम साईशो, श्रीराम क्रोन और श्रीराम ट्रेक्सटर लेकर आई है।

श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड फेलिक्स इंडस्ट्रीज़ के साथ रिन्यूएबल एनर्जी और क्लीन वॉटर प्रोजेक्ट्स में 250 मिलियन रुपये इन्वेस्ट करेगी

नई दिल्ली । फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में लीडिंग श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड और फेलिक्स इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक फैसिलिटी एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करके हाथ मिलाया है। उक्त एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने से श्रेष्ठा के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट के उद्देश्य से रिन्यूएबल एनर्जी और क्लीन वॉटर से जुड़ी परियोजनाओं में ऋण देने की राह आसान हो गई है। कंपनी ने आगे कहा कि, अपनी ताकत और संसाधनों को मिलाकर, हमारा लक्ष्य विभिन्न प्रकार की रिन्यूएबल एनर्जी और पानी से जुड़ी परियोजनाओं को मज़बूत फाइनेंशियल सपोर्ट देना, सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना और ग्रीन एनवायरनमेंट और सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाना है।

हायर इंडिया ने फ़ीनिक्स के साथ अपनी डायरेक्ट कूल रेंज का किया विस्तार

रेफ्रीजरेटर की आधुनिक डिज़ाइन से युक्त प्रीमियम ग्लास डोर सीरीज़

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज़ ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज़ फ़ीनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्यापक रेंज लाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज़ स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर 185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं और सभी रीटेल चैनलों पर उपलब्ध होंगे। नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर स्टाइल और फंक्शनेलिटी का बेहतरीन संयोजन हैं, जो आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों पर खरे उतरेंगे। फ़ीनिक्स रेफ्रीजरेटर आसान स्टोरेज के लिए बेस ड्रॉअर, प्रभावी कूलिंग के लिए डायमण्ड ऐज फ्रीजिंग टेक्नोलॉजी (डीईएफटी) के साथ आते हैं। साथ ही अपने स्टेबिलाइज़र-फ्री संचालन के साथ, यहां तक कि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव होने पर भी, बिना रूकावट के बेहतरीन परफोर्मेन्स देते हैं। इस लॉन्च पर बात करते हुए श्री एनएस सतीश, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया ने कहा, ''पिछले सालों के दौरान हमने खासतौर पर अपनी डायरेक्ट कूल सिंगल डोर पेशकश में रेफ्रीजरेटर्स की व्यापक रेंज लेकर आए हैं ।

ड्यूरलैक्स टॉप सरफेस लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई एजेंसी। सॉलिड सरफेस मैटेरियल्स के निर्माण में सुविज्ञता रखने वाली, ड्यूरलैक्स टॉप सरफेस लिमिटेड ने 19 जून 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर बैंड पर 40.80 करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.

फ्रेश इश्यू साइज 10 प्रत्येक के 42,00,000 इक्विटी शेयर्स और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस)18,00,000 इक्विटी शेयर्स हैं. आईपीओ की शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 18 जून, 2024 को खुलेगी और अन्य सभी श्रेणियां के अभिदान के लिए इश्यू 19 जून, 2024 को खुलेगा और 21 जून, 2024 को बंद होगा. ड्यूरलैक्स टॉप सरफेस लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री श्रवण सुथार ने कहा, हमारा आईपीओ लॉन्च करने का हमारा निर्णय ड्यूरलैक्स टॉप सर्फेस लिमिटेड के लिए एक महत्वपूर्ण पल को दर्शाता है. यह कदम हमारे ऑपरेशंस का विस्तार करने और हमारे प्रीमियम सॉलिड सर्फेस मटेरियल्स की बढ़ती मांग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से चालित है.।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड (कंपनी या जीबीएल) ने बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी भारत में इथेनॉल आधारित रसायनों के प्रमुख निर्माताओं में से एक है।

31 मार्च, 2024 तक, कंपनी के पास स्थापित क्षमता के मामले में भारत में सबसे बड़ी एकीकृत बायो-रिफाइनरी है और स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया भर में एमपीओ (3 मिथाइल-3 पेंटेन-2-वन) की सबसे बड़ी निर्माता भी है, प्राकृतिक 1,3 ब्यूटिलीन ग्लाइकॉल के केवल दो निर्माताओं में से एक है और फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बायो एथिल एसीटेट का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। कंपनी 10 अंकित मूल्य वाली इक्विटी शेयर पूंजी के माध्यम से फंड जुटाने की योजना बना रही है। कुल इशू में 3,250 मिलियन [325 करोड़] तक के इक्विटी शेयर का फ्रेश इशू शामिल है (फ्रेश इशू) और 6,526,983 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) [टोटल ऑफर साइज़] भी शामिल है। कंपनी ने फ्रेश इशू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित की फंडिंग के लिए करने की योजना बनाई है ।

विक्स ने ब्रांड एंबेसडर रनवीर सिंह के साथ "विक्स की गोली अब हो गई बड़ी" की घोषणा की

मुंबई एजेंसी। विक्स ने पॉवरहाउस ब्रांड एंबेसडर रनवीर सिंह के साथ आज विक्स की सबसे बड़ी खबर, ''विक्स की गोली अब हो गई बड़ी'' की घोषणा की, जिसमें लगभग दो दशकों में भारत के प्रतिष्ठित त्रिकोणीय विक्स कफ ड्रॉप्स के 'डबल पॉवर्ड परिवर्तन' का अनावरण किया गया। पीएंडजी इंडिया में कैटेगरी लीडर, कंज्यूमर हैल्थकेयर, साहिल सेठी ने कहा, ''ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल, 'विक्स की गोली लो, खिच खिच दूर करो' फौरन उस पुराने समय की यादों में ले जाती है, जब विक्स कफ ड्रॉप्स ने सन 1960 से भारतीयों की कई पीढ़ियों को बिना खिच-खिच के बोलने में मदद की थी। हमारे ग्राहक क्या चाहते हैं, यह समझकर और उनके द्वारा दी गई जानकारी को अपने उत्पाद के फॉर्मुलेशन और पैकेजिंग में शामिल करके इस विरासत को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता के साथ हम दशकों में सबसे बड़ी खबर पेश करने के लिए उत्साहित हैं कि हम अपनी प्रतिष्ठित त्रिकोणीय विक्स कफ ड्रॉप्स का पहला डबल पॉवर्ड परिवर्तन, विक्स डबल पॉवर कफ ड्रॉप्स लेकर आए हैं। खाँसी और गले की खराश से राहत पाने के लिए बड़े आकार में अपनी पसंदीदा कफ ड्रॉप लेने की ग्राहकों की जरूरत और उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर बनाई गई हमारी 'विक्स डबल पॉवर कफ ड्रॉप्स' एक बड़ी गोली है, जो बड़ी राहत प्रदान करती है। अब विक्स की गोली खाओ, बड़ी राहत पाओ।

फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई एजेंसी। फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड ने 19 जून, 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 92 प्रति शेयर प्राइस पर 13.69 करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. इश्यू 21 जून, 2024 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर कुंवरजी फिन स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार केफिन टेक्नोलॉजिस लिमिटेड है. फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री भरत श्रीकृष्ण परिहार ने कहा, हमारे आईपीओ की लॉन्चिंग फाल्कन के लिए आगे की दिशा मे एक महत्वपूर्ण छलांग को दर्शाती है.

वित्त वर्ष 2025 में अब तक एडवांस टैक्स कलेक्शन 28 प्रतिशत बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपए पर रहा: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025 के 16 जून तक एडवांस टैक्स कलेक्शन पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 28 फीसदी बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपए हो गया है। 1 अप्रैल से 16 जून के बीच की अवधि में कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 1.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पर्सनल टैक्स कलेक्शन 3.79 लाख करोड़ रुपए रहा। इस अवधि के दौरान कुल 5.15 लाख करोड़ रुपए टैक्स कलेक्ट हुआ है। इस अवधि में कुल टैक्स कलेक्शन में पिछले वर्ष की तुलना में 22.89 फीसदी की मजबूत बढ़त हुई है। एक चैनल ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

एडवांस टैक्स क्या है

एडवांस टैक्स वह टैक्स है जिसे आप वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले, उसी वर्ष अर्जित आय पर चुकाते हैं। इसके तहत आपको वर्ष के अंत में एक बार में पूरी राशि का भुगतान करने के बजाय, किश्तों में भुगतान करना होता है। ये किश्तें 15 जून, 15 सितंबर, 15 दिसंबर और 15 मार्च तक जमा की जा सकती हैं। वेतनभोगी व्यक्तियों के मामले में उनकी कंपनी महीने के अंत में उनके वेतन जमा करने से पहले टैक्स काट लेती है। हालांकि, करदाता के पास आय के अन्य स्रोत भी होने की संभावना हो सकती है जिसमें जमा राशि से मिलने वाला ब्याज, शेयरों और म्यूचुअल फंड की बिक्री पर प्राप्त कैपिटल गेन आदि। ऐसे में एडवांस टैक्स देयता की गणना में इन स्रोतों से होने वाली आय को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किश्तों में एडवांस टैक्स का भुगतान

आपको 15 जून को अपनी अनुमानित अग्रिम कर देयता का 15 फीसदी भुगतान करना होगा। 15 सितंबर तक, आपको देय राशि का 45 फीसदी और 15 दिसंबर तक देय राशि का 75 फीसदी और 15 मार्च तक शेष राशि का 100 फीसदी भुगतान करना होता है। हालांकि, ऐसे स्व-रोजगार वाले व्यवसायियों और प्रोफेशनल्स के लिए नियम थोड़े अलग हैं जिन्होंने प्रिजम्पटिव टैक्सेशन स्कीम का विकल्प चुना है। हालांकि उन्हें भी अग्रिम कर का भुगतान करना होता है लेकिन उनको कुछ रियायतों मिलती हैं। वे वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में 15 मार्च तक एक बार में भुगतान कर सकते हैं। यह रियायत इसलिए बढ़ाई गई है क्योंकि छोटे व्यवसायियों को वित्तीय वर्ष की शुरुआत में अपनी अग्रिम कर देयता का अनुमान लगाना मुश्किल हो सकता है।

महिंद्रा ने मध्यप्रदेश में लॉन्च किया अपना क्रांतिकारी 6आरओ पैडी वॉकर ट्रांसप्लांटर

मुंबई । महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस), जो महिंद्रा समूह की इकाई है, और दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी है, ने मध्यप्रदेश में महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर नामक एक नया 6 रो धान ट्रांसप्लांटर लॉन्च किया है। मध्यप्रदेश में 4आरओ वॉक बिहाइंड ट्रांसप्लांटर (एमपी461) और 4आरओ राइड-ऑन (प्लांटिंग मास्टर पैडी 4आरओ) की सफल शुरुआत के बाद, नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर चावल की रोपाई तकनीक के क्षेत्र में महिंद्रा की मौजूदगी को और बढ़ाएगा, जहाँ कंपनी पहले से ही बाजार में अग्रणी है। धान एक प्रमुख फसल है और मध्यप्रदेश अपने विश्व स्तरीय चावल के लिए प्रसिद्ध हैं। यह प्रदेश चावल मशीनीकरण तकनीकों को अपनाने वाला पहला राज्य है, जहाँ राज्य के कई हिस्सों में उच्च गुणवत्ता वाला चावल उगाया जाता है। नया समाधान जल संरक्षण को संभव बनाता है। साथ ही पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और इसके इस्तेमाल से अन्य श्रम-गहन तकनीकों की तुलना में कम श्रम लागत आती है। दूसरी तरफ यह चावल की खेती से संबंधित समग्र लाभप्रदता में भी सुधार करता है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने क्यूआईबी प्लेसमेंट शुरू किया

कंपनी ने 48.30 रुपये प्रति शेयर फ्लोर प्राइस के रूप में सेट किए

हैदराबाद, एजेंसी। एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने इस इश्यू के संबंध में ऐप्लिकेशन फॉर्म के साथ 12 जून, 2024 के प्रारंभिक प्लेसमेंट डाक्यूमेंट्र को अप्रूव करके मंजूरी दी और 12 जून, 2024 को इश्यू की ओपनिंग करके इसे ऑथराइज्ड किया है। इसके अलावा, कंपनी ने सेबी आईसीडीआर रेगुलेशंस के रेगुलेशन 176 के तहत निर्धारित मूल्य प्राइसिंग फार्मूले के आधार पर इश्यू की न्यूनतम कीमत 48.30/- रुपये प्रति इक्विटी शेयर होने को मंजूरी दी।

हाल ही में कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे फिरोजपुर डिवीज़न के प्रमुख और महत्वपूर्ण स्टेशंस पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड के प्रोविजन के लिए उत्तरी रेलवे जोन के फिरोजपुर डिवीज़न से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। उक्त कार्य आदेश का कुल मूल्य 3,04,95,149.54/- रुपये है। इसके अलावा, कंपनी को हापा स्टेशन पर डीडब्ल्यूके पीएफ -1 सीजीडीबी और आईपीआईएस सिस्टम के काम को पूरा करने के लिए पश्चिमी रेलवे क्षेत्र के राजकोट डिवीज़न से लेटर ऑफ कंप्लीशन (समापन पत्र)/ इंस्टॉलेशन सर्टिफिकेट (स्थापना प्रमाण पत्र) प्राप्त हुआ है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने एक सहायक कंपनी यानी मेसर्स एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी, को शामिल किया, संयुक्त अरब अमीरात, दुबई में एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में एक ग्लोबल लीडर है।

संक्षिप्त समाचार

टी-वर्ल्ड कप 24

फ्लेमिंग बोले- सुपर 8 में भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं कुलदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है। फ्लेमिंग ने कहा, 'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं।% उन्होंने कहा, 'उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से चूक जाओ। भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है। इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय से कोच रहे फ्लेमिंग को एक ही विधा के दो खिलाड़ियों को टीम में रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद मत करो- हरभजन ने गैरी कर्स्टन को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोमवार को गैरी कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी20 विश्व कप में निराशाजनक अभियान के दौरान एक-दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की और कहा कि उन्होंने किसी टीम में ऐसा विषाक्त माहौल कभी नहीं देखा। कर्स्टन ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट से ठीक पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच का कार्यभार संभाला था लेकिन वे निराश हो गए क्योंकि टीम अमेरिका और भारत से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई।

अब शुरू हुआ न असली वर्ल्ड कप...

- बरसते रहे छक्के, रिकॉर्ड तोड़ मैच, निकोलस पूरन का दिखा रौद्र रूप
- वेस्टइंडीज की 104 रन की धमाकेदार जीत
- पावरप्ले में टीम ने बनाए रिकॉर्ड 92 रन

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया) (एजेंसी)। टी-20 का मतलब होता है फटाफट क्रिकेट। छक्के-चौके की बरसात। रनों का अंबार। स्कोर अनलिमिटेड। लेकिन यूएस-वेस्टइंडीज में जारी टी-20 वर्ल्ड कप का मौजूदा सीजन फीका-फीका सा लग रहा था। ऐसी पिच पर मैच हो रहे थे, जहां रन ही नहीं बन रहे थे। 120 रन का टारगेट चेज करने में भी बल्लेबाजों के पसीने छूट जा रहे थे। लो स्कोरिंग थ्रिलर देखने को मिल रहा था, लेकिन मंगलवार की सुबह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच एक ऐसा मुकाबला हुआ, जिसने फैंस को खुश होने का मौका दे दिया। क्रिकेट लवर्स की माने तो असली टी-20 वर्ल्ड कप तो आज से शुरू हुआ है।

निकोलस पूरन के 98 रन – दरअसल, निकोलस पूरन ने लंबे-लंबे छक्के जड़ने की अपनी काबिलियत दिखाते हुए 53 गेंद पर 98 रन ठोक दिए, जिसके बूते वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 218 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसी के साथ कैरेबियाई टीम ने डैरेन सैमी स्टेडियम में मौजूदा टी-20 विश्व कप का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया।

कैरेबियन पावर ने किया फायर – वैसे तो दोनों टीम पहले ही सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज के लिए पूरन के अलावा वेस्टइंडीज की तरफ से पूरन के अलावा ओपनर जॉनसन चार्ल्स (43), शाई होप (25) और रोवमैन पॉवेल (26) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन, अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

रिकॉर्ड्स की बौछार – निकोलस पूरन ने छह चौके और आठ छक्के वाली अपनी पारी के दौरान अजमतुल्लाह ओमरजई के एक ओवर में तीन सिक्स और एक चौका लगाया। इस ओवर में कुल 36 रन बने, जिसमें 5 नोबॉल, 5 वाइड और चार लेगबाई भी शामिल हैं। इस तरह से यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे महंगे ओवरों में शामिल हो गया। वेस्टइंडीज ने पावर प्ले में एक विकेट पर 92 रन बनाए जो पुरुष टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन रन आउट होने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

टी20 विश्व कप सुपर 8 मैचों से पहले बोले रोहित शर्मा

थोड़ा व्यस्त कार्यक्रम लेकिन हम तैयार

ब्रिजटाउन (बारबडोस) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप का सुपर आठ चरण 'थोड़ा व्यस्त' होने वाला है लेकिन उनके खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उनमें 'कुछ खास' करने को लेकर 'वास्तविक उत्सुकता' है। भारत अपने सुपर आठ अभियान की शुरुआत 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद बांग्लादेश (22 जून को एंटीगा) और ऑस्ट्रेलिया (24 जून को सेंट लूसिया) के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में रोहित ने कहा, 'पहला मैच खेलने के बाद हम अगले दो मैच तीन या चार दिन के अंतराल में खेलेंगे। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'यह थोड़ा व्यस्त होने वाला है लेकिन हम इन सभी चीजों के आदी हो चुके हैं। हम बहुत यात्रा करते हैं और बहुत खेलते हैं इसलिए यह कभी बहाना नहीं बनने वाला।

भारतीय टीम ने सोमवार को लंबे अभ्यास

सत्र में हिस्सा लिया जिसमें विराट कोहली और रोहित जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने सामान्य से अधिक समय नेट पर बिताया। रोहित ने कहा, 'टीम में कुछ खास करने को लेकर बहुत उत्सुकता है। यह दूसरे चरण की शुरुआत करने का एक अच्छा तरीका है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि हर कोई अंतर पैदा करना चाहता है और हम अपने कौशल सत्रों को काफी गंभीरता से लेते हैं।

उन्होंने कहा, 'हर कौशल सत्र में हासिल करने के लिए कुछ होता है। आयोजकों द्वारा इस्तेमाल की गई ड्रॉप इन पिचों (दूसरे स्थान पर तैयार करके लाई गई पिच) के कारण भारतीय टीम को अमेरिकी चरण के दौरान प्रतिकूल बल्लेबाजी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। रोहित ने कहा कि कैरेबियाई चरण अपने साथ परिस्थितियों से पहचान की भावना लेकर आता है और उनकी टीम इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेगी।

उन्होंने कहा, 'हमने यहां बहुत सारे मैच देखे हैं, हमने यहां बहुत सारे मैच खेले हैं। इसलिए हर कोई समझता है कि परिणाम को अपने पक्ष में करने के लिए क्या करना है। भारतीय टीम ने लीग चरण में आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया जबकि कनाडा के खिलाफ उनका अंतिम ग्रुप मैच फ्लोरिडा में गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ की ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत

बर्लिन (एजेंसी)। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था। वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्स्काया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

राजनीति से ब्रेक के बाद पहली बार अमित शाह से मिले गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के लिए इंटरव्यू होना है तो दूसरी ओर भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। गंभीर 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पूर्वी दिल्ली से सांसद बने थे। उन्होंने अपने क्रिकेट कोचिंग करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सक्रिय राजनीति से ब्रेक ले लिया है। इस फैसले के बाद इस तरह की पहली मीटिंग है। इस मीटिंग के बाद कुछ बड़ा होने का कयास लगाया जा रहा है।

गंभीर ने 'एक्स' पर शाह के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हाल की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। गृह मंत्री के रूप में उनका नेतृत्व हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता को और मजबूत करेगा।' बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मेंटोर (मार्गदर्शन) के रूप में गौतम गंभीर की खूब तारीफ हुई है। जब से केकेआर चैंपियन बनी है तब से उन्हें टीम इंडिया का हेड कोच बनाने की मांग की जा रही है।

गंभीर टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ की जगह लेने के मजबूत दावेदार हैं। द्रविड़ ने पुष्टि की है कि वह मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम के कोच का पद छोड़ देंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने संभावित नई नियुक्ति पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वह चाहते हैं कि कोई देसी कोच ही बने, जो टीम इंडिया के माहौल और प्लेयर्स से परिचित हो। यह पता चला है कि अशोक मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने अभी तक किसी भी इच्छुक उम्मीदवार का साक्षात्कार नहीं लिया है। बीसीसीआई से जुड़े लोगों का मानना है कि गंभीर की नियुक्ति महज एक औपचारिकता है क्योंकि दिल्ली के इस खिलाड़ी को टक्कर देने के लिए कोई उपयुक्त भारतीय उम्मीदवार मौजूद नहीं है। गंभीर की देख-रेख में जब केकेआर आईपीएल चैंपियन बना, तो उन्हें भारतीय टीम का कोच बनाने की मांग और बढ़ गई। गंभीर ने हाल ही में दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय टीम का कोच बनने की इच्छा जताई थी।

आज दक्षिण अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी।

भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही। इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया। यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है। उन्होंने फरवरी 2022 के बाद वनडे में सात अर्धशतक और दो शतक लगाए हैं। भारतीय टीम को उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी। उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो अगर उसे श्रृंखला जीवंत रखती है तो उसके बल्लेबाजों को भारतीय स्पिनरों का डटकर सामना करना होगा। पिछले मैच में भारतीय स्पिनरों आशा, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने मिलकर सात विकेट लिए थे।

टीम इस प्रकार हैं

भारत – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

दक्षिण अफ्रीका – लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर।

समय– दोपहर 1.30 बजे।

टी-20 वर्ल्ड कप में मैच फिक्स की कोशिश, इस टीम के खिलाड़ी को बार-बार आए फोन

न्यूयार्त (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लीग मैच खत्म हो चुके हैं और अब फैंस सुपर 8 के मुकाबले देखने के लिए बेताब हैं जो बुधवार (19 जून) से शुरू होने जा रहे हैं। इसमें भारतीय टीम का पहला मैच अफगानिस्तान से होगा। हालांकि, इससे पहले चौंका देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ल्ड कप के लीग स्टेज के दौरान एक खिलाड़ी को बार-बार फोन किए गए और उसके द्वारा मैच फिक्सिंग की कोशिश की गई थी। यह खिलाड़ी युगांडा टीम का है, जिसके साथ कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई।

फिक्सिंग का साया पड़ना कोई बड़ी बात नहीं है। आईपीएल में भी कई खिलाड़ी इसके जाल में फंस चुके हैं और अपना करियर खराब कर चुके हैं। हालांकि, अच्छी बात ये रही कि खिलाड़ी ने तुरंत इसकी सूचना आईसीसी को दे दी। पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप मैचों के दौरान युगांडा के एक खिलाड़ी से मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किया गया था। केन्या के एक खिलाड़ी ने उन्हें मैच फिक्सिंग के लिए अलग-अलग नंबरों से कॉल किया था। अहम बात यह है कि

युगांडा के खिलाड़ी ने इसकी शिकायत आईसीसी से की थी। आईसीसी ने मैच फिक्सिंग से जुड़े अपराधों को लेकर कई सख्त नियम बनाए हैं. इसके लिए एक एंटी करप्शन प्रोटोकॉल भी बनाया गया है। आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि युगांडा के खिलाड़ी से मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किया गया था। बड़ी टीमों की तुलना में मित्र राष्ट्रों के खिलाड़ियों से जुड़ना आसान है।÷ युगांडा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 4 मैच खेले। इनमें से उन्होंने एक मैच जीता और 3 मैच हारे। युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया। टीम को अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार मिली। इस तरह युगांडा की टीम लीग स्टेज से ही बाहर हो गई।

बता दें कि क्रिकेट में मैच फिक्सिंग का एक लंबा इतिहास रहा है। अब आईसीसी इसे लेकर सख्त हो गई है। कुछ खिलाड़ियों पर मैच फिक्सिंग के आरोप में बैन भी लगाया गया है. पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक पर मैच फिक्सिंग के आरोप में प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके अलावा इस मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और अजय जड़ेजा का नाम भी सामने आया था।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व पीएम थकसिन पर चलेगा शाही परिवार को बदनाम करने का केस, 2006 में तख्तापलट से हुए थे बाहर

बैंकाक, एजेंसी। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिवनात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में मंगलवार को औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया है। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता प्रयुथ बेजरागुना ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि थकसिन ने सुबह नौ बजे से कुछ मिनट पहले अभियोजकों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अभियोग प्रक्रिया पूरी की गई। माना जा रहा है कि थकसिन एक कार में सवार होकर बैंकॉक के अपराध न्यायालय पहुंचे। हालांकि, थकसिन शिवनात्रा ने इस दौरान संवाददाताओं से नहीं मिले और ये भी स्पष्ट नहीं है कि वो न्यायालय गए थे या पास के अभियोजक कार्यालय में गए। उनके वकील विन्यात चैतमोंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि थकसिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने जमानत पर रिहाई के लिए अर्जी भी तैयार कर ली है। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। फिलहाल थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इस कानून का इस्तेमाल काफी बढ़ रहा है।

अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में घर में आग लगने से छह लोगों की मौत, पांच घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में सोमवार सुबह एक घर में आग लग गई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हादसे में तीन बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों की उम्र 6 से 74 वर्ष के बीच थी। सभी पांच घायलों को प्रांतीय राजधानी अटलांटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कुछ गंभीर हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे अटलांटा के दक्षिण-पश्चिम में कोवेटा काउंटी में अग्निशमन दल को घटनास्थल पर भेजा गया। आग लगने के समय घर के अंदर 11 लोग थे।

उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 10 दिन में दूसरी बार की सीमा पार की कोशिश, दक्षिण कोरिया की तरफ से हुई गोलीबारी

सियोल, एजेंसी। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के सैनिकों की तरफ से सीमा पार करने पर चेतावनी देते हुए फायरिंग की है। योनहाप समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा के पास भारी सुरक्षा वाली सैन्य सीमांकन रेखा का उल्लंघन किया गया। जिसके बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी गई। जानकारी के मुताबिक दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों ने आज सैन्य सीमांकन रेखा पार की और जब दक्षिण कोरिया ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई तो पीछे गट गए। 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिक ने पार की रेखा दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार सुबह लगभग 8:30 बजे करीब 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा को पार किया। ये घटना इस महीने की दूसरी घटना है, जब उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पार किया। आज की घटना के दौरान दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने पहले चेतावनी दी फिर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई। जिसके बाद उत्तर कोरियाई सैनिक पीछे हटने पर मजबूर हुए। हालांकि इसके बाद मौके पर कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी गई। बता दें कि सैन्य सीमांकन रेखा दोनों देशों को विभाजित करती है। पहले भी हुई थी सीमा पार की कोशिश पिछले 10 दिनों में दूसरी घटना है जब उत्तर कोरिया के सैनिकों ने सीमा पार करने कोशिश की है। इससे पहले करीब 7 दिन पहले भी उत्तर कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्रलाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। जिसके बाद वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की थी। इस दौरान नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस लौट गए थे। जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया के सैनिक दक्षिण कोरिया की सीमा के 50 मीटर अंदर तक आ गए थे। क्या मामले में बढ़ सकता है विवाद? दोनों देशों के बीच अक्सर हिंसक झड़प होती रहती हैं। दोनों देशों के आपस में बढ़ते तनाव के बीच ये दूसरी घटना है। जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि ये मामला तूल पकड़ सकता है,पहली घटना में दक्षिण कोरिया का मानना था को उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जानबूझकर सीमा नहीं पार की थी।

पाकिस्तान में चारा खाने पर काट दिया ऊंट का पैर, छह आरोपी गिरफ्तार, दुबई से कृत्रिम पैर मंगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। घटना बीते सप्ताह की है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद रुस्तम शार और उसके पांच नौकरों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद पशु अधिकार संगठनों और लोगों ने जमकर विरोध किया। आलोचना और विरोध के बीच लोगों ने सरकारी से जमींदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

ऊंट के मालिक किसान सूमर बेहन ने मामले की जानकारी तब तक पुलिस को नहीं दी जब कि मामला सोशल मीडिया पर प्रकाश में नहीं आया, जब तक विरोध शुरू नहीं हो गया। विरोध शुरू होन के बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के निर्देश पर आश्रय स्थल का दौरा किया गया। उसके बाद पशुधन सचिव काजिम जाटो ने बताया, ऊंट को तुरंत कराची में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवा (सीडीआरएस) पशु आश्रय स्थल में ले जाया गया। ऊंट के लिए दुबई से कृत्रिम पैर मंगवाया गया है।

सचिव ने बताया कि सिंध सरकार ने पशु के उपचार का खर्च उठाने का वादा किया है। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं। जाटोई ने कहा कि ऊंट का पैर ठीक हो रहा है। उसके उपचार में

अगले चरण के लिए मंगलवार को उसका एक्स-रे किया जाएगा। सीडीआरएस बेनजी निदेशक सारा जहांगीर ने कहा कि आश्रय स्थल के कर्मचारियों ने ऊंट को प्यार से कैमी नाम दिया गया। उसको संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, वह स्थिर है, लेकिन उसका पैर संक्रमित है। उपचार में ड्रेसिंग, एंटीबायोटिक्स और आईवी द्रव लगाना शामिल है। संक्रमण को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि किसान ने अपराधी की पहचान करने और उसके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए राज्य की ओर से छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक अन्य प्राथमिकी में कहा गया है कि शनिवार को जब पुलिस अधिकारियों ने छह संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो उनका विरोध किया गया और उन पर हमला किया गया। सब-इंस्पेक्टर अत्ता हुसैन जट्ट ने बताया कि संदिग्धों को रविवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट आसिफ सियाल के समक्ष पेश किया गया और उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को घटना में इस्तेमाल हथियार नहीं मिला है, मामले की जांच चल रही है।

इजराइल ने 2023 में किया हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात

तेल अवीव, एजेंसी। वर्ष 2023 में इजराइल ने हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात किया। इजराइली रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 2023 में इजराइली हथियारों का निर्यात लगभग 12.9 बिलियन डॉलर के बराबर रहा। इजराइल ने लगातार तीसरे साल हथियारों के निर्यात का रिकॉर्ड तोड़ा। पिछले पांच सालों में इजराइली हथियारों का निर्यात दोगुना हो गया है।

रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा, इजराइल गाजा युद्ध के दौरान भी हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात करने में सफल रहा। मंत्रालय के अनुसार, 36 प्रतिशत राजस्व मिसाइल और वायु रक्षा प्रणालियों के निर्यात से आया। लगभग 48 प्रतिशत हथियार निर्यात एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, 35 प्रतिशत यूरोप में और नौ प्रतिशत उत्तरी अमेरिका में हुआ। लैटिन अमेरिका और अरब देशों को भी हथियार बेचे गए।

फ्रांस व जर्मनी की शक्तियां कमजोर हुईं, ईयू के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारी को लेकर बढ़ी संघ की टेंशन

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के नेताओं के बीच संघ के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारों को लेकर सोमवार को अंतिम सहमति नहीं बनी हालांकि कई नेताओं ने संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन के काम की सराहना की और प्रतीत होता है कि वह इस महीने के अंत में एक बार फिर से अपने पद पर काबिज हो सकती हैं। यूरोपीय संघ परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ब्रसेल्स में अनौपचारिक रात्रिभोज की अध्यक्षता के बाद कहा, अब तक आम सहमति नहीं बनी है। यूरोपीय संघ के एक अधिकारी ने कहा कि नेता ब्लॉक के कुछ प्रमुख पदों को भरने के करीब पहुंच रहे हैं।अधिकारी ने कहा कि डच समाजवादी फ्रैंस टिमरमैन यूरोपीय आयोग के प्रमुख के रूप में जीन-क्लाउड जंकर का स्थान लेने के लिए प्रमुख स्थिति में हैं।वार्ता में शामिल उच्च पदस्थ राजनयिक ने कहा कि क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स बुल्गारिया की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को डोनाल्ड टस्क के बाद यूरोपीय परिषद के प्रमुख के रूप में नियुक्त करेंगे, जो सदस्य देशों की नीतियों का समन्वय करती है और शिखर सम्मेलनों का आयोजन करती है।अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की क्योंकि 28 नेता अभी तक औपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए फिर से नहीं आए हैं, जहां उन्हें पदों की पुष्टि करनी चाहिए। संघ के 27 सदस्यीय देश हालिया यूरोपीय चुनावों में हुई उठापठक को लेकर चिंतित हैं और वे यह सोच रहे हैं कि इन नतीजों के साथ किस तरह से शीर्ष पदों के लिए उम्मीदवारों को नामांकित करें। मिशेल ने 27 और 28 जून को होने वाली संघ अध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों की अगली बैठक के संदर्भ में कहा, अगली यूरोपीय परिषद को तैयार करने की दिशा में आज (मंगलवार) हुआ यह संवाद एक उपयोगी कदम हैं। मिशेल ने वॉन डेर लेन और अन्य उम्मीदवारों की संभावनाओं पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, अगले सप्ताह सब स्पष्ट हो जाएगा। छह से नौ जून को हुए चुनावों में यूरोपीय संसद में ज्यादातर दक्षिणपंथी पार्टियों ने जीत हासिल की और फ्रांस व जर्मनी में सत्तारूढ़ सरकारों को जोरदार झटका दिया। यूरोपीय संघ की राजनीति को दिशा देने वाले फ्रांस और जर्मनी की शक्तियां कमजोर हुई हैं और धुर दक्षिणपंथी दलों ने जमीनी ताकत हासिल की। यूरोपीय संघ के जटिल शक्तियों के बंटवारे के तहत नेता आयोग के लिए अगले अध्यक्ष को नामांकित करते हैं।

नासा के रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में खोज निकाला रहस्यमयी बोल्डर, मिले दिलचस्प सुराग

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में एक महत्वपूर्ण खोज की है। रोवर ने एटोको पॉइंट नामक एक विशिष्ट हल्के रंग का रहस्यमयी बोल्डर खोज निकाला है।वर्तमान पर्सिवियरेंस मिशन के सह-नेता, ब्रैड गार्सिन्स्की ने कहा-माउंट वॉशबर्न में बनावट और संरचना की विविधता टीम के लिए एक रोमांचक खोज थी, क्योंकि ये चट्टानें क्रेटर रिम और संभावित रूप से उससे परे लाए गए भूगर्भीय उपहारों का एक समूह दर्शाती हैं। इन सभी अलग-अलग चट्टानों में से एक ने हमारा ध्यान खींचा। 18 इंच के व्यास वाले इस बोल्डर ने वैज्ञानिकों को पाइरोक्सीन और फेल्डस्पार की संरचना से आकर्षित किया, जो खनिज पृथ्वी और चंद्रमा पर भी पाए जाते हैं।

माना जाता है कि यह मंगल ग्रह के मैग्मा से उत्पन्न हुआ है और संभवतः प्राचीन नदी चैनलों द्वारा ले जाया गया है, यह खोज मंगल के भूवैज्ञानिक इतिहास पर प्रकाश डालती है और संभावित प्राचीन जीवन के सुराग प्रदान करती है। रोवर, जो 2021 में विशेष रूप से प्राचीन जेज़ेरो क्रेटर की जांच करने के लिए लाल ग्रह पर उतरा था, ने इस महीने की शुरुआत में एक रहस्यमयी हल्के रंग का बोल्डर पाया, जो मंगल ग्रह की भूमि पर देखा गया अपनी तरह का पहला बोल्डर है।

इटली के पास जहाज डूबने से 11 की मौत, 60 से ज्यादा लापता

रोम , एजेंसी। इटली के पास समुद्र में दो जहाज डूब गए, जिसमें कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि 66 अन्य लापता हैं। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवासी नावों में कुछ खराबी आने के कुछ घंटों बाद सोमवार देर रात तक भूमध्य सागर में इटली के कोस्ट गार्ड ने खोज और बचाव अभियान जारी रखा। दक्षिणी इटली में कैलाब्रिया के तट से लगभग 120 मील (193 किमी) दूर संकट में फंसी नाव को देखकर एक मर्चेंट शिप ने सबसे पहले एसओएस कॉल किया, जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया।

मर्चेंट शिप ने 12 लोगों को बचाया और इटली के कोस्ट गार्ड जहाज के आने तक उनकी सहायता की। कोस्ट गार्ड के अनुसार, एक महिला की जहाज से उतरने के तुरंत बाद मौत हो गई, वो बहुत बीमार थी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा, नाव के डूबने के बाद बचे लोगों की तलाश जारी है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि दो इतालवी गश्ती नौकाएं और एक एटीआर42 विमान खोज में शामिल हैं और जल्द ही मेडिकल टीमों के साथ एक और गश्ती जहाज खोज अभियान में शामिल हो जाएगा। सोमवार देर शाम तक कोई और जीवित नहीं मिला।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, जिन 66 लोगों के मरने की आशंका है, उनमें 26 नाबालिग हैं। जीवित बचे लोगों के बयान के अनुसार, यह नाव पिछले सप्ताह तुर्की से रवाना हुई थी, जिसमें इराक, सीरिया, ईरान और अफगानिस्तान से प्रवासी और शरणार्थी सवार थे। इतालवी अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। नाव भूमध्य सागर के रास्ते यूरोप पहुंचने की कोशिश कर रही थी। इससे पहले एक घटना में, जर्मन सहायता समूह रेस्कशिप के साथ एक बचाव जहाज ने 10 प्रवासियों को मृत पाया था और इटली के सबसे दक्षिणी द्वीप लैम्पेडुसा से दूर

माल्टा के पास संकट में फंसी एक नाव पर सवार 51 अन्य लोगों को बचाने में कामयाब रहा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बचे हुए लोग मुख्य रूप से बांग्लादेश, पाकिस्तान, मिस्र और सीरिया से थे। इतालवी गृह मंत्रालय ने जहाज को लैम्पेडुसा में डॉक करने का आदेश दिया था। भूमध्य सागर के माध्यम से नाव से यात्रा करने वाले प्रवासियों को मौसम की स्थिति और खराब गुणवत्ता वाले जहाजों के कारण इस तरह की खतरनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस वर्ष अब तक भूमध्य सागर को पार करते हुए लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं या लापता हो गए हैं। 2023 में 3,155 लोग लापता हो गए थे।

अमेरिका में भी जबरदस्त गर्मी का कहर, मध्य-पश्चिम और पूर्वोत्तर में 7.5 करोड़ लोगों पर खतरा, अलर्ट जारी : वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब दिखने लगा है। जहां भारत में इस समय जबरदस्त गर्मी के रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं, वहीं यूरोप और अमेरिका भी तापमान नए स्तरों तक पहुंच रहा है। अमेरिका में तो गर्मी इतनी तेज है कि यहां 7.5 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य अलर्ट तक जारी किया गया है। बताया गया है कि गर्म लहरों के मध्य-अटलांटिक और न्यू इंग्लैंड तक पहुंचने की वजह से बीते कुछ दिनों में अमेरिका में तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा आद्रता के बढ़ने से स्थिति और खराब हुई है। गौरतलब है कि बीते साल भी अमेरिका में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया था। यहां असामान्य रूप से लगातार दो दिन तक गर्म मौसम दर्ज किया गया था।

पाकिस्तान में टमाटर के भाव 250 रुपए तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में ईद के मौके पर महंगाई ने लोगों की हालत खराब कर रखी है। टमाटर के दाम एक दिन में 100 रुपया से ज्यादा बढ़कर 200 रुपया किलो से भी ज्यादा हो गए हैं, कई जगहों पर यह 250 तक पहुंच गए हैं। जिलों के प्रशासन ने टमाटर का मार्केट रेट 100 रुपया फिक्स कर रखा है लेकिन इसके बाद भी टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। रमजान और ईद के मौकों पर टमाटर जैसी चीजों की खपत बढ़ने के कारण कीमत बढ़ने की उम्मीद ज्यादा रहती है लेकिन प्रशासन द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे जमाखोरी बढ़ गई और दाम आसमान पर चढ़ गए। लगातार बढ़ती कीमतों के बीच पेशावर के जिला प्रशासन ने धारा 144 का प्रयोग करते हुए टमाटर को जिले से बाहर ले जाने पर रोक लगा दी है।

आज ईद के मौके पर पाकिस्तान में टमाटर, प्याज और आलू के भाव बढ़े हुए हैं, यह भावों के बढ़ने का क्रम रमजान के क पहले हफ्ते से ही शुरू हो गया था लेकिन प्रशासन की तरफ से इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। जिससे यह भाव लगातार बढ़ते गए।

सब्जियों और रोजमर्रा की चीजों के बढ़ते हुए दामों को लेकर रहवासियों ने भी

अपनी हताशा जाहिर की, उन्होंने कहा कि बाकी सब तो ठीक है हम झेल रहे हैं लेकिन यह एक दिन में 100 रुपय किलो तक दाम बढ़ जाना कहां तक सही है। जिला प्रशासन के नियम कायदे केवल कहने भर को हैं, कोई भी इनकी नहीं सुनता।

बजट में महंगाई कम करने का किया था वादा : हाल ही में आए पाकिस्तानी बजट में पाकिस्तानी सरकार ने महंगाई को कम करने का वादा किया था, उनके वादे कि धज्जियां कुछ ही दिनों में उड़ती हुई दिखाई दे रही हैं। सरकार ने वादा किया था कि वे महंगाई दर को अगले एक साल तक 12 फीसदी पर ही रोकने की कोशिश करेंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर माहौल उसके बिलकुल उलट दिखाई दे रहा है।

आईएमएफ से लोन लेने के लिए बढ़ानी होगी महंगाई : पाकिस्तान में महंगाई को कम रखना सरकार के बस में भी ज्यादा नहीं है, सरकार एक बार फिर से आईएमएफ के पास लोन लेने के लिए जा रही है। ऐसे में उसे आईएमएफ की शर्तों के हिसाब से अपनी योजनाएं तैयार करनी होगी, साथ ही साथ टैक्स के दायरे को भी बढ़ाना होगा। जिससे पाकिस्तान में महंगाई अभी और बढ़ेगी।

ड्रैगन ने की जी7 की आलोचना, शिखर सम्मेलन के नेताओं पर लगाया चीन को बदनाम करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर ड्रैगन (चीन) को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लिन जियान ने कहा, जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल ड्रैगन की निंदा करने और उसपर हमला करने के लिए किया। उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं। उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी तो एक साथ लाया जाए तो भी ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं।

जी7 अपने लक्ष्य से भटक गया- लिन जियान : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है। यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास

और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष ग्रुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है। जी 7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि वे चीन को नुकसान पहुंचाने और उसके आर्थिक विकास को विफल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। बता दें कि जी 7 सात देशों से मिलकर बना है, इसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस शामिल हैं। इटली में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए वहां की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किया था।

कश्मीर की आवाज बनूंगा; सुनक की पार्टी के सांसद अपनी ही चाल में फंसे, अब हो रही फजीहत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी पीएम मोदी के खिलाफ और कश्मीर की आवाज मैं बनूंगा को लेकर जारी अपने ही लेटर पर घिरते नजर आ रहे हैं। अब उनकी जमकर फजीहत हो रही है। उन्होंने चुनाव के बीच एक सार्वजनिक पत्र जारी कर पाक मूल के ब्रिटेनवासियों से अपील की थी, जिस पर विपक्ष ने उन्हें निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। अपने पत्र में उन्होंने आह्वान किया कि जो पाकिस्तानी ब्रिटेन में रह रहे हैं, वो चुनाव में उन्हें ही वोट दें क्योंकि संसद में सिर्फ वही हैं, जो कश्मीर के लिए उनकी आवाज बनेंगे। अपने लेटर में सांसद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि मोदी फिर पीएम बन गए हैं, तो अब आने वाले महीने कश्मीर के लोगों के लिए और कठिन होने वाले हैं। ब्रिटेन में 4 जुलाई को मतदान होना है और इस बार माना जा रहा है कि ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को चुनाव में अग्निपरीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। विपक्षी लेबर दल उम्मीद जता रही है कि वह इस बार तख्तापलट करेगी। चुनाव सिर पर हैं और इस बीच सुनक की पार्टी के सांसद ने ऐसा कर दिया कि उनकी चाल उन पर ही भारी पड़ती दिखाई दे रही है। बकरीद के मौके पर कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी ने अपने पत्र में दावा किया कि वह ब्रिटेन की संसद में कश्मीर की आवाज बनेंगे।

पीएम मोदी की आलोचना अपने लेटर में लोंघी ने लिखा कि कैसे वह कश्मीर के लोगों के प्रति भारत सरकार के अत्याचारों के खिलाफ बोलने में सबसे आगे रहे हैं और पूछते हैं, संसद में कश्मीर के लिए कौन बोलेगा? पत्र में कहा

गया है, हाल ही में हमने (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी की भाजपा को भारत में दोबारा निर्वाचित होते देखा है। इसका मतलब है कि आने वाले महीनों में कश्मीर के लोगों के लिए और भी कठिन समय होगा। इसमें आगे कहा गया, नरेंद्र मोदी ने हाल ही में स्पष्ट कर दिया है कि वह कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने जा रहे हैं, जिसका मतलब कश्मीरियों के किसी भी संप्रभु अधिकार और उनकी विशेष स्थिति को पूरी तरह से खत्म करना होगा। पाक मूल के लोगों को रिझाने में फंस गए सांसद मार्को लोंघी ने चुनाव से पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए चाल चली है। उन्होंने पाकिस्तानी मूल के ब्रिटेनवासियों को लिख पत्र में अपील की कि वे लेबर पार्टी के उम्मीदवार के बजाय उन्हें ही वोट दें। लोंघी ने संकल्प लिया कि वह संसद में कश्मीर के लिए अपनी आवाज और भी अधिक उठाएंगे। अब हो रही फजीहत लोंघी अपनी ही चाल में फंसते नजर आ रहे हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पर निशाना साधते हुए, लेबर पार्टी की ओर से राजेश अग्रवाल ने पत्र को समुदायों को विभाजित करने का शर्मनाक प्रयास कहा। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लिए अपमानजनक है। लीसेस्टर ईस्ट में लेबर संसदीय उम्मीदवार अग्रवाल ने कहा, लोंघी जिस तरह की राजनीति में लगे हुए हैं, उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ऋषि सुनक को पार्टी को पहले देश को तवज्जो देनी चाहिए और लोंघी के चुनावी अभियान को अपना समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लोंघी को ब्रिटिश भारतीयों को अलग-थलग करने के प्रयास के लिए माफी मांगनी चाहिए। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर को लेकर भारत अपने रुख पर कायम है। भारत लगातार कहता रहा है कि जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के साथ, भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

संक्षिप्त समाचार

बकरीद पर कुर्बानी से बचाने को 11 लाख में खरीद लिए 127 बकरे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत पूरे देश में सोमवार को बकरीद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। परंपरा के मुताबिक कुर्बानी भी दी गई। इस बीच दिल्ली में 127 बकरों को कुर्बानी से बचाने के लिए कुछ लोगों ने मिलकर 11 लाख रुपए खर्च कर डाले। ना सिर्फ इन बकरों को खरीदा गया बल्कि जीवनभर इनकी सेवा का इंतजाम भी किया गया है। सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, यह पहल पुरानी दिल्ली में स्थित धर्मपुरा जैन मंदिर से जुड़े जैन समाज के कुछ लोगों ने की। दिगंबर जैन लाल मंदिर के प्रबंधन से जुड़े पुनीत जैन ने बताया कि मंदिर से जुड़े युवा जैन संगठन ने यह काम किया। उन्होंने कहा, हर जीव को जीने का हक है। हमसे जो भी सहयोग हो सकता है, जितनी हमारी क्षमता है उसके तहत हमने ऐसा किया। पुनीत जैन ने बताया कि बकरों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें दाना-पानी दिया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम सुबह शाम उनकी जांच कर रही है। एक-दो दिन में खतौली के पास एक बकराशाला में भेजा जाएगा, जिसे जैन समाज की ओर से ही संचालित किया जाता है। बकरीद से दो दिन पहले ही मंदिर से जुड़े कुछ लोगों में मन में यह विचार आया। इसके बाद समाज के लोगों को जोड़ने वाले वॉट्सऐप ग्रुप्स में प्लान को साझा करते हुए आर्थिक मदद की अपील की गई। देखते ही देखते 11 लाख रुपए से अधिक की धनराशि जमा हो गई। इस धनराशि से 127 बकरों की खरीद की गई।

राजधानी दिल्ली में 6 साल बाद गुजरी सबसे गर्म रात, न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में गर्मी और हीटवेव का दौर जारी है। पानी की दिक्कत से भी लाखों लोग त्रस्त हैं। दिल्ली में इस सीजन रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से छह डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने बताया कि यह इस सीजन में अब तक का दर्ज हुआ सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। छह साल पहले न्यूनतम तापमान इतना ऊपर चढ़ा था। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में आखिरी बार 13 जून, 2018 को इससे अधिक न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पिछले पांच दिनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से 5-6 डिग्री ऊपर बना हुआ है। मंगलवार को यह 33.8 डिग्री तक पहुंच गया, ऐसी गर्मी छह साल बाद पड़ रही है। तापमान में बढ़ोतरी से रातें गर्म हो रहीं हैं। मौसम विभाग ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार से मौसम के बदलने की उम्मीद है। बुधवार और गुरुवार (19-20 जून) को दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार को बारिश की संभावना ज्यादा है। लेकिन बुधवार देर रात भी वर्षा हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने की भी भविष्यवाणी की गई है। इससे कई हिस्सों में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। दरअसल, जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या अधिक होता है तो इसे गर्म रात (वार्म नाइट) कहा जाता है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। बल्कि वार्म नाइट के लिए इसका 4.5 डिग्री से अधिक होना जरूरी है। गर्मी के इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान इतना अधिक दर्ज किया गया है। इससे पहले जून 2018 में यह 34 डिग्री तक पहुंचा था।

रील बनाने के चक्कर में लड़की ब्रेक लगाना भूली, गहरी खाई में गिरी कार ; दर्दनाक मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक लड़की रील बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूल गई और ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया। इससे हुआ यूं कि वह कार संग 300 फीट गहरी खाई में गिर गई। लड़की की दर्दनाक मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार की है और लड़की की पहचान 23 साल की श्वेता सुरवासे के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, लड़की चलाते हुए वीडियो शूट कर रही थी, तब यह हादसा हुआ। सोमवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में लड़की ने रिवर्स गियर में गाड़ी चला रही थी और गलती से उसने एक्सीलेटर दबा दिया। कार खाई में गिर गई और उसकी मौत हो गई। खुतबाबाद पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर में सुलिभंजन इलाके में हुई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, युवती कार चलाते हुए वीडियो शूट कर रही थी। जानकारी के अनुसार, श्वेता सुरवासे के दोस्त शिवराज मुले जब वीडियो शूट कर रहे थे, तो उन्होंने गाड़ी चलाने की कोशिश की। दुर्भाग्य से, जब कार रिवर्स गियर में थी, तो उन्होंने गलती से एक्सीलेटर दबा दिया। इससे कार पीछे की ओर फिसल गई और क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। बचावकर्मियों को उस जगह तक पहुंचने में एक घंटे से ज्यादा का समय लगा, जहां कार खाई में गिरी थी। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद युवती को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आईएएस परीक्षा देने आई बेटी को नहीं मिला मौका तो गेट पर लोटने लगी मां

गुरुग्राम , एजेंसी। रविवार को देशभर में यूपीएससी-2024 की परीक्षा में लाखों छात्रों ने भाग लिया। गुरुग्राम में एक परीक्षा स्थल पर लड़की सेंटर पर देरी से पहुंची तो उसे अंदर नहीं आने दिया। दुखी होकर लड़की के मां और पिता सड़क पर रोते रहे लेकिन, परीक्षा आयोजकों का दिल नहीं पसीजा। इसका दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की की मां गेट पर लोटती हुई नजर आई और बेटी को अंदर आने की विनती करती रही। उसके पिता को सिर पकड़कर चिल्लाते तो कभी मिन्नते करते देखा जा सकता है। उठकर चिल्लाते हुए वो कहते हैं- शाप लगेगा तुम्हे, भगवान के लिए अंदर आने दो। घटना गुरुग्राम के एक परीक्षा केंद्र के बाहर की बताई जा रही है। बीते रविवार को संघ लोक सेवा आयोग ने देश भर के विभिन्न केंद्रों पर सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 आयोजित की थी। जिसमें लाखों छात्र शामिल हुए। पहला सत्र सुबह 9 बजे शुरू हुआ था। देर से पहुंचने पर एक महिला अभ्यर्थी को गेट के अंदर एंट्री नहीं मिली। जिसके बाद यह पूरा हंगामा हुआ। इस घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो भी सामने आया है। इस वायरल वीडियो को एक्स पर साक्षी नाम की एक यूजर ने शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि लड़की की मां बेहोशी की हालत में गेट पर लोटती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी तरफ लड़की के पिता को रोते-बिलखते देखा जा सकता है।

लड़की क्लिप में कहती हुई दिख रही है, पापा! पानी पियो। क्यों ऐसे कर रहे हो? पापा, हम अगली बार दे देंगे। कुछ ऐसी बात नहीं है। मैं अगले साल परीक्षा में बैठूंगी, यह कोई बड़ी बात नहीं है। रोते-रोते मां-पिता क्या कह रहे रोते हुए पिता कहते हैं, एक साल गया बाबू हमारा। जिस पर वह जवाब देती हैं, कोई बात नहीं ! उमर नहीं जा रही है मेरी। अभी मैं जवान हूं। उधर, पिता और बेटी रोती हुई मां को सांत्वना देने का प्रयास करते हैं। लड़की की मां गेट पर लोटती हुई दिखाई देती है। वह बार-बार यही बोलती है कि मैं यहां से नहीं जाऊंगी। सोशल मीडिया पर रिएक्शन इस वीडियो को सोशल मीडिया पर 25 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। दिल दहला देने वाले इस वीडियो पर लोगों के कमेंट की बाढ़ आ गई है। यूजर ने क्लिप के कैप्शन में कहा, दिल दहला देने वाला वीडियो। आज यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के लिए अपनी बेटी के साथ आए माता-पिता की हालत क्या हो गई। क्योंकि देर से आने के कारण उनकी बेटी को अंदर नहीं जाने दिया। एक यूजर ने कहा, नियम यही है, रिपोर्टिंग समय के बाद किसी को भी अनुमति नहीं है। एक व्यक्ति ने लिखा, मैंने कल परीक्षा में हिस्सा लिया था। उन्होंने मुझे सुबह 9 बजे के बाद भी अंदर जाने की अनुमति दी। लेकिन कुछ कॉलेजों में यह इंचार्ज पर निर्भर करता है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक पद से दिया इस्तीफा, फिलहाल बने रहेंगे मंत्री

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सबसे वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को अपना इस्तीफा सौपा है। इस दौरान बृजमोहन अग्रवाल के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर, प्रेम प्रकाश पांडे, राजेश मूणत, सुनील सोनी, अनुज शर्मा और विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल की इस्तीफा के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने यह कहा कि छत्तीसगढ़ के विधानसभा में बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति का एहसास हमेशा होता रहेगा। बृजमोहन अग्रवाल की इस्तीफा के बाद विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने यह कहा कि बृजमोहन अग्रवाल ने 35 साल के विधायक का अनुभव मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा तक काम किया है। आज 5 लाख 50 हजार वोट से लोकसभा के लिए जीत के गए हैं। आज उन्होंने अपनी छत्तीसगढ़ विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दिया है जिसे स्वीकार कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा में बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति का एहसास हमेशा होता रहा है। इतनी जीवंतता बनी रही है अब उनकी कमी हमेशा बनी रहेगी। अब राष्ट्रीय परिपेक्ष में उनको अवसर छत्तीसगढ़ की आवश्यकता को बताने का मौका मिलेगा।

ईंधन की कीमतों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, विरोध के दौरान नेता की गई जान

बंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व एमएलसी एमबी भानुप्रकाश का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। घटना सोमवार की बताई जा रही है। जब शिवमोगा में विरोध प्रदर्शन के दौरान भानुप्रकाश कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद जमीन पर गिर गए।

यह विरोध प्रदर्शन कर्नाटक सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर को बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और 18.44 प्रतिशत करने के फैसले के खिलाफ था। सरकार के इस फैसले से 15 जून से राज्य भर में पेट्रोल की कीमतों में लगभग तीन रुपये और डीजल की कीमतों में 3.05 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद ईंधन की कीमतों में संशोधन करने वाला कर्नाटक पहला राज्य है।

पुलिस के अनुसार शिवमोगा में भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भानुप्रकाश प्रकाश कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद अपनी कार में बैठते समय गिर पड़े। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने के बावजूद बचाया नहीं जा सका।

कर्नाटक बीजेपी प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले संघ के वफादार भानुप्रकाश के आकस्मिक निधन से उन्हें झटका लगा है। विजयेंद्र ने कहा, भानुप्रकाश ने अपनी आखिरी सांस तक भाजपा के लिए काम किया। उनके निधन से पार्टी को बहुत बड़ी क्षति हुई है।

गुजरात में मालगाड़ी के ड्राइवर की सूझबूझ से 10 शेरों की जान बची

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले में मालगाड़ी के ड्राइवर की सूझबूझ से 10 शेरों की जान बच गई। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अमरेली जिले में पीपावाव बंदरगाह के पास एक मालगाड़ी के चालक ने सोमवार तड़के पटरियों पर दस शेरों को देखकर आपातकालीन ब्रेक लगाकर उनकी जान बचाई। पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) के भावनगर खंड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह घटना तब हुई जब मुकेश कुमार मीणा पीपावाव बंदरगाह स्टेशन से साइडिंग (मुख्य गलियारे के बगल में एक छोटा ट्रैक) तक मालगाड़ी का संचालन कर रहे थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ड्राइवर मुकेश कुमार मीणा तेजी से मालगाड़ी को आगे बढ़ा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी नजर शेरों पर पड़ी। उन्होंने देखा कि 10 शेर पटरी पर बैठकर आराम कर रहे थे। ऐसा देख उन्होंने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोक दी। उन्होंने मालगाड़ी रोककर तब तक इंतजार किया जब तक कि शेर पटरी से उठकर दूर नहीं चले गए। इसके बाद उन्होंने मालगाड़ी को उसके गंतव्य तक पहुंचाया। रेलवे के अधिकारियों ने ड्राइवर के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है। डब्ल्यूआर की विज्ञप्ति में कहा गया है कि शेरों सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भावनगर मंडल द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। निर्देश के अनुसार, इस मार्ग पर ट्रेन चालक सतर्क रहते हैं और निर्धारित गति सीमा के अनुरूप ही ट्रेन चलाते हैं।

हिमाचल उपचुनाव में कांग्रेस ने हमीरपुर और नालागढ़ से उतारे प्रत्याशी, देहरा सीट पर ऐलान बाकी

हमीरपुर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तीन में से दो सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने नालागढ़ और हमीरपुर से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों को फिर मौका दिया है। नालागढ़ सीट से हरदीप सिंह बाबा और हमीरपुर सीट से डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा को टिकट मिला है। अब देहरा सीट पर प्रत्याशी का ऐलान किया जाना बाकी है। इस सीट पर पूर्व प्रत्याशी राजेश शर्मा के अलावा भाजपा के कदावर नेता व पूर्व मंत्री रमेश धवाला सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता टिकट की दौड़ में हैं। दूसरी तरफ भाजपा सभी तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी पांच दिन पहले ही घोषित कर चुकी है। नालागढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी हरदीप सिंह बाबा प्रदेश इंटक के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के नेतृत्व वाली पूर्व कांग्रेस सरकार में श्रमिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रहे थे। हरदीप सिंह बाबा की गिनती वीरभद्र सिंह परिवार के करीबियों में होती है। उनकी टक्कर भाजपा के केएल ठाकुर से होगी। हमीरपुर सीट से प्रत्याशी बनाए गए डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा सियासी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता रणजीत सिंह वर्मा पूर्व में उद्योग मंत्री रह चुके हैं। डॉक्टर वर्मा सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी माने जाते हैं। डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा पेशे से चिकित्सक हैं। उनका मुकाबला भाजपा के आशीष शर्मा से होगा। बता दें कि साल 2022 के चुनाव में ये तीनों सीटें निर्दलीय विधायकों के

खाते में थी। देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर ने चुनाव जीता था। हालांकि निर्दलीय विधायक निर्वाचित होने के बाद वे सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को समर्थन दे रहे थे। इसी साल 27 फरवरी को राज्यसभा की एक सीट पर हुए चुनाव में इन तीनों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया। इसके बाद इन्होंने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव के नतीजों से एक दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष ने इनका इस्तीफा मंजूर किया था। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा ने उपचुनाव में तीनों पूर्व निर्दलीय विधायकों को प्रत्याशी बनाया है। तीनों विधानसभा हलकों में उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बीते 14 जून को शुरू हुई है, जो 21 जून तक चलेगी। तीनों सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होगा और 13 जुलाई को चुनाव नतीजे आएंगे।

68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा में मौजूदा समय में 65 सदस्य हैं और इनमें सत्तारूढ़ कांग्रेस के 38 और भाजपा के 27 विधायक हैं। तीन सीटों पर विस उपचुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर कोई असर नहीं डालेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत हासिल है।

हसबुल्ला ने गायों को ठूंस-ठूंसकर खिलाया पराठा और कटहल, 5 की दर्दनाक मौत

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल की एक गौशाला में गायों को कथित तौर चारे की जगह मैदे से बना पराठा और कटहल ठूंस-ठूंसकर खिलाने का मामला सामने आया है। अधिक खाने से पांच गायों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि, नौ को इलाज के लिए पशु अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पराठा और कटहल से मरने वाली गायें हसबुल्ला नाम के एक डेयरी किसान की बताई जा रही हैं। वह पिछले 20 साल से गायों का पालन कर रहा है। इस मामले में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उसकी गौशाला का दौरा भी किया। उन्होंने कहा कि किसान को उसके नुकसान की भरपाई की जाएगी।

बता दें कि पराठा मैदा से बनी एक रोटी का प्रकार है। यह केरल समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में लोकप्रिय व्यंजन है। उसे तवे पर तलकर तैयार किया जाता है।

घटना क्या हुई : मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को अचानक गायें बेहोश होने लगीं। किसान के कॉल पर पहुंची पशु चिकित्सक टीम के अधिकारियों ने गायों को चेक करना शुरू किया। पशु कल्याण

विभाग के अनुसार, पांच गायों की मौत हो चुकी थी। जबकि, नौ गायों में कंपन हो रहा था। जांच से पता चला कि पराठा और कटहल अधिक खाने से उनका ऐसा हाल हुआ है।

हसबुल्ला ने ऐसा क्यों किया : ऐसी जानकारी सामने आई है कि हाल ही में पशुओं के चारे की कीमत बढ़ गई थी। जिसके बाद हसबुल्ला ने अपनी गायों को पराठा, कटहल और इमली के बीज की भूसी का मिश्रण खिलाना शुरू कर दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, पराठा के लिए एक निश्चित मात्रा तय की गई थी, लेकिन हसबुल्ला ने गायों को उस हिसाब से खाना नहीं दिया। इस पूरे प्रकरण पर जिला पशुपालन अधिकारी डी शाइन कुमार का कहना है कि अगर गायें बहुत अधिक पराठा, कटहल या चावल का दलिया खाती हैं तो इससे उनके शरीर में लैक्टिक एसिड की मात्रा बढ़ सकती है।

भाजपा कैंडिडेट को भी नतीजे पर शक, ईवीएम और वीवीपैट मिलान के लिए पहुंचे चुनाव आयोग

नईदिल्ली, एजेंसी। हालिया लोकसभा चुनावों में हार का सामना करने वाले करीब एक दर्जन उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को आवेदन देकर ईवीएम वीवीपीएटी जांच की मांग की है। इसमें भाजपा उम्मीदवार से लेकर अन्य दलों के भी कैंडिडेट शामिल हैं। अपने आवेदनों में इन उम्मीदवारों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (ईवीएम वीवीपीएटी) यूनिट के मेमोरी वेरिफिकेशन की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे कुल 10 उम्मीदवारों के आवेदन चुनाव आयोग को मिले हैं, जिन्होंने ईवीएम-वीवीपैट के सत्यापन की जांच की मांग की है। इनमें से अधिकांश उम्मीदवारों ने एक से तीन ईवीएम यूनिट के सत्यापन की मांग की है। हालांकि कुछ उम्मीदवारों ने इससे ज्यादा यूनिट की जांच की भी मांग की है। इन उम्मीदवारों को प्रत्येक ईवीएम यूनिट के लिए 40,000 रुपये और उस पर 18 फीसदी जीएसटी चुकाना पड़ा है। जिन लोगों ने ऐसे आवेदन दिए हैं, उनमें महाराष्ट्र के अहमदनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुजय राधाकृष्ण विखेपाटिल भी शामिल हैं। इन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार ईवीएम यूनिट की जांच की मांग की है। शरद पवार की एनसीपी के नीलेश ज्ञानदेव लंके ने उन्हें 28929 मतों से हराया है। इनके अलावा ओडिशा में झारसुगुड़ा से बीजू जनता दल की उम्मीदवार दीपाली दास ने भी ऐसी ही मांग की है। वह भाजपा के टंकधर त्रिपाठी से लोकसभा चुनाव 1265 वोटों से हार गई थीं। दास इस

सीट से कई बार सांसद रह चुकी हैं। उन्होंने करीब एक दर्जन ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कुल 19 राउंड की गिनती में 17वें राउंड तक वह आगे चल रही थीं लेकिन अचानक आखिरी दो राउंड की गिनती में वह पिछड़ गईं। यह उन्हें रास नहीं आ रहा है। ईटी से बातचीत में दास ने यह पुष्टि की है कि उन्होंने 13 मशीनों के सत्यापन की मांग चुनाव आयोग से की है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है, से एक भी ऐसे आवेदन आयोग को नहीं मिले हैं। बता दें कि लोकसभा चुनावों के दौरान 26 अप्रैल के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सभी ईवीएम-वीवीपैट पर्चियों के मिलान की अर्जी खारिज करते हुए कहा था।

कांग्रेस ने गुजरात में 2 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का लगाया आरोप, भाजपा सरकार ने दिया जवाब

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात कांग्रेस ने सोमवार को भरूच में जीआईडीसी की दो सम्पदाओं में उद्योगों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, हालांकि राज्य सरकार ने इन दावों को निराधार बताया। कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल ने संवाददाताओं को बताया कि जून 2023 में गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) प्रबंधन ने सायखा और दाहेज एस्टेट को संतृप्त क्षेत्र घोषित किया था, जिसके लिए जमीन का आवंटन केवल सार्वजनिक नीलामी के जरिए जाना था, लेकिन इस साल फरवरी में निर्णय को उलट दिया गया। उन्होंने बताया कि जीआईडीसी प्रबंधन ने दोनों सम्पदाओं को असंतृप्त घोषित कर दिया, जिसका अर्थ था कि सार्वजनिक नीलामी की आवश्यकता के बिना, निश्चित जंत्री दर (सरकार द्वारा निर्धारित दर) पर जमीनत आवंटित की जा सकती थी। गोहिल ने आरोप लगाया कि यह बहुत कम कीमत पर जमीन आवंटित करने और इस तरह 2,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने के लिए किया गया। उन्होंने जून 2023 के फैसले को पलटने पर राज्य की भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगा।

सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज से जांच की मांग : उन्होंने इस मुद्दे की सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के किसी मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने की भी मांग की क्योंकि इससे राज्य के खजाने को कथित तौर पर भारी नुकसान हुआ है। कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता गोहिल ने कहा, जब किसी जीआईडीसी को संतृप्त घोषित कर दिया जाता है, तो उसे शेष भूखंडों की बिक्री नीलामी के जरिए करनी पड़ती है, जिससे राज्य को अधिक राजस्व प्राप्त होता है। हालांकि, मंत्री ऋषिकेश पटेल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें असंतृप्त घोषित करने का निर्णय जीआईडीसी बोर्ड द्वारा उसकी 519वीं बैठक में लिया गया था, जब राज्य सरकार को उद्योग निकायों से प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ था। पटेल ने बताया कि उद्योग निकायों ने सरकार के ध्यान में लाया कि दोनों जीआईडीसी में पर्याप्त मात्रा में बिना बिकी भूमि है, इसलिए उन्हें संतृप्त घोषित नहीं किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, इस पर सरकार ने विचार किया और 519वीं बैठक में अपने निर्णय को पलट दिया। पटेल ने कहा, दाहेज और सायखा औद्योगिक एस्टेट में रासायनिक और इंजीनियरिंग दोनों ही क्षेत्र हैं। जीआईडीसी ने इन एस्टेट के रासायनिक क्षेत्रों में लगभग 90 प्रतिशत भूखंड बेचे जाने के बाद पूरे एस्टेट को संतृप्त क्षेत्र घोषित करने का फैसला किया, जबकि इंजीनियरिंग क्षेत्रों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध थी। उन्होंने कहा, औद्योगिक निकायों से अभ्यावेदन प्राप्त करने के बाद, जीआईडीसी ने अपनी 519वीं बैठक में इस तथ्य पर विचार करने के बाद दोनों एस्टेट को असंतृप्त घोषित किया कि रासायनिक और इंजीनियरिंग क्षेत्रों को मिलाकर पर्याप्त भूमि उपलब्ध थी। मंत्री ने कहा कि निर्णय में कोई अनियमितता नहीं है और सायखा में एक भी भूखंड आवंटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन पर सभी निर्णय विभिन्न पहलुओं पर विचार करने और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से एक समिति द्वारा लिए जाते हैं। मंत्री ने कहा, जीआईडीसी एक गैर-लाभकारी संस्था है।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।